Weather Report
अधिकतम तापमान: 32.0c
न्यूनतम तापमान: 21.0c
हवा गति: 11 कि./घं.
जयपुर सूर्योदय समय
सुबह: 6.06

दैनिक
संजीवनी टुडे
sanjeevnitoday.com
समय के साथ बढ़ता अखबार

वर्ष: 11 अंक: 241 जयपुर, शुक्रवार, 25 अक्टूबर 2024 पृष्ठ:8 मूल्य: ‘1.50

अब होगी सुर्खियों की बात संजीवनी टुडे के साथ
जन्मदिवस, वैवाहिक वर्षगांठ एवं नियुक्ति बधाई संदेश
मात्र 1100/- में
साईज 8X8 cm
संजीवनी टुडे
e-mail: sanjeevnitoday@gmail.com

जस्टिस संजीव खन्ना सीजेआई बने, 11 नवंबर को शपथ

6 महीने रहेगा कार्यकाल, अनुच्छेद 370 हटाने को सही बताया था

संजीवनी टुडे

नई दिल्ली। जस्टिस संजीव खन्ना सुप्रीम कोर्ट के 51वें चीफ जस्टिस होंगे। वे 11 नवंबर को पद और गोपनीयता की शपथ लेंगे। यह जानकारी गुरुवार को कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने दी। सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने सरकार से जस्टिस खन्ना के नाम की सिफारिश की थी। सीजेआई चंद्रचूड़ 10 नवंबर 2024 को रिटायर हो जाएंगे। परंपरा है कि मौजूदा सीजेआई अपने उत्तराधिकारी के नाम की सिफारिश तभी करते हैं, जब उन्हें कानून मंत्रालय से ऐसा करने का आग्रह किया जाता है। सीजेआई चंद्रचूड़ के बाद वरिष्ठता सूची में जस्टिस संजीव खन्ना का नाम है। इसलिए जस्टिस खन्ना का नाम आगे बढ़ाया था। हालांकि, उनका कार्यकाल सिर्फ 6 महीने का होगा। 64 साल के जस्टिस खन्ना 13 मई 2025 को रिटायर होंगे। सुप्रीम कोर्ट जज के तौर पर जस्टिस खन्ना ने 65 फैसले लिखे हैं। इस दौरान वे करीब 275 बेंचों का हिस्सा रहे हैं। दिल्ली हाईकोर्ट में 14 साल तक जज रहे जस्टिस संजीव खन्ना का जन्म 14 मई 1960 को हुआ था। उन्होंने दिल्ली यूनिवर्सिटी के कैंपस लॉ सेंटर से कानून की पढ़ाई की। ग्रेजुएशन के बाद, उन्होंने 1983 में दिल्ली बार काउंसिल में एक वकील के रूप में रजिस्ट्रेशन कराया। सुप्रीम कोर्ट जज बनाए जाने से पहले वे दिल्ली हाईकोर्ट में 14 साल तक जज रहे।

विवाद 32 जजों की अनदेखी करने पर जमकर विवाद हुआ

2019 में सुप्रीम कोर्ट में पदोन्नत किया गया था। सुप्रीम कोर्ट जज बनने पर भी हुआ था विवाद 32 जजों की अनदेखी करके जस्टिस खन्ना को सुप्रीम कोर्ट जज बनाने पर जमकर विवाद हुआ था। 10 जनवरी 2019 को कॉलेजियम ने उनकी जगह जस्टिस माहेश्वरी और वरिष्ठता में 33वें स्थान पर जस्टिस खन्ना को प्रमोट करने का फैसला किया। इसके बाद सिफारिश पर राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने दस्तखत कर दिए थे। वरीयता को अनदेखा करते हुए सीजेआई बनाने के दो मामले, दोनों इंदिरा सरकार के अप्रैल 1973 में सुप्रीम कोर्ट के तीन सीनियर जजों को दरकिनार करते हुए एएन रे को एक्स्बनाया गया था।1977 में जब जस्टिस रे रिटायर हुए तो जस्टिस एचआर खन्ना सबसे सीनियर थे। लेकिन, उनकी जगह जस्टिस एमएच बेग को चुना गया। इमरजेंसी के दौरान जस्टिस खन्ना ने इंदिरा सरकार के खिलाफ फैसले सुनाए थे, जस्टिस संजीव खन्ना उन्हीं के भतीजे हैं।

सीजेआई बोले- वायु प्रदूषण के चलते मॉर्निंग वॉक बंद की

चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि दिल्ली में बढ़ते वायु प्रदूषण के चलते उन्होंने मॉर्निंग वॉक पर जाना बंद कर दिया है। उन्होंने कहा कि उनके डॉक्टर ने उन्हें सुबह की सैर पर जाने को मना किया है क्योंकि खराब हवा के चलते सांस संबंधी परेशानियां हो सकती हैं। सीजेआई ने यह बात सुप्रीम कोर्ट में आयोजित प्री-डिवाली सेलिब्रेशन में जर्नलिस्ट्स से बातचीत के दौरान कही। जस्टिस चंद्रचूड़ 10 नवंबर को रिटायर हो रहे हैं। इस आयोजन में सीजेआई ने ये भी ऐलान किया कि अब से सुप्रीम कोर्ट की कार्यवाही को कवर करने के लिए पत्रकारों के लिए कानून की डिग्री होना अनिवार्य नहीं होगा। इस बीच सर्दी का मौसम शुरू होते ही दिल्ली की एयर क्वालिटी पहले से ही ‘बहुत खराब‘ श्रेणी में पहुंच चुकी है। कमीशन फॉर एयर क्वालिटी मैनेमेंट के मुताबिक गुरुवार सुबह दिल्ली में एयर क्वालिटी इंडेक्स 385 रिकॉर्ड किया गया। वहीं, यमुना नदी में जहरीला झाग नजर आने लगा है। जस्टिस संजीव खन्ना के पिता जस्टिस देवराज खन्ना भी दिल्ली हाईकोर्ट के जज थे। उनके चाचा जस्टिस हंसराज खन्ना भी सुप्रीम कोर्ट जज रहे। यह दुर्लभ संयोग था कि जस्टिस संजीव खन्ना ने सुप्रीम कोर्ट के जज के तौर पर अपना पहला दिन उसी कोर्ट रूम से शुरू किया, जहां से उनके चाचा, दिवंगत जस्टिस एचआर. खन्ना रिटायर हुए थे।

यूपी-राजस्थान, उत्तराखंड में अवैध संपत्ति गिराने का मामला

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- राज्यों के खिलाफ लगी याचिकाओं पर सुनवाई नहीं करेंगे

संजीवनी टुडे

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को उत्तराखंड, राजस्थान और उत्तर प्रदेश में अवैध संपत्तियों को गिराने के खिलाफ लगी याचिकाओं पर सुनवाई से इनकार कर दिया। मामले की सुनवाई जस्टिस बी आर गवई, जस्टिस पी के मिश्रा और जस्टिस के वी विश्वनाथन की बेंच ने की। बेंच ने कहा- हम उन याचिकाकर्ता की याचिका पर विचार करने के लिए इच्छुक नहीं है, जो प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से इन मामले से नहीं जुड़े हैं। इन याचिकाओं को सुनने लगे तो मामले काफी बढ़ जाएंगे। दरअसल, याचिकाकर्ता ने आरोप लगाया है कि हरिद्वार, जयपुर और कानपुर में अधिकारियों ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश को नहीं माना, जिसमें कहा गया था कि कोर्ट की अनुमति के बिना संपत्ति नहीं गिराई जाएगी। याचिकाकर्ताओं के वकीलः सुप्रीम कोर्ट का आदेश था कि कोर्ट की अनुमति के बिना कोई भी संपत्ति नहीं गिराई जाएगी। इनमें से एक मामले में एफआईआर दर्ज होने के तुरंत बाद संपत्ति को गिरा दिया गया। यूपी सरकार के वकीलः याचिकाकर्ता ने कुछ मीडिया रिपोर्ट के आधार पर कोर्ट का रुख किया। क्योंकि ये सिर्फ फुटपाथ पर अतिक्रमण था जिसे अधिकारियों ने हटाया था। सुपीम कोर्ट ने कहा- तोड़फोड़ की तो पीड़ित

की प्रॉपर्टी का री-कंस्ट्रक्शन होगा सुप्रीम कोर्ट ने 1 अक्टूबर को बुलडोजर एक्शन के मामले में सुनवाई की थी। कोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित रखा था। जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस विश्वनाथन की बेंच ने कहा कि फैसला आने तक देशभर में बुलडोजर एक्शन पर रोक जारी रहेगी। केंद्र बोला- हाथ न बांधें, कोर्ट ने कहा- आसमान नहीं फट पड़ेगा सुप्रीम कोर्ट ने 17 सितंबर को कहा था 1 अक्टूबर तक बुलडोजर एक्शन नहीं होगा। अगली सुनवाई तक देश में एक भी बुलडोजर कार्रवाई नहीं की जानी चाहिए। जब केंद्र ने इस ऑर्डर पर सवाल उठाया कि संवैधानिक संस्थाओं के हाथ इस तरह नहीं बांधे जा सकते हैं। तब जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस केवी विश्वनाथन ने कहा- अगर कार्रवाई दो हफ्ते रोक दी तो आसमान नहीं फट पड़ेगा।

खबरें फटाफट

कन्हैया लाल का एमबीबीएस में चयन होने पर किया सम्मान

संजीवनी टुडे

टोंक/पीपलू। ग्राम झिराना निवासी श्योजी लाल बैरवा के पुत्र कन्हैयालाल बैरवा का एमबीबीएस में चयन होने पर अम्बेडकर युवा छोटा बड़ा संस्थान के द्वारा कन्हैयालाल बैरवा का सम्मान कार्यक्रम रखा गया जिसमें पिता और पुत्र दोनो का सम्मान स्वरूप साफा बंधवाकर , माला पहनाकर , मिठाई खिलाकर बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा भेंट करके सम्मानित किया गया। इस दौरान कार्यक्रम में पुर्व सरपंच प्रत्याशी प्रहलाद बैरवा ,पुर्व सरपंच प्रत्याशी राजेश पेंटर , समाजसेवी रामकिशोर गोठवाल,नानूराम , भंवरलाल (हाड़ीकला) , शिवराज टाटावत जी , बनवारी भटनागर , समाजसेवी सूरज बैरवा , सुरजकरण , दयाराम गोठवाल , चेतन धवन आदि मौजूद रहे।

बैरवा छात्रावास का निर्माण कार्य प्रगति पर, समाज बंधुओ का जताया आभार

संजीवनी टुडे

जयपुर। बैरवा शिक्षा प्रचार एवं सहायतार्थ समिति के तहत बैरवा छात्रावास,जगतपुरा का निर्माण कार्य प्रगति पर है। समिति के प्रवक्ता एडवोकेट मोहन प्रकाश बैरवा ने जानकारी दी कि गुरूवार को बैरवा छात्रावास,जगतपुरा,जयपुर की तृतीय मंजिल की छत भराई का कार्य संपूर्ण हुआ। छत भराई के समय संस्था के अध्यक्ष एस.के बैरवा ,प्रबंध समिति के सचिव रोडू राम सुलानिया, संस्था के महामंत्री हरी राम नागरवाल, निर्माण समिति के सदस्य भोमाराम टाटीवाल,संस्था के प्रवक्ता एडवोकेट मोहन प्रकाश बैरवा ,सदस्य मोहनलाल बैरवा मौजूद रहे। संस्था अध्यक्ष एस.के.बैरवा ने उपस्थित सभी पदाधिकाकारियो का धन्यवाद ज्ञापित किया एवं संस्था मे सहयोग करने के लिये सभी समाज बंधुओ का दिल से आभार व्यक्त किया।

छात्र छात्राओं ने स्टाफ के साथ रंगोली बनाई और पटाखें फोड़कर मनाई दिवाली

संजीवनी टुडे

फागी। पी एम श्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय रेनवाल मांजी में प्रधानाचार्य रोहित खारिया के सानिध्य में बेटी बचाओ बेटी बढ़ाओ योजना के तहत स्वास्थ्य व स्वच्छता प्रबंधन कार्यशाला का आयोजन किया गया। प्रधानाचार्य रोहित खारिया ने कहा कि बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना, जिसका अर्थ है ''लड़की बचाओ, लड़की पढ़ाओ,'' भारत सरकार द्वारा एक महत्वपूर्ण पहल है। इसे लैंगिक समानता को बढ़ावा देने और लड़कियों को सशक्त बनाने के लिए शुरू किया गया था, यह योजना शिक्षा, वित्तीय सुरक्षा और लड़कियों के खिलाफ हानिकारक प्रथाओं को खत्म करने पर केंद्रित है। इस अवसर पर छात्र छात्राओं ने स्टाफ के साथ रंगोली बनाई और पटाखें फोड़कर दिवाली मनाई। तथा सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती मनाई। इस दौरान प्रधानाचार्य रोहित खारिया, उप प्रधानाचार्य विनिता गुप्ता, रमेश गुर्जर, नवीन जैन, विजेता सैन, सरिता मूंड, ममता जाट, कैलाश गुर्जर, पूनम गुप्ता, सीमा गोधा सहित छात्र छात्राएं मौजूद रहे।

तीन आरोपी गिरफ्तार, चोरी की पिकअप जब्त

संजीवनी टुडे

फागी। पुलिस थाना करधनी जयपुर शहर से पिकप चोरी का मामला सामने आया। मामले को संज्ञान में लेकर माधोराजपुरा पुलिस उप अधीक्षक रामधन सांडीवाल के निर्देशन में रेनवाल मांजी थाना अधिकारी रामपाल शर्मा के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया। इसके बाद रेनवाल मांजी थाना पुलिस ने योजना बनाकर पिकअप सहित तीन आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की। थाना अधिकारी रामपाल शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि नाकाबंदी के दौरान दौसा निवासी राजकुमार पुत्र श्रवण बागरिया, फागी निवासी गजानंद पुत्र तेजाराम बागरिया और कैलाश पुत्र नाथू कालबेलिया को गिरफ्तार कर पिकअप को जब्त किया गया। तथा घटना के संबंध में पुलिस थाना करधनी को अवगत करवाया. कार्रवाई में कांस्टेबल राजेश मीणा, संजय कुमार व मनीष कुमार की विशेष भूमिका रही।

उदयपुर की पहली हिल्टन होटल्स एंड रिसॉर्ट्स प्रॉपर्टी के साथ हिल्टन ने झीलों के शहर में रखा कदम

दो होटलों के संचालन के साथ, हिल्टन उदयपुर राजस्थान में कंपनी का तीसरा प्रस्तावित होटल होगा, जो जयपुर में वाल्डोर्फ एस्टोरिया और कॉनराड की घोषणा के बाद आ रहा है

संजीवनी टुडे

उदयपुर। हिल्टन के फ्लैगशिप ब्रांड, हिल्टन होटल्स एंड रिसॉर्ट्स ने उदयपुर में अनुबंध पर हस्ताक्षर की घोषणा की, जो 'झीलों की नगरी' के रूप में प्रसिद्ध है। यह 118-कमरों वाला हिल्टन उदयपुर, एलिसियन होटल्स प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से विकसित किया जाएगा और इसे 2026 की शुरुआत में खोला जाएग। हिल्टन फिलहाल राजस्थान में अपने दो होटलों, यानी हिल्टन जयपुर और डबलट्री बाय हिल्टन जयपुर आमेर का संचालन कर रहा है। यह हस्ताक्षर उत्तर-पश्चिमी राज्य में अपनी उपस्थिति को मजबूत करने के लिए हिल्टन की प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जिसमें 2023 में प्रतिष्ठित वाल्डोर्फ एस्टोरिया ब्रांड का हस्ताक्षर और इस वर्ष की शुरुआत में जयपुर में भारत का तीसरा कॉनराड होटल्स एंड रिसॉर्ट्स संपत्ति का हस्ताक्षर भी शामिल है। इस मौके पर ज़ुबिन सक्सेना, सीनियर वाइस प्रेसिडेंट एवं रीजनल हेड, साउथ एशिया, हिल्टन, ने कहा, ''उदयपुर में हमारे पहले हिल्टन के लिए अनुबंध पर हस्ताक्षर करना सही मायने में हमारी प्रगति के लिए एक बड़ी उपलब्धि है, क्योंकि यह भारत के सबसे मूल्यवान पर्यटन स्थलों पर अपनी मौजूदगी दर्ज करने की हमारी रणनीतिक विस्तार योजना से जुड़ा है। अक्सर उदयपुर शहर को ''पूर्व का वेनिस'' कहा जाता है, जो देश-विदेश के लोगों के बीच पर्यटन के साथ-साथ शादियों के आयोजन के लिए भी एक पसंदीदा डेस्टिनेशन बन गया है। यह हमें इस शहर में पर्यटकों के ठहरने के लिए शानदार जगह की बढ़ती मांगों को पूरा करने का एक बेमिसाल अवसर प्रदान करता है। हमें एलिसियन होटल्स के रूप में एक बेजोड़ साझेदार मिला है और हम साथ मिलकर जबरदस्त आकर्षण से भरे उदयपुर शहर में आगंतुकों को अव्वल दर्जे की मेहमाननवाज़ी का अनुभव प्रदान करेंगे।

उदयपुर को अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, हैरत में डाल देने वाली वास्तुकला और बेहद मनोरम झीलों के लिए जाना जाता है, जो पर्यटन के क्षेत्र में राजस्थान का सिरमौर है। नवनिर्मित हिल्टन उदयपुर से पिछोला झील और फतेह सागर झील के साथ-साथ शहर की मशहूर झीलों तथा महलों का बड़ा ही मनमोहक नज़ारा दिखाई देगा। उदयपुर के सिटी सेंटर, एयरपोर्ट और रेलवे स्टेशन से सहज कनेक्टिविटी की वजह से यह होटल सबसे पसंदीदा डेस्टिनेशन के रूप में उन सभी यात्रियों का ध्यान अपनी ओर खींचेगा, जिन्हें राजस्थान के दिल में आरामदेह सुविधाओं और बेमिसाल मेहमाननवाज़ी की तलाश है। चारों ओर हरे-भरे बगीचों से घिरे हिल्टन उदयपुर का निर्माण-कार्य पूरा होने के बाद इसमें मेहमानों के लिए 118 आलीशान कमरे एवं बड़े आकार के शानदार सुइट्स उपलब्ध होंगे, जिनमें से प्रत्येक को इस डेस्टिनेशन की बेमिसाल खूबसूरती तथा सांस्कृतिक रीति-रिवाज़ों को दर्शाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह होटल नए जमाने की तमाम सुविधाओं और पारंपरिक आकर्षण के बेमिसाल संगम की पेशकश करेगा। राजस्थान में वेडिंग मार्केट का बड़ी तेजी से विस्तार हो रहा है, जिसे ध्यान में रखते हुए इस होटल में कार्यक्रमों के आयोजन के लिए 1,850 वर्ग-मीटर का इनडोर तथा 438 वर्ग-मीटर का आउटडोर स्पेस का तैयार किया जाएगा, जिसमें लॉन और कोर्टयार्ड शामिल हैं। ये सारी सुविधाएँ इस होटल को डेस्टिनेशन वेडिंग के अलावा सामाजिक समारोहों और कॉर्पोरेट बैठकों की मेजबानी के लिए सबसे शानदार विकल्प बनाते हैं। यहाँ आने वाले मेहमान होटल के चार डाइनिंग आउटलेट्स में बेहद ज़ायकेदार व्यंजनों का लुत्फ़ उठा सकते हैं, जिनमें दिन भर खुला रहने वाला एक रेस्टोरेंट, एक स्पेशलिटी वेन्यू, और एक बार शामिल है, जबकि बड़े पैमाने पर मनोरंजन के लिए उपलब्ध सुविधाओं में एक आउटडोर पूल, स्पा, फिटनेस सेंटर एवं एक एग्जीक्यूटिव लाउंज शामिल है। एलिसियन होटल्स प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक, रवींद्र सिंह ने कहा, ''हिल्टन जैसे विश्वस्तरीय ब्रांड के साथ होटल व्यवसाय में हमारा यह पहला कदम है, और हमें उदयपुर का पहला हिल्टन होटल लाने पर गर्व है। शहर की प्रसिद्ध झील के पास स्थित यह होटल, यहाँ की शाही परंपरा को दर्शाते हुए एक नया मापदंड स्थापित करेगा और उदयपुर को एक बेहतर पर्यटन और शादी-समारोह के गंतव्य के रूप में स्थापित करने में मदद करेगा।

जयपुर जंक्शन बैंड का संभव टाइटल से एलबम इंटरनेशनली रिलीज

गायिका सरिता राव व नीदरलैंड के पॉपुलर ड्रमिस्ट ओटो दी जोंग ने पिरोया फ्यूज़न संगीत

संजीवनी टुडे

जयपुर। जयपुर जंक्शन बैंड ने नीदरलैंड में संभव टाइटल से नया एलबम रिलीज किया है। गौरतलब है कि यह बैंड जयपुर की सूफी गायिका सरिता राव व नीदरलैंड के ड्रमिस्ट ओटो दी जोंग ने मिलकर बनाया है। इसमें ऑथेंटिक तबला रिदम्स और जैज़ रॉक ड्रम्स का सिंथेसाइजर जैसे साज मिश्रण बड़ी ही खूबसूरती से किया है जो दिलों को लुभाता है। एलबम का प्रोड्यूसर फनकार ऑटो दी जोंग है। वहीं सिंगर सरिता राव ने गीतों को लिखने के साथ- साथ अपनी सुरीली आवाज से इन्हें स्वरबद्ध किया है। सिंथेसाइज़र पर एरविन तुइजल, गिटार पर साहिल बहल और तबले पर इमरान खान ने सुर, लय और ताल का कर्णप्रिए ताना बाना बुना है।गानों का इंग्लिश ट्रांसलेशन दिल्ली की तृप्ति अग्रवाल ने किया है। यह बैंड खासतौर से राजस्थान की सांस्कृतिक मूल्यों से सराबोर पारंपरिक संगीत और यूरोप के स्वतंत्र रॉक म्यूजिक

फ्यूजन की मेलॉडी से देश-दुनिया के दानिशमंद श्रोताओं एक नया अनुभव करा रहे हैं। साल 2019 से अस्तित्व में आए जयपुर जंक्शन बैंड अपने करिश्माई संगीत से दुनियाभर में लोकप्रिए हो रहा है। जयपुर (इंडिया) की सिंगर और लिरिसिस्ट सरिता राव और नीदरलैंड के ड्रमर और प्रोड्यूसर ओटो दे जोंग का बनाया संभव टाइटल से उनका दूसरा एलबम है। यह बैंड उत्तर भारत के पारम्परिक संगीत और यूरोप के स्वतंत्र रॉक म्यूजिक का एक मिश्रित फ्यूजन है। शास्त्रीय गायिका सरिता राव राजस्थानी संगीत की भी हुनरमंद कलाकार है। संभव एलबम के तमाम गाने खासतौर से पुराने जमाने के एलपी प्लेयर पर उपलब्ध है, जो यूरोप में संगीत प्रेमियों के बीच बेहद लोकप्रिय है। इस एलबम के दो गीत मन मुसाफिर... और बाबो कहीं ...पहले से ही स्पॉटीफाई एप्पल म्यूजिक व यूट्यूब जैसे स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध हैं।

कुंदनपुरा के राजकीय विद्यालय में भामाशाह ने लगाया वाटर कूलर

संजीवनी टुडे

रेनवाल मांजी। पहाड़िया पंचायत के राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय कुंदनपुरा प्रथम में भामाशाह द्वारा बच्चो के लिए ठंडा पानी उपलब्ध रहे इसके लिए वाटर कूलर एवं एक्वागार्ड मय टंकी भेंट किया गया। शिक्षक मोहन लाल, हेमराज कुमावत ने बताया कि दुर्गापुरा निवासी भामाशाह भारती कुमावत के द्वारा विद्यालय परिवार को पानी की समस्या को देखते हुए वाटर कूलर भेंट किया गया। विद्यालय की कक्षा प्रथम की नन्ही पांच बालिकाओं के द्वारा वाटर कूलर का फीता कटवाकर शुभारंभ किया गया। इस दौरान कार्यक्रम में कॉंग्रेस के वरिष्ठ नेता अहमद पटेल एल एन मीणा चाकसू, रमेश कुमावत, दुर्गापुरा पूर्व सरपंच गंगाराम बैरवा, वार्ड पंच मूलचंद कुमावत, संस्था प्रधान विष्णु शर्मा एवं समस्त स्टाफ व गांव के गणमान्यगण, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता ममता कुमावत के साथ विद्यालय परिवार को भूमि दान देने वाली सजना देवी रेबारी रही। भामाशाहों का साफा बंधवाकर एवं भारती कुमावत का शोल ओढाकर माला पहनकर सम्मान किया गया।

सूफियाना शाम के साथ मनाई छाबड़ा ज ने प्रथम वर्षगाँठ

संजीवनी टुडे

जयपुर। सूफ़ीयाना म्यूजिकल नाईट से गुलाबी नगर की फिजाओं में सूफियाना इबादत और मस्ती का माहौल साकार हो उठा। मौका था मालवीय नगर स्थित छाबड़ा'ज ओल्ड टाउन की पहली वर्षगाँठ। इस दौरान सब्रिज़्म बैंड की रंगारंग परफोर्मेंस ने देर रात तक जयपुरवासियों को बंधे रखा। इस मौके पर सूफ़ी गायक तौफीक साबरी ने अपनी दिलकष आवाज में तेरी दीवानी, कुन फ़या कुन, सैंया, सानू इक पल चैन ना आये जैसे गाने सुनाकर ऐसा समां बांधा कि लोग मंत्रमुग्ध होकर झूमने को मजबूर हो गए। इस मौके पर राजधानी जयपुर के जाने माने गणमान्य लोगों ने शिरकत की। रेस्टोरेंट के डायरेक्टर धर्मेंद्र छाबड़ा, आभा छाबड़ा, विपिन अग्रवाल और नलिन छाबड़ा ने आए हुए अतिथियों का स्वागत किया। धर्मेंद्र छाबड़ा ने बताया कि छाबड़ा'ज ओल्ड टाउन ने अपनी सफलता की पहली वर्षगाँठ अपने ग्राहकों को समर्पित सूफ़ीयाना संगीत की शाम के साथ मनाई।

20 वर्ष से मांग कर रहे हैं 40 लाख से अधिक राजस्थानी प्रवासी, लेकिन सीधी ट्रेन नही दे रही है रेलवे

संजीवनी टुडे

जोधपुर/जालोर /मोदरान। दक्षिण भारत में रोजगार और अपने परिवार के जीवन यापन के लिए राजस्थान से दक्षिण भारत में व्यवसाय करने वाले 40 लाख - से अधिक राजस्थानी प्रवासी हैं। मगर आज भी उनके निवास स्थान तक पहुंचने के लिए दक्षिण भारत के चैन्नई सहित कई बड़े शहरों से कोई सीधी यात्री ट्रेन नहीं है। विडंबना ये है कि पिछले 20 वर्षों से ये 40 लाख राजस्थानी मारवाड़ी समाज के नागरिक बार बार चेन्नई - विजयवाड़ा, सुरत, अहमदाबाद, भीलड़ी, भीनमाल , मोदरान, जालोर, मोकलसर होते हुए बाड़मेर व जोधपुर तक एक भी आज तक सीधी ट्रेन नियमित रूप से नहीं कर रहे हैं। लेकिन श्री आशापुरी माताजी संघर्ष समिति सहित कई संगठनों, समाजसेवी संस्थाओं व जालोर सांसद, विधायकों सहित कई लोग भी मांग उठा चुके हैं। कई बार जिम्मेदार अधिकारियों से लेकर सीएम और पीएम तक लिखित और मौखिक रूप से ज्ञापन देकर मांग रखी जा चुकी है। इसके बावजूद ना तो रेल प्रशासन ध्यान दे रहा और ना ही डबल इंजन की भाजपा सरकार उनकी उम्मीदों को पूरा कर रही है। जोधपुर मंडल के समदड़ी भीलड़ी रेलवे खंड पर मीटर गेज से ब्रॉड गेज में लाईन परिवर्तन के 17 साल बाद भी इस रूट पर लंबी दूरी की ट्रेनें कोयंबटूर,चेन्नई,हैदराबाद, जयपुर व दिल्ली तक नहीं चलने से हजारों शहरी और

ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। यदि सरकार ये मांगे पूरी करती है तो राजस्थान के 15 विधानसभा क्षेत्र, 5 बड़े संसदीय क्षेत्र और देश के 7 राज्य की जनता को इसका सीधा लाभ मिलेगा।

40 लाख राजस्थानियों की मुख्य मांगे

चेन्नई से जालौर 23 नवंबर को एक स्पेशल ट्रेन संख्या 06099 चलाई गई थी उसको साप्ताहिक नियमित रूप से संचालित किया जाए

चेन्नई जोधपुर साप्ताहिक ट्रेन संख्या 22663 के फ़ेरे बढ़ा कर भीलडी जालोर मोकलसर होकर बाड़मेर या जोधपुर तक चलाई जाए

ट्रेन संख्या 12656/12655 नवजीवन एक्सप्रेस का जोधपुर या बाड़मेर तक वाया (जालौर ,मोदरान मारवाड़ भीनमाल होकर) विस्तार होना चाहिए

ट्रेन संख्या 20485 जोधपुर-साबरमती का अहमदाबाद तक विस्तार हो जिससे चेन्नई आवागमन करने वाले प्रवासियो को 12655 नवजीवन एक्सप्रेस का मिलान करवाने में बहुत बड़ी आसानी हो सकेंगी।

क्लब महिंद्रा ने राजस्थान में 'क्लब महिंद्रा भरतपुर' लॉन्च के साथ किया विस्तार

संजीवनी टुडे

मुंबई। महिंद्रा हॉलिडेज एंड रिसॉर्ट्स इंडिया लिमिटेड के प्रमुख ब्रांड, क्लब महिंद्रा ने राजस्थान में अपने नए रिसॉर्ट, क्लब महिंद्रा भरतपुर के लॉन्च की घोषणा की। यह नया रिसॉर्ट, इस क्षेत्र में क्लब महिंद्रा के पोर्टफोलियो के विस्तार का प्रतीक है, जो सदस्यों को घूमने-फिरने के लिए असाधारण विकल्प प्रदान करता है। यहां भरतपुर की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के साथ रिसॉर्ट के शांत तथा सुंदर परिवेश का आनंद लिया जा सकता है। यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल और भारत के सबसे मशहूर पक्षी अभयारण्यों में से एक, केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान के बाहरी इलाके में स्थित, यह रिसॉर्ट मेहमानों को वन्यजीव और विरासत के असाधारण मिश्रण का अनुभव करने का अनूठा अवसर प्रदान करता है और इस तरह यह प्रकृति तथा पक्षी प्रेमियों के लिए जरूरी जगह है। यह रिसॉर्ट 10 एकड़ में फैला है और यहां खूबसूरत तरीके से डिजाइन किये गए 59 कमरे हैं, जिनमें होटल यूनिट और स्टूडियो श्रेणियां शामिल हैं। यहां पारंपरिक विरासत के आकर्षण के साथ भव्य साज-सज्जा का मिश्रण दिखता है। रिसॉर्ट के रेस्तरां में मेहमान स्थानीय और मल्टीक्विजीन के व्यंजनों का लुत्फ उठा सकते हैं। यहां स्थानीय क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय व्यंजन की पेशकश की जाती है। रिसॉर्ट में फिटनेस और आराम के लिए एक स्पा, जिम और स्विमिंग पूल भी है। रिसॉर्ट विशेष अवसरों के लिए विशेष भोज के आयोजन का विकल्प भी प्रदान करता है। यहां एक विशाल लॉन है जिसमें 500 मेहमानों तक की व्यवस्था की जा सकती है और यह यादगार आयोजनों के लिए प्राइवेसी और गरिमा प्रदान करता है। क्लब महिंद्रा भरतपुर की खासियत यह है कि यह भारत के सबसे मशहूर पक्षी अभयारण्यों में से एक, केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान के बहुत करीब है। इस अभयारण्य में पक्षियों की 370 से अधिक प्रजातियां पाई जाती हैं और इस तरह यह रिसॉर्ट प्रकृति प्रेमियों और पक्षी प्रेमियों के लिए शानदार जगह है। रिसॉर्ट के चारों ओर बेपरवाह घूमते मोरों का नज़ारा, मेहमानों के लिए एक अनोखा अनुभव होगा। राजस्थान में क्लब महिंद्रा भरतपुर के लिए बुकिंग, अब क्लब महिंद्रा की वेबसाइट और ऐप पर शुरू हो गई है। भरतपुर में रिसॉर्ट के अलावा कई तरह के सांस्कृतिक और ऐतिहासिक आकर्षण हैं। आगंतुक अपनी मशहूर लोहागढ़ किला घूमने जा सकते हैं या भरतपुर पैलेस और संग्रहालय की भव्यता निहार सकते हैं, जो मुगल और राजपूत वास्तुकला के मिश्रण को बेहद खूबसूरती से प्रदर्शित करता है। इसके अतिरिक्त, मेहमानों के पास दिन भर में फतेहपुर सीकरी और ताजमहल घूम कर आने का भी मौका होता है, जो सांस्कृतिक अनुभव को और बढ़ा देता है। रिसॉर्ट सुविधाजनक स्थान पर स्थित है। भरतपुर रेलवे स्टेशन यहां से केवल 5.9 किमी दूर है और आगरा हवाई अड्डा केवल 52.6 किमी दूर है। इस तरह यहां पूरे साल आसानी से घूमने जाया जा सकता है। महिंद्रा हॉलिडेज़ एंड रिसॉर्ट्स इंडिया लिमिटेड के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी, मनोज भाट ने इस नए रिसॉर्ट के साथ हुए विस्तार पर अपनी टिप्पणी में कहा, ''क्लब महिंद्रा में, हम पारिवार के साथ छुट्टियां बिताना शानदार बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं और भरतपुर में हमारा नया रिसॉर्ट इस वादे को पूरा करने की दिशा में एक और कदम है। यह विस्तार वित्त वर्ष 30 तक रूम कैपेसिटी (कमरों की संख्या) को दोगुना कर 10,000 करने के हमारे लक्ष्य के अनुरूप है। हम अपने सदस्यों का इस खूबसूरत गंतव्य पर स्वागत करने के लिए उत्सुक हैं।

शिक्षक संघ उप शाखा थानागाजी की बैठक का हुआ आयोजन

संजीवनी टुडे

थानागाजी। राजस्थान पंचायती राज एवं माध्यमिक शिक्षक संघ उपशाखा थानागाजी की जिला अध्यक्ष मुकेश ईंटोली की अध्यक्षता में मैजोड़ उदयनाथ गेट पर बैठक का आयोजन किया गया। निर्वाचन अधिकारी प्रधानाचार्य मूलचन्द मीना व प्रधानाचार्य मांगेलाल मीना एवं सहायक निर्वाचन अधिकारी जगदीश झाड़ला के निर्देशन में राज . पंचायती राज एवं माध्यमिक शिक्षक संघ उपशाखा थानागाजी का निर्वाचन किया गया। सैकड़ो उपस्थित शिक्षकों ने सर्व सहमती से अध्यक्ष पद के लिए हरीश कुमार मीना (सद्दाराम का गुवाड़ा) को नामित किया , संरक्षक सेवानिवृत उपप्रधानाचार्य रामशरण मीना, उपाध्यक्ष हरीश कुमार बलाई , सभाध्यक्ष मनोज शर्मा, प्रवक्ता श्रीनारायण टोडी, महामंत्री रवि प्रकाश मीना, संगठनमंत्री सुन्दर लाल, महिला संयोजक पीटीआई सविता मीना, संयुक्त संचिव जगदीश प्रसाद, मीडिया प्रभारी लोकेश मीना को बनाया गया। मौके पर जिला कार्यकारिणी के सदस्यों सहित सुशील कुमार उपप्रधानाचार्य, सुन्दर लाल व्याख्याता, मुकेश कुमार , प्रदीप कुमार सहित सैकड़ो शिक्षक उपस्थित थे।

आर्यन मुकुल पब्लिक स्कूल में 68वीं जिला स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता का समापन

400 मीटर दौड़ में लक्की नायक ने जीता गोल्ड मेडल, राज्य स्तर पर हुआ चयन

संजीवनी टुडे

टोंक। आर्यन मुकुल पब्लिक स्कूल देवली में आयोजित 68वीं जिला स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिताओं का मंगलवार को समापन हुआ। इस दौरान विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। छात्र 17 वर्षीय प्रतियोगिता में लक्की नायक पुत्र रामदेव नायक निवासी मालपुरा ने 400 मीटर दौड़ में प्रथम स्थान प्राप्त किया। लक्की नायक का राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में चयन होने पर परिवारजनों में खुशी की लहर है, वहीं छात्र लक्की को बधाई देने वालों का तांता सा लगा रहा। उल्लेखनीय है कि लक्की नायक राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय मालपुरा का कक्षा 11 का छात्र है। विद्यालय परिवार ने भी छात्र को बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की। समापन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रामप्रसाद मीणा उप जिला शिक्षा अधिकारी

शारीरिक शिक्षा रहे। विभिन्न एथलेटिक्स प्रतियोगिता में जिले के लगभग 70 टीमों के 600 खिलाड़ियों ने भाग लिया था। प्रतियोगिता में विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के छात्र छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक रंगारंग प्रस्तुतियां दी गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुये संस्थान निदेशक डॉ. रमेश मुकुल ने विजेताओं को शुभकामनाएं दी। इस मौके पर संयोजिका डॉ. सोनल कंछल, बीएड प्राचार्य अनिता पारीक, मनोज प्रजापत, वरिष्ठ व्याख्याता दीप्ति चौधरी, रीना मीणा, सुनीता मेघवाल, सविता जैन, विश्वनाथ प्रताप सिंह, कैलाश चन्द गुर्जर, गजेंद्र द्विवेदी, महेन्द्र कुमार वर्मा, धमेंद्र सिंहल, रामकिशन गुर्जर खेल प्रतियोगिता संयोजक, मुकेश प्रजापति सह संयोजक, धनराज सुवालका, रामावतार वैष्णव, अनिल गौतम, दशरथ शर्मा उपस्थित रहे।

चौमूं दी बार एसोसिएशन अध्यक्ष कैलाश गोरा का जन्मदिन पर अधिवक्ताओ ने केक काटकर जन्मदिन की दी शुभकामनाए

संजीवनी टुडे

चौमूं। दी बार एसोसिएशन चौमू के अध्यक्ष कैलाश गोरा के जन्मदिन पर दी बार एसोसिएशन चौमू के कार्यालय पर एसोसिएशन के पदाधिकारी, कार्यकारिणी सहित सैकड़ो अधिवक्ताओं ने केक काटकर जन्मदिन की शुभकामनाएं दी। इस मौके पर दी बार एसोसिएशन चौमू के महासचिव महेश देव सैनी, कार्यकारिणी एडवोकेट महेंद्र चौधरी, सरवन गेरड, बलवंत बागोरिया, राम सिंह भदाला, गिर्राज भदाला, रामदयाल निठारवाल, दिनेश सोदलिया, बाबूलाल कुड़ी, सुनील गेरड, रानी सैनी सहित अनेक अधिवक्ता उपस्थित रहे। जानकारी के अनुसार अध्यक्ष कैलाश गोरा के कार्यकाल में अधिवक्ताओं के हित में कई विकास कार्य करवाए गए हैं। साथ ही अधिवक्ताओं के हित में लगातार प्रयासरत है। इधर अध्यक्ष कैलाश गोरा ने जन्मदिन की शुभकामनाएं देने पर सभी का आभार व्यक्त किया।

खबरें फटाफट

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय जाशमा में आरोग्य सप्ताह दिवस मनाया गया

संजीवनी टुडे

जाशमा। स्थानीय राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय जाशमा में आयुर्वेदिक चिकित्सालय के अंतर्गत आरोग्य सप्ताह दिवस मनाया गया आयुर्वेदिक चिकित्सालय डॉक्टर अर्जुन राम सराय एवं योगा ट्रेनर निकिता सरगरा ने बताया की कक्षा एक से 12वीं तक बालक बालिकाओं को योग संबंधी जानकारियां दी गई एवं मौके पर बालक बालिकाओं को योग करना सिखाए ,जिसमें प्रधानाचार्य मुकेश चंद्र सुखवाल ,प्रभारी घनश्याम वर्मा ,संजय कुमार ,रवि कुमार एवं विद्यालय के में स्टाफ उपस्थित थे।

राइजिंग राजस्थान के अंतर्गत जिला स्तरीय इन्वेस्टर्स मीट का आयोजन 25 अक्टूबर को

संजीवनी टुडे

करौली। जिला उद्योग केन्द्र के महाप्रबंधक गणेश शर्मा ने बताया की जिले में नवीन निवेश को प्रोत्साहन प्रदान कर स्थानीय स्तर पर ही उत्पादन, आयात, निर्यात तथा रोजगार का सृजन करने के लिए 25 अक्टूबर को प्रातः 11 बजे से इन्वेस्टर्स मीट का आयोजन होटल करौली इन मासलपुर मोड करौली में जिला प्रशासन तथा उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के सौजन्य से किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि समारोह के मुख्य अतिथि गृह, गोपालन, पशुपालन, डेयरी एवं मत्सय विभाग के मंत्री एवं जिला प्रभारी मंत्री जवाहर सिंह बेढम एवं विशिष्ट अतिथि प्रभारी सचिव आशुतोष पेडनेकर होंगे। मीट में लघु उद्योग भारती, जिला उद्योग संघ, रीको इन्डस्ट्रीयल समिति, उद्योग मण्डल के पदाधिकारी भी शिरकत करेंगे।

फिट इंडिया फ्रीडम रन 5.0 स्वच्छता एवं स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत मैराथन का आयोजन

संजीवनी टुडे

करौली। जिले में फिट इंडिया फ्रीडम रन 5.0 थीम स्वच्छता एवं स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत त्रिलोक चंद माथुर स्टेडियम से जिला कलेक्ट्रेट टाउन हॉल तक जिला स्तर पर मैराथन का आयोजन किया गया। मैराथन को सीबीईओ के द्वारा हरी झंडी दिखा कर रवाना किया गया। साथ ही विद्यार्थीयों व आमजन को स्वस्थ दिनचर्या अपनाने व फिट रहने के बारे में शपथ भी दिलाई गई। मैराथन स्टेडियम से शुरू होकर गुलाब बाग, हाथी घटा, होते हुए जिला कलेक्ट्रेट टाउन हॉल पर शपथ ग्रहण कर समाप्त हुई।

भूपाल नोबल्स पब्लिक स्कूल में दीपावली पर्व उत्साह से मनाया

संजीवनी टुडे

उदयपुर। भूपाल नोबल्स पब्लिक स्कूल में गुरुवार दिनांक 24 /10 /24 को अधर्म पर धर्म की विजय के प्रतीक प्रकाश पर्व दीपावली धूमधाम से मनाया गया । प्राचार्या डॉ. सीमा नरूका ने बताया कि इस उपलक्ष्य में विविध कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए ।शिक्षकों ने गीत एवं भाषण के माध्यम से दीपावली का महत्व बताया एवं हृदय से बुराइयों को दूर कर अपने जीवन को बेहतर बनाने का संदेश दिया एवं संकल्प लिया। स्कूल अध्यक्ष हनुमंत सिंह बोहेड़ा ने दीपावली के इतिहास पर प्रकाश डालते हुए श्री राम के गुणों को जीवन में उतारने एवं समाज हित में कार्य करने हेतु प्रेरित किया।

फिट इंडिया फ्रीडम रन के तहत स्वच्छता रैली का आयोजन आज

संजीवनी टुडे

राजसमंद। फिट इंडिया फ्रीडम रन 5.0 अभियान अंतर्गत स्वच्छता एवं स्वास्थ्य थीम के साथ प्रातः 8:30 बजे बालकृष्ण स्टेडियम कांकरोली से पंचायत समिति राजसमंद तक स्वच्छता दौड़ आयोजित की जाएगी। प्राप्त आदेश अनुसार इस कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन हेतु पुलिस जवान द्वारा बालकृष्ण स्टेडियम से पंचायत समिति तक कार्यक्रम के आयोजन के दौरान ट्रैफिक एवं परिवहन व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे। कार्यक्रम में समन्वयक नेहरू युवा केंद्र एवं जिला खेल अधिकारी द्वारा आमजन एवं युवाओं की स्वैच्छिक सहभागिता सुनिश्चित करना, महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, जिला परियोजना प्रबंधक राजीविका द्वारा राजीविका समूह से जुड़ी महिलाओं की सहभागिता सुनिश्चित करना, जिले के समस्त महाविद्यालय एसआरके, बी.एन.लॉ कॉलेज, नर्सिंग कॉलेज, पॉलिटेक्निक कॉलेज, सेन्ट मीरा कॉलेज, द्वारकेश कॉलेज, गर्ल्स कॉलेज एवं माध्यमिक उच्च माध्यमिक विद्यालयों के दौड़ में रुचि रखने वाले छात्र-छात्राओं की सुनिश्चितता प्रिंसिपल, मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा तय करना, स्काउट गाइड एवं हिंदुस्तान स्काउट गाइड से जुड़े युवाओं की जिम्मेदारी सीओ स्काउट गाइड एवं हिंदुस्तान स्काउट गाइड की होगी, फिट इंडिया फ्रीडम रन 5.0 अभियान के अंतर्गत एंबुलेंस, डॉक्टर, दवाइयां इत्यादि की व्यवस्था मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा की जाएगी।

डकैती की योजना बनाते हुए आगर एमपी के पांच आरोपी गिरफ्तार

एक अवैध देशी कट्टा व 2 पैकेट बारूद के छर्रे जब्त, घटना में प्रयुक्त स्कॉर्पियो बरामद

संजीवनी टुडे

चित्तौड़गढ़। कोतवाली निम्बाहेड़ा थाना पुलिस ने जलिया चैक पोस्ट पर नाकाबंदी के दौरान सूचना पर डकैती की योजना बनाते हुए आगर मध्यप्रदेश के पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से एक अवैध देशी कट्टा व 2 पैकेट बारूद के छर्रे जब्त किये हैं। वहीं घटना में प्रयुक्त की जा रही स्कॉर्पियो को भी जब्त किया गया है। पुलिस अधीक्षक चित्तोडगढ श्री सुधीर जोशी ने बताया कि अवैध हथियारों की धरपकड़ व अवैध गतिविधियों की रोकथाम के लिए एएसपी सरिता सिंह व डीएसपी निम्बाहेड़ा बद्रीलाल राव के मार्गदर्शन में थानाधिकारी कोतवाली निम्बाहेडा राम सुमेर मीणा पु.नि. के निर्देश पर एएसआई देवेन्द्र सिंह, हैडकानि. हरविन्दर सिंह, कानि. रामचन्द्र, प्रमोद कुमार, हेमन्त, अमित, शिशपाल, विजयसिंह, गिर्राज व सरियाराम द्वारा जलिया चैक पोस्ट पर नाकाबंदी की जा रही थी। इसी दौराने सूचना मिली, कि नयागावं टोल से निम्बाहेडा की तरफ रोड के किनारे खड़ी एक बिना नम्बरी सफ़ेद स्कॉर्पियो बरंग सफ़ेद में 05-06 व्यक्ति संदिग्ध अवस्था में पिस्टल, लठ्ठ, सरीये, लोहे के पाईप इत्यादी हथियार लेकर कहीं लुट करने पर काफी रूपये पैसे मिलने की बात कर रहे थे, जो अभी निम्बाहेड़ा की तरफ रवाना हुए है। सूचना विश्वसनीय होने से पुलिस टीम द्वारा नाकाबन्दी स्थल पर बैरीयर लगाकर गम्भीरता से नाकाबन्दी करने लगे। नाकाबंदी के दौराने एक बिना नम्बरी स्कॉर्पियो कार बरंग सफ़ेद सभी कॉच पर काली फिल्म लगी आती हुई नजर आई। जिसमें चालक व चालक के अलावा चार व्यक्ति बैठे नजर आये। पुलिस द्वारा स्कॉर्पियो को चैक करने हेतु रूकवाने के लिये हाथ का

ईशारा किया तो स्कॉर्पियो का चालक स्कॉर्पियो को एक बार धीरे कर पुनः तेज गति से नाकाबन्दी स्थल से भागने का प्रयास किया, जिस पर पुलिस जाब्ता द्वारा तुरन्त ही नाकाबन्दी बेरियर स्कॉर्पियो के आगे लगाकर स्कॉर्पियो कार को बामुश्किल रोका। स्कॉर्पियो कार को देखा तो स्कॉर्पियो कार के आगे पिछे नम्बर प्लेट नहीं लगी हो, स्कॉर्पियो चालक व चालक के पास वाली सीट व पिछे वाली सीट पर बैठे व्यक्ति काफी घबराये हुये लग रहे थे। जिनके नाम पते पूछे गए तो स्कॉर्पियो चालक ने अपना नाम मध्यप्रदेश के आगर जिले के सुरजेनी थाना आगर निवासी 26 वर्षीय नागेन्द्रसिंह उर्फ नागुसिंह पुत्र सरदारसिंह सोधिया राजपुत व पास वाली सीट पर बैठा व्यक्ति ने अपना नाम राजाखेड़ी थाना आगर जिला आगर निवासी 26 वर्षीय भरत तंवर पुत्र राकेश तंवर सोधिया राजपुत, चालक के पिछे वाली सीट पर बैठा व्यक्ति ने अपना नाम सुरजेनी थाना आगर जिला आगर निवासी 22 वर्षीय रोहीत सिंह पुत्र रमेश सिंह सोधिया राजपुत व उसके पास बैठे व्यक्ति ने अपना नाम अभयपुर खेड़ा थाना आगर जिला आगर निवासी 19 वर्षीय गोपाल सिंह पुत्र कन्हैयालाल सोधिया राजपुत तथा सबसे पिछे वाली सीट पर बैठा व्यक्ति ने अपना नाम डण्डेड़ा थाना आगर जिला आगर निवासी 20 वर्षीय गोविन्दसिंह पुत्र कालुसिंह सोधिया राजुपत बताया। चालक नागेन्द्रसिंह उर्फ नागुसिंह की तलाशी में उसके पास एक अवैध पिस्टल नुमा देशी कट्टा मिला तथा साथी भरत तवंर, रोहितसिंह, गोपालसिंह व गोविन्द सिंह के पास बांस के लठ, स्टील का पाईप व लोहे के सरीया कब्जे में मिले। स्कॉर्पियो कार की तलाशी में दो पैकेट एयर राईफल के छर्रे तथा दो पैकेट में बारूद के छर्रे भरे हुए मिले एव छः मोबाईल फोन मिले। उक्त आरोपियों के कब्जे में मिले उक्त अवैध 01 देशी कट्टा व बारूद के छर्रे, एयर राईफल के छर्रे एंव बांस के लठ, स्टील का पाईप व लोहे के सरीया व घटना में प्रयुक्त कार बिना नम्बरी स्कॉर्पियो को जप्त कर आरोपियों नागेन्द्रसिंह उर्फ नागुसिंह, भरत तंवर, रोहित सिंह, गोपाल सिंह, गोविन्दसिंह को गिरफ्तार किया गया। आरोपियों से हथियार की खरीद फरोख्त के सम्बन्ध में विस्तृत अनुसंधान जारी है।

संविदा कर्मियों को संविदा सेवा नियम 2022 का समस्त लाभ दिलवाने की मांग को लेकर मुख्य ब्लाक शिक्षा अधिकारी बिलाड़ा को ज्ञापन सौंपा

संजीवनी टुडे

उदयपुर। पंचायत शिक्षक एवं विद्यालय सहायक संघ बिलाड़ा द्वारा संविदा कर्मीयों को राजस्थान संविदा सेवा नियम 2022 जो की 11 जनवरी 2022 को बनाया गया इस संविदा सेवा नियम के अंतर्गत 12 दिसंबर 2022 को बिलाड़ा ब्लॉक में संविदा कर्मियों पंचायत शिक्षकों एवं विद्यालय सहायकों को नियुक्ति दी गई जिला शिक्षा अधिकारी प्रारंभिक शिक्षा मुख्यालय जोधपुर द्वारा जारी आदेश में संविदा कर्मियों को 10% एनपीएस कटौती?500 दुर्घटना बीमा पॉलिसी?1500 मेडिक्लेम पॉलिसी वार्षिक व मेडिकल लीव एवं रोस्टर बुक संविदा सेवा निर्धारण पुस्तिका के साथ लाभ यात्रा भत्ता देने का प्रावधान है व पीएल इस संविदा सेवा नियम 2022 की पालना शिक्षा विभाग में पंचायत शिक्षकों एवं विद्यालय सहायकों के लिए पंचायत प्रारंभिक शिक्षा अधिकारी प्रधानाचार्य राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय को करनी है क्योंकि की यह संविदा कर्मी पीईईओ कार्यालय में कार्यरत हैं संविदा सेवा नियम बने हुए दो वर्ष दस माह हो गए हैं व संविदा कर्मीयों पंचायत शिक्षकों एवं विद्यालय सहायकों को बिलाड़ा ब्लॉक में नियुक्ति दिए हुए 1 वर्ष 10 माह हो गए हैं पंचायत शिक्षक एवं विद्यालय सहायक संघ बिलाड़ा के अध्यक्ष देवी सिंह देवल कूपडावास ने बताया कि शिक्षा विभाग के उच्च अधिकारियों के दिशा-निर्देश के अनुसार पीईईओ को संविदा सेवा नियम 2022 की पालना करनी है व नियमानुसार समस्त लाभ देने है लेकिन अधिकांश पंचायत प्रारंभिक शिक्षा अधिकारी प्रधानाचार्य संविदा कर्मियों की सेवा की और ध्यान ही नहीं दे रहे हैं कई राजकीय विद्यालयों में तो संविदा कर्मीयों एवं स्थाई सरकारी कर्मचारीयों का उपस्थिति रजिस्टर एक है तो कई विद्यालय में संविदा कर्मियों के लिए उपस्थिति रजिस्टर अलग है वही संविदा सेवा नियम 2022 राजस्थान के सभी संविदा कर्मियों के लिए बने हुए हैं चाहे वह शिक्षा विभाग हो स्वास्थ्य विभाग हो पंचायती राज विभाग एनआरएचएम मनरेगा आदि में कार्यरत संविदा कर्मियों के लिए यही संविदा सेवा नियम 2022 लागू है लेकिन अधिकांश पंचायत प्रारंभिक शिक्षा अधिकारी चाह रहे हैं कि उन्हें उच्च शिक्षा अधिकारी स्पष्ट दिशा निर्देशित करें कि संविदा कर्मियों के लिए क्या करना है जबकि जिला शिक्षा अधिकारी प्रारंभिक शिक्षा मुख्यालय जोधपुर ब्लॉक मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी बिलाड़ा ने निदेशक प्रारंभिक शिक्षा बीकानेर के आदेश का हवाला देते हुए शिक्षा विभाग में कार्यरत संविदा कर्मी पंचायत शिक्षक विद्यालय सहायक कनिष्ठ शिक्षक सहायक शिक्षक आदि के लिए संविदा सेवा नियम 2022 के अनुसार कार्य करने का निर्देश दे चुके हैं पंचायत शिक्षक एवं विद्यालय सहायक संघ बिलाड़ा के अध्यक्ष देवी सिंह देवल ने बताया कि उन्होंने गत माह बिलाड़ा आए उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा को व बिलाड़ा विधायक एवं पूर्व मंत्री अर्जुन लाल गर्ग को उपखंड अधिकारी बिलाड़ा को जिला शिक्षा अधिकारी प्रारंभिक शिक्षा जोधपुर को मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी बिलाड़ा व पंचायत प्रारंभिक शिक्षा अधिकारी उदलियावास व ग्राम पंचायत उदलियावास में जन सुनवाई में अनेकों बार लिखित में ज्ञापन देखकर संविदा सेवा नियम 2022 की पालना करवाने की मांग कर चुके हैं लेकिन अभी तक कोई अपेक्षित कार्रवाई नहीं की गई है इससे संविदा कर्मियों में भारी रोष है देवल ने बताया कि संविदा कर्मी तो पहले से ही शोषित वंचित व पीड़ित है उनकी सुनने वाला कोई नहीं है अल्प मानदेय में कार्य कर रहे हैं इस भौतिक युग में कम मानदेय में घर खर्च चलाना मुश्किल हो रहा है।

"मन की भटकन सत्संग से ही मिटती है"

संजीवनी टुडे

भिंडर। नीलकंठ महादेव मंदिर परिसर भिंडर में निरंकारी सत्संग आयोजित हुई! राधेश्याम रेगर ने जानकारी देते हुए बताएं कि सत्संग का आरंभ अवतार वाणी के शब्द से शुरू हुआ और प्रारंभ में रेणुका एंड पार्टी, राम सिंह एंड पार्टी उदयपुर ने भजनों की प्रस्तुति दी और सभी श्रद्धालुओं ने मंगलाचरण आरती प्रस्तुत की उदयपुर से पधारे हुए महात्मा श्री हीरालाल निमावत ने रात्रि को सत्संग में श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि मनुष्य जीवन का परम उद्देश्य परमात्मा की प्राप्ति होता है और प्रभु परमात्मा की प्राप्ति कोई असंभव कार्य नहीं है इसके लिए पूर्ण सदुरु की शरण में जाना होता है और अपनी जिज्ञासा प्रकट करनी होती है! आपने कहा कि भक्ति की शुरुआत खुद से होती है और अपने घर से होती है इसलिए इसमें महिलाओं का योगदान बहुत जरूरी है आपने फरमाए कि जब हम निःस्वार्थ भाव से किसी और के लिए कोई शुभ कर्म करते हैं तो उसे वक्त के मनोभाव ही सुकून प्रदान करते हैं किसी के दुख

में शामिल होने के साथ हम अपनी समस्या छोटी लगने लगती है रूहानी मार्ग पर चलने वाले जीवन की सच्चाई को भली-भांति समझते हैं की भक्ति किसी और को बदलने का नाम नहीं बल्कि स्वयं को बदलना होता है अगर कोई बार-बार गलती करता रहे अगला माफी मांगे या ना मांगे भक्त पहले से ही माफ करके सुकून प्राप्त कर लेते हैं ! प्रारंभ में,सी.आई. किशन लाल बागोरिया, भूपेंद्र कुमार बागोरिया ने बाहर से आए महात्माओं का माला व दुपट्टा पहना कर स्वागत किया एवं हरि सिंह भाटी (रणिया) ने आभार प्रकट किया! राम सिंह राजपूत, सुशीला बहन, ममता, चंदा, गुड्डी, नंदलाल बाकोलिया, भेरूलाल निरंकारी, रवि कुमार यादव, रमेश चंद चौधरी, आदि ने विचार व्यक्त किये! सत्संग का संचालन उदय लाल निरंकारी ने किया! सत्संग में बांसी, सारंगपुरा, लोहारिया खेड़ा, कनोड़, रनिया, डूंगला, मंगलवाडं, भाटोली, राणावतों का खेड़ा, सोमपुर भुरकिया कला, चांद्रा खेड़ी, जिया खेड़ी, और अन्य गांव से भी श्रद्धालु ने भाग लिया! उक्त जानकारी निरंकारी मिशन के मीडिया सहायक राधेश्याम रेगर ने दी।

सलूम्बर विधानसभा उपचुनाव: अब तक 6 अभ्यर्थियों ने भरा पर्चा

संजीवनी टुडे

नामांकन की अंतिम तिथि आज

उदयपुर। विधानसभा उपचुनाव- 2024 के तहत सलूम्बर विधानसभा क्षेत्र से गुरुवार को चार अभ्यर्थियों ने नामांकन दाखिल किए। इस प्रकार अब तक कुल 6 नाम-निर्देशन पत्र दाखिल किए जा चुके हैं। नामांकन की अंतिम तिथि शुक्रवार को रहेगी। जिला निर्वाचन अधिकारी अरविन्द पोसवाल ने बताया कि सलूम्बर विधानसभा सीट के लिए गुरुवार को भारतीय जनता पार्टी से शांतादेवी पत्नी स्व अमृतलाल मीणा, अविनाश पुत्र स्व अमृतलाल मीणा, भारत आदिवासी पार्टी से जितेशकुमार कटारा पुत्र रमेशचंद्र मीणा तथा डॉ सविता कुमारी अहारी देवजी मीणा ने निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में नामांकन दाखिल किया। इससे पूर्व सलूम्बर सीट के लिए कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (मार्क्सवादी) से शंकरलाल मीणा पुत्र भीमा मीणा तथा आंबेडकराईट पार्टी ऑफ इंडिया से केशुलाल पुत्र तेजिया मीणा ने नामांकन भरा था। इस प्रकार अब तक कुल 6 अभ्यर्थियों ने नामांकन दाखिल किया है। श्री पोसवाल ने बताया कि नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 25 अक्टूबर अपराह्न 3 बजे तक निर्धारित है। नामांकन पत्रों की संवीक्षा 28 अक्टूबर को की जाएगी। वहीं नाम वापस लेने की अंतिम तिथि 30 अक्टूबर निर्धारित है।

14 पुलिस थानों के 44 प्रकरणों में जब्तशुदा अवैध अफीम डोडा चूरा व गांजा को पुलिस ने किया नष्ट

करीब 135 क्विंटल मादक पदार्थ को जलाकर किया नष्ट

संजीवनी टुडे

चित्तौड़गढ़। जिले के 14 पुलिस थानों में जब्तशुदा अवैध डोडाचूरा व गांजा को न्यायालय से भौतिक सत्यापन व निर्णय के बाद बुधवार को पुलिस अधीक्षक श्री सुधीर जोशी की उपस्थिति में जिला औषधि व्ययन समिति द्वारा थाना सदर निम्बाहेड़ा के वंडर सीमेंट प्लांट की कीलन में जलाकर नष्ट किया गया। पुलिस द्वारा 135 क्विंटल 90 किलोग्राम अवैध डोडाचूरा व गांजा को नष्ट किया गया । पुलिस अधीक्षक श्री सुधीर जोशी ने बताया कि, जिले के 14 पुलिस थानों के मालखाना एनडीपीएस एक्ट में जब्तशुदा मादक पदार्थों की वजह से लबालब भरे पड़े थे, जिससे अन्य जब्तशुदा मालों के रखने की समस्या आ रही थी। माल निस्तारण और थाने को स्वच्छ रखने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक कार्यालय की कार्य प्रणाली शाखा द्वारा संबंधित थानाधिकारियों से माल के निस्तारण के संबंध में प्रस्ताव प्राप्त कर, रिकॉर्ड तैयार किया गया। उक्त कार्यवाही के दौरान पुलिस अधीक्षक श्री सुधीर जोशी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सरिता सिंह, डीएसपी निम्बाहेड़ा बद्रीलाल, पुलिस निरीक्षक जोधाराम व उपनिरीक्षक भंवरलाल दशोरा सहित संबंधित 14 थानों के थानाधिकारी एवं

मालखाना प्रभारी व कार्यप्रणाली शाखा प्रभारी एएसआई गोविंद कुमार एवं कार्यालय के कर्मचारियों आदि की उपस्थिति में आवश्यक रिकॉर्ड मिलान करने के बाद मादक पदार्थों का वजन किया गया तथा संबंधित मालों के वजन करने व नष्टीकरण की पूरी प्रक्रिया पारदर्शी हो इसके लिए सम्पूर्ण कार्यवाही के समय फोटो ग्राफी व विडियो ग्राफी करवाई गई। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि जिले के थाना कोतवाली चित्तौड़गढ़, कोतवाली निम्बाहेड़ा, सदर निम्बाहेड़ा, भदेसर, बस्सी, बेगूं, पारसोली, कपासन, बड़ीसादड़ी, निकुम्भ, मंडफिया, मंगलवाड़ व शंभूपुरा के कुल 14 पुलिस थानों में दर्ज कुल 44 प्रकरणों में से 43 प्रकरणों में अवैध मादक पदार्थ 135 क्विंटल 88 किग्रा डोडा चूरा व एक प्रकरण में 02 किग्रा 253 ग्राम गांजा को जिला पुलिस द्वारा कार्यवाही के दौरान तस्करों के कब्जे से जब्त किया गया था। उक्त सभी 44 प्रकरणों में जब्तशुदा अवैध मादक पदार्थों को जिला औषधि व्ययन समिति चित्तौड़गढ़ द्वारा वंडर सीमेंट थाना सदर निम्बाहेड़ा के अधिकारियों यूनिट हैड नितिन जैन, सुरक्षा हेड नगेन्द्र सिंह चूंडावत, उप सुरक्षा अधिकारी देवेन्द्र सिंह राठौड़, एएफआर हैड अभिषेक नामदेव, एडमिन प्रभारी अखिलेश कुमार व पर्यावरण विभाग के सीनियर मैनेजर अमित भारद्वाज की उपस्थिति में सोमवार को सदर निम्बाहेड़ा के वंडर सीमेंट प्लांट की कीलन में जलाकर नष्ट किया गया।

ट्रक से 89 किलो डोड़ा चुरा जब्त, एक आरोपी गिरफ्तार

संजीवनी टुडे

चित्तौड़गढ़। जिला विशेष टीम एवं थाना सदर चित्तौड़गढ पुलिस द्वारा गुरुवार को नाका बन्दी के दौरान अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ कार्यवाही करते हुये एक ट्रक से 89 किलो डोड़ा चुरा जब्त कर घटना में प्रयुक्त वाहन ट्रक को जब्त कर पंजाब निवासी एक आरोपी को गिरफतार किया गया। जिला पुलिस अधीक्षक श्री सुधीर जोशी ने बताया जिले में अवैध मादक पदार्थ की धरपकड़ व रोकथाम के लिये एएसपी सरिता सिंह व वृत्ताधिकारी चित्तौड़गढ़ विनय चौधरी के निर्देशन एवं थानाधिकारी सदर चित्तौडगढ़ गजेन्द्र सिंह पु.नि. के सुपरविजन में थाने के उप निरीक्षक महेन्द्र सिंह महेन्द्र सिंह, हैड कानि. मुस्ताक खान, सुरेन्द्र सिंह, कानि. रोशन लाल, रमेश, बलवंत सिंह, हेमव्रत सिंह, भजन लाल, डुंगर सिंह, गुरूप्रित सिंह व मुकेश कुमार द्वारा गुरुवार को हाईवे रोड़ पर नाकाबन्दी के दौरान के कोटा, निमच की तरफ से आई टाटा मिनी ट्रक को बैरीयर लगाकर रोका। चालक की गतिविधी संदिग्ध होने से ट्रक की तलाशी ली तो टाटा मिनी ट्रक के अन्दर प्लास्टिक के 06 कट्टो में कुल 89 किलो 500 ग्राम अवैध अफीम डोडा चुरा जब्त किया जाकर टाटा मिनी ट्रक के चालक पंजाब के कोटगुरू थाना सांगट मण्ड़ी जिला भटीण्डा निवासी 24 वर्षीय सुखपाल सिंह पुत्र सुखदेव सिंह मजबी सिख को गिरफतार कर टाटा मिनी ट्रक को जब्त की गई। जब्त शुदा डोडा चुरा के सम्बंध में पुछताछ जारी हैं।

किशोरी, बालिकाओं एवं साथिनो की एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

संजीवनी टुडे

करौली। जिला स्तरीय विशिष्ट कार्य योजना के अनुसार बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के तहत किशोरी, बालिकाओं एवं साथिनो सहित बाल संरक्षण पदाधिकारी, हितधारक एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं को माहवारी स्वास्थ्य, स्वच्छता प्रबंधन, एनीमिया एवं विभिन्न विधिक विषयों पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन धनलक्ष्मी केंद्र महिला अधिकारिता विभाग कार्यालय में जिला प्रशासन, महिला अधिकारिता विभाग एवं एक्शनएड यूनिसेफ करौली के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। पर्यवेक्षक गोमती मीना ने बताया है कि कार्यशाला में जिला युवा अधिकारी शरद त्रिपाठी, चिकित्सा अधिकारी अनिता, एक्शनएड यूनिसेफ जिला समन्वयक दिनेश कुमार बैरवा, पैरामल फाउंडेशन से गोपाल, साथिन, किशोरी, बालिकाएं सामाजिक कार्यकर्ताओ ने भाग लिया। कार्यशाला की शुरुआत करते हुए जिला समन्वयक दिनेश कुमार बैरवा ने बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम के संबंध में विस्तार से जानकारी देते हुए बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, पीसीपीएनडीटी एक्ट, पोक्सो एक्ट, कोटपा एक्ट, घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण, पोश एक्ट, सत्ती प्रथा आदि के बारें में विस्तार पूर्वक जानकारी देकर बालिका संरक्षण एवं सशक्तिकरण पर पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि हमे बेटी ओर बेटे को समान रूप से गिनना चाहिए, बालिकाओं को हर हाल में पढ़ाना चाहिए बेटियों को भार नही समझे बेटिया जीवन का आधार है। इनके विकास ओर संरक्षण की जिम्मेदारी प्रत्येक नागरिक की है। जिला युवा अधिकारी शरद त्रिपाठी ने युवतियों को विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं के संबंध में जानकारी देते हुए माय भारत पोर्टल एवं केंद्र सरकार द्वारा संचालित बालिका एकेडमीयो की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि हमें महिला और पुरुष को एक समान गिनना चाहिए, बालिका शिक्षा भी उतनी ही जरूरी है। जितनी बच्चे की शिक्षा जरुरी है।

स्काउट गाइड वालंटियर प्रशिक्षण के साथ विभिन्न स्वीप गतिविधियों का आयोजन

संजीवनी टुडे

सलूंबर। विधानसभा क्षेत्र सलूम्बर-156 के अंतर्गत निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी पर्वत सिंह चुण्डावत, स्वीप प्रभारी दिनेश चंद्र पाटीदार के निर्देशानुसार सराडा ब्लॉक के महाराणा प्रताप राउमावि चावंड में वरिष्ठ नागरिकों एवं विशेष योग्यजन मतदाताओं की सहायता हेतु स्काउट गाइड वॉलंटियर प्रशिक्षण का आयोजन हुआ। जिसमें उपप्रधानाचार्य नरेन्द्र यादव, आरपी भगवानलाल पटेल व कमलेश कुमार कलाल की उपस्थिति में स्काउट शिक्षक देवीलाल मीणा, हीरालाल डांगी हिम्मत सिंह मीणा श्रीमती कमलेश अहारी एवं अन्य शिक्षकों ने स्काउट गाइड वॉलंटियर को मतदान दिवस पर किये जाने वाले कार्य का प्रशिक्षण दिया। ब्लॉक जयसमंद के राउमावि वीरपुरा में प्रधानाचार्य नारायणलाल नरसावत शा शि बालकृष्ण आमेटा, कैलाश आमेटा, की उपस्थिति में विशेष शिक्षक प्रकाश पंचाल एवं अन्य शिक्षकों ने वॉलंटियर को मतदान दिवस पर मतदाताओ की सहायता से संबंधित प्रशिक्षण दिया।

तहसील सराडा के चावंड बस स्टेशन पर रंगोली के साथ मानव श्रंखला बनाकर मतदान करने की अपील की गई। स्थानीय कार्मिकों को विकास अधिकारी केदार नारायण चौधरी ने मतदान प्रतिशत में वृद्धि हेतु विभिन्न निर्देश दिये। आंगनवाडी कार्यकर्ताओं को घर-घर जाकर पीले

चावल द्वारा मतदान का निमंत्रण देने का कार्य सौपा गया। इस अवसर पर सहायक विकास अधिकारी हरिशंकर पण्ड्या, सीडीपीओ प्रकाश चौबीसा, सुपरवाईजर हीरालाल, पटवारी, आंगनवाडी कार्यकर्ता, सभी बीएलओ एवं अन्य कार्मिक उपस्थित रहे। यह जानकारी सराडा स्पीप सहप्रभारी मुकेश जोशी ने दी। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सलूम्बर में प्रार्थना सभा कार्यक्रम में स्वीप प्रकोष्ठ सलूम्बर की ओर से इन्द्रलाल पंचाल एवं राजेन्द्र कुमार पण्ड्या ने छात्र छात्राओं को मतदाता उपयोगी एप्प की जानकारी दी एवं मतदान दिवस पर वृद्धजनों व दिव्यांगजनों को मतदान केन्द्र पर ले जाने हेतु प्रेरित किया। कार्यक्रम का संचालन प्रदीप पटेल ने किया। विधानसभा क्षेत्र में सलूम्बर के मैथुडी बरोडा, जवारडा, करावली, खेराड, खरका, ईन्टाली खेडा, म.गा. विद्यालय गांधी चौक, सराडा के चावंड, सराडा, बलुआ, निम्बोदा, हामीतड जयसमंद के देवपुरा, पाडला, गातोड, सिंघटवाडा, भालडिया, कांटडी, धावडिया, ओडा, केवडा खुर्द, अदवास, जावद, सेमाल, सल्लाडा, सेमारी के बडावली, कोलर, ढाणी सीपुर, सीपुर, चंदोडा, झल्लारा के हिकायाडा में बैठक, रंगोली, मेहंदी, पोस्टर प्रतियोगिता, रैली, मतदाता परिचय पत्र वितरण, मतदाता शपथ आदि गतिविधियों का आयोजन किया गया।

हीकावाडा विद्यालय में भी हुआ स्वीप गतिविधियों का आयोजन

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय हीकावाडा में सशक्त लोकतंत्र एवं मतदाता जागरूकता हेतु स्थानीय विद्यालय की प्रधानाचार्य नेहा जैन के निर्देशन में विभिन्न स्वीप गतिविधियों का आयोजन करवाया गया । विद्यालय के छात्र छात्राओ द्वारा आकर्षक एवं सुन्दर चार्ट, रंगोली एवं मेहंदी बनाकर मतदान हेतु प्रेरित किया गया। साथ ही मानव श्रृंखला बनाकर मतदाताओ से शत मतदान हेतु अपील की गई ईएलसी क्लब के विद्यार्थियों को ईएलसी नोडल प्रभारी किशोर कुमार जोशी द्वारा मतदान करने की शपथ दिलवाई गई। इस अवसर पर कक्षा 12 की छात्रा बन्ना कुंवर दरोगा को मतदाता जागरूकता हेतु ब्रांड एम्बेसडर बनाया गया । एवं बीएलओ हीरालाल पटेल द्वारा छात्रों को निर्वाचको को सजग करने और उन्हें निर्वाचन प्रक्रिया से सम्बंधित बुनियादी जानकारी देकर मतदाताओ को मत देने एवं जागरूक निर्णय लेने के लिए प्रोत्साहित किया गया । इस अवसर पर विद्यालय के अध्यापकगण एवं एसडीएमसीके सदस्य एवं सभी छात्र ऽछात्राएं उपस्थित रहे ।

सम्पादक की कलम से....

सम्पादकीय

डिजिटल माध्यमों से मिल रही हैं प्रिंट मीडिया को गंभीर चुनौतियां

भारत के बाजार आज भी प्रिंट मीडिया की प्रगति की सूचनाओं से आह्लादित हैं। हर साल अखबारों के प्रसार में वृद्धि देखी जा रही है। रोज अखबारों के नए-नए संस्करण निकाले जा रहे हैं। कई बंद हो चुके अखबार फिर उन्हीं शहरों में दस्तक दे रहे हैं, जहां से उन्होंने अपनी यात्रा बंद कर दी थी। दुनिया के तमाम प्रगतिशील देशों से सूचनाएं मिल रही हैं कि प्रिंट मीडिया पर संकट के बादल हैं। यहां तक कहा जा रहा है कि बहुत जल्द अखबार लुप्त हो जाएंगे। वर्ष 2008 में जे. गोमेज की किताब 'प्रिंट इज डेड' इसी अवधारणा पर बल देती है। इस किताब के बारे में लाइब्रेरी रिव्यू में एंटोनी चिथम ने लिखा, ल्यह किताब उन सब लोगों के लिए 'वेकअप काल' की तरह है, जो प्रिंट मीडिया में हैं किंतु उन्हें यह पता ही नहीं कि इंटरनेट के द्वारा डिजिटल दुनिया किस तरह की बन रही है।ङ्क बावजूद इसके क्या खतरा इतना बड़ा है। क्या भारतीय बाजार में वही घटनाएं दोहराई जाएंगी, जो अमेरिका और पश्चिमी देशों में घटित हो चुकी हैं। इन्हीं दिनों में भारत में कई अखबारों के बंद होने की सूचनाएं मिली हैं तो दूसरी ओर कई अखबारों का प्रकाशन भी प्रारंभ हुआ है। ऐसी मिली-जुली तस्वीरों के बीच में आवश्यक है कि इस विषय पर समग्रता से विचार करें।

भारत के बाजार आज भी प्रिंट मीडिया की प्रगति की सूचनाओं से आह्लादित हैं। हर साल अखबारों के प्रसार में वृद्धि देखी जा रही है। रोज अखबारों के नए-नए संस्करण निकाले जा रहे हैं। कई बंद हो चुके अखबार फिर उन्हीं शहरों में दस्तक दे रहे हैं, जहां से उन्होंने अपनी यात्रा बंद कर दी थी। भारतीय भाषाओं के अखबारों की तूती बोली रही है, रीडरशिप सर्वेक्षण हों या प्रसार के आंकड़े सब बता रहे हैं कि भारत के बाजार में अभी अखबारों की बढ़त जारी है।

भारत में अखबारों के विकास की कहानी 1780 से प्रारंभ होती है, जब जेम्स आगस्टस हिक्की ने पहला अखबार 'बंगाल गजट' निकाला। कोलकाता से निकला यह अखबार हिक्की की जिद, जूनून और सच के साथ खड़े रहने की बुनियाद पर रखा गया। इसके बाद हिंदी में पहला पत्र या अखबार 1826 में निकला, जिसका नाम था 'उदंत मार्तण्ड', जिसे कानपुर निवासी युगुल किशोर शुक्ल ने कोलकाता से ही निकाला। इस तरह कोलकाता भारतीय पत्रकारिता का केंद्र बना। अंग्रेजी, बंगला और हिंदी के कई नामी प्रकाशन यहां से निकले और देश भर में पढ़े गए। तबसे लेकर आज तक भारतीय पत्रकारिता ने सिर्फ विकास का दौर ही देखा है। आजादी के बाद वह और विकसित हुई। तकनीक, छाप-छपाई, अखबारी कागज, कंटेट हर तरह की गुणवत्ता का विकास हुआ। हिंदी और अंग्रेजी ही नहीं अन्य भारतीय भाषाओं के अखबारों ने कमाल की प्रगति की। देश का आकार और आबादी इसमें सहायक बनी। जैसे-जैसे साक्षरता बढ़ी और समाज की आर्थिक प्रगति हुई, अखबारों के प्रसार में भी बढ़त होती गयी। केरल जैसे राज्य में मलयाला मनोरमा और मातृभूमि जैसे अखबारों की विस्मयकारी प्रसार उपलब्धियों को इसी संदर्भ में देखा जाना चाहिए। इसे ठीक से जानने के लिए राबिन जैफ्री के अध्ययन को देखा जाना चाहिए। इसी दौर में सभी भारतीय भाषाओं के अखबारों ने अभूतपूर्व विस्तार और विकास किया। उनके जिलों, स्तरों से संस्करण प्रारंभ हुए और 1980 के बाद लगभग हर बड़े अखबार ने बहुसंस्करणीय होने पर जोर दिया। 1991 के बाद भूमंडलीकरण, मुक्त बाजार की नीतियों को स्वीकारने के बाद यह विकास दर और तेज हुई। पूंजी, तकनीक, तीव्रता, पहुंच ने सारा कुछ बदल दिया। तीन दशक सही मायने में मीडिया क्रांति का समय रहे। इसमें माध्यम प्रतिस्पर्धी होकर एक-दूसरे को को शक्ति दे रहे थे। टीवी चैनलों की बाढ़ आ गई। वेब-माध्यमों का तेजी से विकास हुआ। अखबारों के मुद्रण के लिए विदेशी मशीनें भारतीय जमीन पर उतर रही थीं। विदेशी कागजों पर अखबार छापे जाने लगे थे। यह वही दौर था जब काले-सफ़ेद अखबार अचानक से रंगीन हो उठे। नवें दशक में ही भारतीय अखबारों के उद्योगपति विदेशी कंपनियों से करार कर रहे थे। विदेशी पूंजी के आगमन से अखबार अचानक खुश-खुश से दिखने लगे। उदारीकरण, साक्षरता, आर्थिक प्रगति ने मिलकर भारतीय अखबारों को शक्ति दी। भारत में छपे हुए शब्दों का मान बहुत है। अखबार हमारे यहां स्टेट्स सिंबल की तरह हैं। टूटती सामाजिकता, मांग कर पढ़ने में आती हिचक और एकल परिवारों से अखबारों का प्रसार भी बढ़ा।

आज का राशिफल

यह राशिफल जन्म राशि पर आधारित है। व्यक्ति के जन्म के समय चंद्रमा जिस राशि पर थे, वही उसकी जन्म राशि होती है। यदि राशि की जानकारी आपको नहीं है तो अपने नामाक्षर से राशिफल देखें।

मेष (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ) : आज भाग्य से कोई नया प्रस्ताव मिल सकता है। सरकारी काम आसानी से बन जाएंगे। अधिकारी सहयोग करेंगे। किसी चैरिटी आदि में धन खर्च करेंगे। मित्रों के साथ पार्टी में जा सकते हैं।

वृषभ (ई,उ,ए,ओ,वा,वी,वू,वे,वो) : सुख-सुविधाओं पर खर्च होगा। व्यक्तिगत मामलों में गलतफहमी को जन्म देने वाली कोई बात हो सकती है। परिवार के साथ पार्टी में जा सकते हैं। कोई नया प्रस्ताव यदि आज मिलता है।

मिथुन (क,की,कू,घ,ङ, छ, के,को, ह) : कार्यों को मन लगाकर पूरा करेंगे। आपकी बढ़ते प्रभाव से कुछ लोगों को परेशानी हो सकती है। आज की गई मेहनत का पूरा फल नहीं मिलेगा। व्यक्तिगत मामलों को सावधानी से हल करें।

कर्क (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो) : किसी योजना का क्रियान्वयन हो जाएगा। अधूरे काम भी किसी न किसी सहयोग से आज पूरे हो जाएंगे। धैर्यपूर्वक निर्णय लेने पड़ेंगे। भाग-दौड़ बनी रहेगी, परंतु यात्रा करना आज ठीक नहीं रहेगा।

सिंह (मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे) : परिवार के बड़े सदस्यों की आज्ञा मान कर चलेंगे तो फायदे में रहेंगे। लाभ के एक से अधिक अवसर सामने होंगे। चाहा गया सहयोग नहीं मिलने से काम खुद ही पूरे करने पड़ेंगे। बड़े भाई से लाभ होगा।

कन्या (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो) : आज घर और बाहर दोनों जगह आपके काम की सराहना होगी। काम के घंटे बढ़ जाएंगे अतः पिछले छूटे कामों को पहले पूरा कर लें। अधिकारी वर्ग प्रसन्न रहेगा। विद्यार्थी वर्ग लाभ में रहेगा।

तुला (रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते) : आज काम बनने में थोड़ी असुविधा हो सकती है। विरोधियों से सावधान रहना होगा। प्रोपर्टी के खरीदने या बेचने से संबंधी बात हो सकती है। पुराने मित्रों से मुलाकात होने की संभावना है।

वृश्चिक (तो, ना, नी, नू, ने, नो, या, यी, यू) : व्यावसायिक कार्यों का विस्तार करने के लिए अतिरिक्त परिश्रम करना पड़ेगा। सहयोग मिल जाने से थोड़ी आसानी हो जाएगी। व्यक्तिगत संबंधों में सौहार्द्र की भावना बढ़ने से मन प्रसन्न होगा।

धनु (ये, यो, म, भी, भू, धा, फा, ढा, भे) : आज का दिन महत्वपूर्ण काम करने के लिए नहीं है। निजी समस्याओं को अपने ऊपर हावी न होने दें। परिवार के साथ समय बिताना आवश्यक है, चाहें तो कहीं आउटिंग के लिए जा सकते हैं।

मकर (भो, जा, जी, खी, खू, खे, खो, ग, गी) : आज स्वास्थ्य का ध्यान रखना होगा, परंतु काम फिर भी आसानी से बन जाएंगे। लाभ की कोई नई योजना बनाकर उस पर अमल करेंगे। मित्र विशेष सहयोगी बनकर सामने आएंगे।

कुंभ (गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा) : आज घर की बुजुर्ग स्त्री की सलाह काम आएगी, महत्वपूर्ण निर्णय लेते समय उसको नजरअंदाज ना करें। यात्रा करना हित में नहीं रहेगा, बहुत जरूरी हो तो पहले मंदिर जाएं फिर यात्रा करें।

मीन (दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची) : आज योग्यता दिखाने का उचित अवसर मिलेगा। लाभ देने वाली छोटी यात्रा की संभावना है। बडी प्रतिस्पर्धा में भी विजयी होंगे। वाहन धीमी गति में चलाएं, अन्य कामों में भी जल्दबाजी ना करें।

जल-संकट गृहयुद्ध का कारण न बन जाये

पिछले कई दिनों से गंभीर जल संकट से दिल्ली की जनता परेशान है। परेशानी का सबब यह है कि पानी पहुंचाने वाले टैंकरों को कड़ी सुरक्षा में चलाया जा रहा है, ताकि पानी को लेकर हिंसा की नौबत न आ जाए। दक्षिणी दिल्ली क्षेत्र में पानी की कमी से जूझ रहे लोग पानी की टंकियों और हेंडपंपों से बूंद-बूंद पानी इकट्ठा कर रहे है और अपने-अपने पानी के डिब्बों को जंजीर से बांधकर रख रहे हैं। ऐसा ही नजारा मंगलवार को वसंत विहार के कुसुमपुर पहाड़ी इलाके में देखने को मिला। यह चिंताजनक इसलिए है कि अगर ऐसे ही हालात बने रहे तो यह जल संकट कभी भी जल संघर्ष एवं हिंसा में बदल सकता है। यह तो अक्सर देखने में आता ही रहा है कि पानी को लेकर लोग एक दूसरे की जान तक लेने में भी नहीं हिचकते। भीषण गर्मी और हरियाणा में नदी में कम पानी छोड़े जाने के कारण स्थिति दिन-ब-दिन खराब होती जा रही है। दिल्ली के जल-संकट को जल्दी-से-जल्दी दूर करना सरकार की प्राथमिकता होनी ही चाहिए।

दिल्ली में जल संकट वैसे तो हर वर्ष गर्मी की समस्या है, पर इसका दुष्प्रभाव साल दर साल बढ़ता ही जा रहा है। इसमें कोई दो राय नहीं कि बढ़ती जनसंख्या की वजह से दिल्ली में पानी की समस्या गंभीर होती जा रही है। अगर हम आंकड़ों पर गौर करें तो यह बात काफी हद तक सच भी है। जैसे दिल्ली की जनसंख्या में बीते दो दशकों में अत्यधिक वृद्धि हुई है। परंतु केवल जनसंख्या में वृद्धि ही दिल्ली में साल दर साल गहराते जल संकट का कारण नहीं है। विश्व के किसी भी शहर एवं खासकर राजधानी क्षेत्र की जनसंख्या में वृद्धि एक स्वाभाविक प्रक्रिया है, पर इससे उपजने वाली विभिन्न समस्याओं एवं जल संकट का मूल आबादी की बजाय, आबादी द्वारा चुनी गई सरकार एवं उसके लिए कार्य करने वाली संस्थाएं हैं, जोकि जीवन के मूलभूत तत्वों एवं जीवन निर्वाह की मूल जरूरतों में से एक जल भी उपलब्ध नहीं करवा पाती है। यह सरकार की नाकामी को दर्शाता है।

यह कैसी सरकार है जिसके शासन में एक-एक बाल्टी पानी के लिए लोग रात-रात भर जाग रहे हैं। जहां पानी पहुंच रहा है वहां लंबी-लंबी कतारें लगी हैं। जिनके पास पानी खरीदने को पैसे नहीं हैं, वे गंदा पानी पीने को मजबूर हैं। जो खरीद सकते हैं, वे मुंहमांगा दाम दे रहे हैं। ऐसा नहीं कि ये हाल कुछेक इलाकों का है। आधी से ज्यादा दिल्ली पानी के लिए इसी तरह तरस रही है। यह हर साल का रोना है। लेकिन विडंबना यह है कि जल संकट के स्थायी समाधान के लिए क्या हो, इसकी फिक्र किसी को नहीं दिखती।

दिल्ली में जल-संकट का कारण रजनीति भी है। पानी को लेकर विवाद दूसरे राज्यों में भी होते रहते हैं। नदियों के पानी पर किसका और कितना हक हो, यह मुद्दा जटिल तो है ही, राज्यों की राजनीति ने इसे और पेचीदा बना डाला है। दिल्ली को अतिरिक्त पानी देने को लेकर उत्तर प्रदेश और हिमाचल प्रदेश के साथ चर्चा करीब तीन साल से चल रही है। हरियाणा सरकार के साथ भी लंबे समय से बात चल रही है। पर अब तीनों राज्यों ने अपनी मजबूरी जता दी है। मोटे तौर पर दिल्ली में पानी का संकट तब खड़ा होता है, जब यमुना में पानी कम हो जाता है। ताजा स्थिति यह है कि वजीराबाद बैराज पर यमुना नदी का जलस्तर सामान्य से छह फीट नीचे चला गया है। यहां पानी हरियाणा से आता है। हरियाणा तर्क यह दे रहा है कि पंजाब उसे उसके हिस्से का पानी नहीं दे रहा। यानी जब पंजाब हरियाणा को पानी देगा, तब वह दिल्ली को देगा। अगर वाकई ऐसा है तो यह बेहद गंभीर बात है। इससे तो यही लग रहा है कि पानी को लेकर सरकारें राजनीति कर रही हैं। गौरतलब है कि दिल्ली और पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार है, जबकि उत्तर प्रदेश और हरियाणा में भाजपा की। जबकि दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार है और उसी की सरकार पंजाब में है तो वह समस्या के समाधान के लिये तत्पर क्यों नहीं होती? पंजाब हरियाणा को पानी दे तो दिल्ली को पानी मिल सकता है। लेकिन इस समस्या के समाधान के लिये गंभीरता क्यों नजर नहीं आ रही है? क्यो जल पर राजनीति की जा रही है? क्यों जनता को पानी के लिये त्राहि-त्राहि करने पर विवश किया जा रहाहै?

ऐसा प्रतीत होता है कि हमारे राजनीतिज्ञ, जिन्हें सिर्फ वोट की प्यास है और वे अपनी इस स्वार्थ की प्यास को इस पानी से बुझाना चाहते हैं। हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश और दिल्ली का यह जल-विवाद आज हमारे लोकतांत्रिक ताने-बाने को छिन्न-भिन्न कर दे उससे पूर्व आवश्यकता है तुच्छ स्वार्थ से ऊपर उठकर व्यापक राष्ट्रीय हित एवं जनता के हित के परिप्रेक्ष्य में देखा जाये। जीवन में श्रेष्ठ वस्तुएं प्रभु ने मुफ्त दे रखी हैं- पानी, हवा और प्यार। और आज वे ही विवादग्रस्त, दूषित और झूठी हो गईं। बहुत हो चुका है। अब बस। 2022 दिल्ली के जन-संकट का समाधान का वर्ष हो।

भारत की नदियां शताब्दियों से भारतीय जीवन का एक प्रमुख अंग बनी हुई हैं। इन्हीं के तटों से ऋषियों-मुनियों की वाणी मुखरित हुई थी। जहां से सदैव शांति एवं प्रेम का संदेश मिलता था। इसमें तो पूजा के फूल, अर्घ्य और तर्पण गिरता था अब वहां निर्दोषों का खून गिरता है। हमारी सभ्यता, संस्कृति एवं विविधता की एकता का संदेश इन्हीं धाराओं की कलकल से मिलता रहा है। जिस जल से सभी जाति, वर्ग के लोगों के खेत सिंचित होते हैं। जिनमें बिना भेदभाव के करोड़ों लोग अपना तन-मन धोते हैं। जो जल मनुष्य ही नहीं, पशु-पक्षी की भी प्यास बुझाता है, उसमें अलगाव, भेदभाव, राजनीतिक स्वार्थ का जहर कौन घोल रहा है?

सभी इन राज्यों के अपने तकनीकी व अन्य कारण हो सकते हैं। हो सकता है कि वे उचित भी हों, लेकिन जिस तरह का रवैया दिल्ली एवं पंजाब की आम आदमी पार्टी की सरकार एवं हरियाणा, उत्तर प्रदेश और हिमाचल प्रदेश की भाजपा सरकारें दिखा रही हैं, उसे शायद ही कोई जायज ठहराएगा। हालांकि देखा यह भी जाना चाहिए कि इन राज्यों के पास अपने लिए कितना पानी है। दिल्ली की अपनी भौगोलिक स्थिति और अन्य मजबूरियां ऐसी हैं कि बिना दूसरे राज्यों से पानी मिले उसका गुजारा चल नहीं सकता। सारे राज्य एक ही देश के हैं, पड़ोसी हैं, सभी के नागरिक भी एक ही हैं। ऐसे में कोई राज्य किसी जरूरतमंद राज्य को पानी नहीं देकर संकट खड़ा करता है, तो यह गंभीर बात है, यह प्रदूषित राजनीति का द्योतक है। देश की राजधानी में ही अगर इतना गंभीर जल संकट खड़ा हो जाता है और वह भी हर साल, तो सरकारों पर सवाल उठना लाजिमी है। जल-संकट के अलावा भी अन्य आम जनता से जुड़े अनेक संकट है जैसे प्रदूषण आदि। आखिर सरकारें कर क्या रही हैं? दिल्ली की अपनी सरकार है। केंद्र सरकार भी यहां है। देश की सर्वोच्च अदालत भी यहां बैठती है। सत्ता और शक्ति का केंद्र होने के बावजूद लाखों लोग अगर पानी के लिए तरसते हैं तो निश्चित ही इसे व्यवस्था की नाकामी का नतीजा माना जाना चाहिए। नदियों ने विभिन्न प्रांतों को जोड़ा था पर राजनीतिज्ञ इसे तोड़ रहे हैं। दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, उत्तरप्रदेश, हिमाचल एक अखण्ड राष्ट्र के उसी प्रकार हिस्से हैं जिस प्रकार मनुष्य शरीर के अंग हुआ करते हैं। कोई सरकार जनता की सुरक्षा एवं संरक्षण करने में असमर्थ है और दूसरी तरफ कोई सरकार अपनी कुर्सी को चमकाने के लिए जल विवाद का लाभ उठाना चाहते हैं। ये स्थितियां गृह युद्ध की तरफ बढ़ रही हैं। जिस पर नियंत्रण पाना किसी अथॉरिटी के लिए सम्भव नहीं होगा। ये स्थितियां हमारे संवैधानिक ढांचे के प्रति भी आशंका पैदा कर रही हैं। ङ्कनदी जलङ्क के लिए कानून बना हुआ है।

विचार बिन्दु

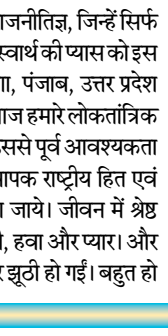

ललित गर्ग

आवश्यक हो गया है कि उस पर पुनर्विचार कर देश के व्यापक हित में विवेक से निर्णय लिया जाना चाहिए। सभी इन राज्यों के अपने तकनीकी व अन्य कारण हो सकते हैं। हो सकता है कि वे उचित भी हों, लेकिन जिस तरह का रवैया दिल्ली एवं पंजाब की आम आदमी पार्टी की सरकार एवं हरियाणा, उत्तर प्रदेश और हिमाचल प्रदेश की भाजपा सरकारें दिखा रही हैं, उसे शायद ही कोई जायज ठहराएगा। हालांकि देखा यह भी जाना चाहिए कि इन राज्यों के पास अपने लिए कितना पानी है। दिल्ली की अपनी भौगोलिक स्थिति और अन्य मजबूरियां ऐसी हैं कि बिना दूसरे राज्यों से पानी मिले।

महालक्ष्मी मंदिर में भक्तों को प्रसाद के रूप में दिए जाते हैं सोने-चांदी के आभूषण

धनतेरस के पहले महालक्ष्मी मंदिर की सजावट शुरू हो जाती है। इस दौरान रतलाम सहित आसपास क्षेत्र के लोग अपने सोने-चांदी के आभूषण तथा नोटों की गड्डियां यहां लेकर पहुंचते है। जिनकी मंदिर ट्रस्ट द्वारा एंट्री कर टोकन भी दिया जाता है। दीपावली व धनतेरस पर हम सभी अपने-अपने घरों में धन की देवी लक्ष्मी और कुबेर महाराज की पूजा कर उनसे धन में वृद्धि की कामना करते हैं। लेकिन भारत की मध्य में स्थित मध्यप्रदेश के रतलाम शहर में महालक्ष्मी का एक ऐसा मंदिर है जहां पर लोग अपनी पूरी श्रद्धा के साथ नोटों की गड्डियां और आभूषण लेकर जाते हैं और दीपावली बाद उन्हें वापस लेकर आते है। मान्यता यह है कि इस मंदिर की सजावट में रखने वाले नोटो की संख्या और आभूषण में साल भर बाद वृद्धि हो जाती है। रतलाम के माणक चौक रोड़ स्थित लक्ष्मणपुरा में महालक्ष्मी मंदिर है। जहां प्रसाद के रूप लोगो को सोने-चांदी के आभूषण और सिक्के बांटे जाते है। इस मंदिर के पट केवल धनतेरस के दिन खुलते है और दीपावली बाद भाई दूज को वापस बंद हो जाते है।

मध्य प्रदेश के रतलाम के इस महालक्ष्मी मंदिर को लेकर कई रौचक तथ्य जुड़े हुए है। महालक्ष्मी मंदिर के कपाट (द्वार) वर्ष में केवल धनतेरस के दिन ब्रह्म मुहूर्त में खोल जाते है। जिसके बाद यहा पर पांच दिवसीय महोत्सव मनाया जाता है और दीपावली बाद भाई दूज को कपाट पूरी तरह बंद कर दिए जाते है। इस दौरान यहां महालक्ष्मी की विभिन्न रूप से पूजा की जाती है। रतलाम शहर सहित आसपास के लोगों की मान्यता है कि महालक्ष्मी मंदिर में श्रृंगार के लिए लाए गए आभूषण और धन से घर में सुख समृद्धि बनी रहती है और वर्ष भर में धन दोगुना हो जाता है। महालक्ष्मी मंदिर की सजावट धनतेरस के आठ रोज पहले से ही प्रारंभ कर दी जाती है। इस दौरान लोग यहां सोने एवं चांदी के सिक्के भी भारी मात्रा में लेकर पहुंचते है।

धनतेरस के पहले महालक्ष्मी मंदिर की सजावट शुरू हो जाती है। इस दौरान रतलाम सहित आसपास क्षेत्र के लोग अपने सोने-चांदी के आभूषण तथा नोटों की गड्डियां यहां लेकर पहुंचते है। जिनकी मंदिर ट्रस्ट द्वारा एंट्री कर टोकन भी दिया जाता है। नोटों की गड्डियां से मंदिर को पूरी तरह सजाया जाता है एवं आभूषण मंदिर में विराजित महालक्ष्मी देवी को समर्पित किए जाते हैं। धनतेरस के पहले मंदिर को पूरी तरह सोने तथा चांदी के आभूषण और नोटो की गड्डियां से सजाया जाता है। धनतेरस से लेकर भाई दूज तक इस मंदिर में धूमधाम से महोत्सव मनाया जाता है। जिसके बाद जो भी व्यक्ति अपने आभूषण और रुपये सजावट के लिए लाता है उन्हें टोकन के माध्यम से वापस दे दिए जाते है। भाई दूज के दीन पुनः महालक्ष्मी मंदिर के कपाट बंद कर दिए जाते है। इस दौरान भक्तों को यहां पर श्रीयंत्र, सिक्का, कौड़ियां, अक्षत कुमकुम लगा कुबेर पोटली प्रसाद के रूप में दी जाती है। एक अनुमान के मुताबिक यहां पर 100 करोड़ से अधिक का धन एकत्रित होता है।

रतलाम के महालक्ष्मी मंदिर को लेकर काफी मान्यताएं है। लोगो द्वारा मंदिर की सजावट करने से ऐसा प्रतित होता है कि मानों यहां पर यह सारा धन दान में दिया गया हो। लोगों की मान्यता है कि वे अपना धन यहां सजावट के लिए रखते है तो महालक्ष्मी के आशीर्वाद से धन वर्ष भर में दोगुना हो जाता है। इसलिए हर वर्ष धनतेरस से पहले बड़ी संख्या में लोग पहुंचकर सजावट हेतु अपना धन यहां देते है। मंदिर के इतिहास को लेकर काफी मान्यताएं और इतिहास भी है। बताया जाता है कि रतलाम शहर पर राज्य करने वाले तात्कालीन राजा को महालक्ष्मी माता द्वारा स्वप्न दिया था जिसके बाद से उन्होंने यह परम्परा प्रारंभ की थी जो आज तक चल रही है।

25 अक्टूबर की महत्त्वपूर्ण घटनाएँ

1415	इंग्लैंड ने उत्तरी फ्रांस में एजिनकोर्ट की लड़ाई जीती।
1812	युद्ध के दौरान अमेरिका फ्रिगेट यूनाइटेड स्टेट्स ने ब्रिटिश पोत मैसिडोनिया पर कब्जा कर लिया।
1917	बोल्शेविक (कम्युनिस्टों) व्लादिमीर इलिच लेनिन ने रूस में सत्ता हथिया ली।
1924	भारत में ब्रिटिश अधिकारियों ने सुभाषचंद्र बोस को गिरफ्तार कर 2 साल के लिए जेल भेज दिया।
1951	भारत में पहले आम चुनाव की शुरूआत हुई।
1962	अमेरिकी लेखक जॉन स्टीनबेक को साहित्य का नोबेल पुरस्कार दिया गया।
1964	अवादी कारखाने में पहले स्वदेशी टैंक 'विजयंत' का निर्माण किया गया।
1971	संयुक्त राष्ट्र महासभा में ताइवान को चीन में शामिल करने के लिए मतदान हुआ।
1995	तत्कालीन प्रधानमंत्री नरसिम्हा राव ने संयुक्त राष्ट्र के 50वें वर्षगांठ सत्र को संबोधित किया।
2000	अंतरिक्ष यान डिस्कवरी (यू.एस.ए.) 13 दिन के अभियान के बाद सकुशल वापस।
2005	ईराक में नये संविधान को जनमत संग्रह में बहुमत के साथ मंजूरी मिली।
2007	तुर्की के युद्ध विमानों ने उत्तरी इराक के पहाड़ी कुर्दिस्तान क्षेत्र में भारी बमबारी की।

मन के दोष रूपी 'रावण' जाने बिना बुराई का अंत है नामुमकिन

विचार बिन्दु

मुनीष भाटिया

इसी तरह कोरोनाकाल में भी किस तरह की नफरत बेशक क्षेत्रवाद, जातिवाद और धार्मिक भेदभाव की मानसिक सोच का विक्षिप्त रूप विभिन्न टी वी चैनलों की बहस में देखने को मिली।

आज समाज में चहुँ ओर हिंसा, अराजकता व झूठ का बोलबाला है। प्रत्येक वर्ष विजयदशमी के पर्व पर कागज़ के पुतले फूंक कर बुराई की इति श्री के मिथ्या भ्रम में ही उलझे रहते हैं और अपने अन्दर छिपी बुराइयों को नजरंदाज कर देते हैं। समाज की प्रत्येक इकाई से गिर रहे नैतिकता के स्तर के लिए जितना जिम्मेदार हमारे समाज की रचना है उससे कहीं अधिक जिम्मेदार व्यक्ति विशेष हैं। आज यह मानवीय प्रवृत्ति हो चुकी है कि हम दूसरे के दोषों की चर्चा तो खूब करते हैं किन्तु अपनी गलतियों पर पर्दा डाल लेते हैं। दूसरों के दोष तो हमें नजर आ जाते हैं किन्तु स्वयं का बड़े से बड़ा अपराध का भी हम आत्मनिरीक्षण करने की कोशिश तक नहीं करते। आज के गिरते मानवीय जीवन चरित्र को देखते हुए यही धारणा प्रबल हो चली है कि 'दोस पराए देखि करि चला हसंत-हसंत' अर्थात यह मनुष्य का स्वभाव है कि जब वह दूसरों के दोष देखकर हंसता है, तब उसे अपने दोष याद नहीं आते जिनका न आदि है न अंत। दूसरों के प्रति अपने दुर्व्यवहार व अपने दोषों अनुसार सामाजिक मूल्यों के संदर्भ में कबीर द्वारा कही गई वाणी अपने याद न आवई जाको आदि न अंत' यह एक विडंबना ही कही जाएगी कि आत्म निरीक्षण व आत्म विश्लेषण कर अपनी गलतियों को सुधारने की बजाए हम अपने विवेक दर्पण में वही सब कुछ देखना चाहते हैं जैसा हमारा मन करता है। कबूतर की तरह आँख मूंदे रहने की भावना ने समाज को किंकर्तव्यविमूढ़ बना दिया है। राजनैतिक रूप से बदले की भावना इतनी प्रबल हो चली है कि नैतिकता के सभी आयाम को चुनोतियाँ दी जा रही हैं। विगत कुछ दिनों से कंगना रानौत और शिव सेना के बीच का विवाद प्रतिशोध की तमाम पराकाष्ठाओं की उल्लंघन का ही एक उदाहरण कहा जा सकता है। इसी तरह कोरोनाकाल में भी किस तरह की नफरत बेशक क्षेत्रवाद, जातिवाद और धार्मिक भेदभाव की मानसिक सोच का विक्षिप्त रूप विभिन्न टी वी चैनलों की बहस में देखने को मिली।

निज की स्वस्थ आलोचना कर व अपने गुण दोषों को हम देखना भी नहीं चाहते। यही कारण है कि सामाजिक अपराधों में उत्तरोत्तर वृद्धि हो रही है। समाज की प्रथम इकाई अर्थात परिवारों में जहाँ घरेलू अपराध होते हैं व महिलाओं का शोषण होता है। हाथरस हो या दिल्ली या फिर राजस्थान महिलाओं के साथ दंरिन्दी करने में कोई मौका समाज के दानव मौके की तलाश में रहते हैं। विभिन्न राजनैतिक द्वारा पीड़ित परिवार के प्रति सहानुभूति रखने की बजाये निज स्वार्थवश तमाम नैतिकता को ताक पर रख दिया जाता है। वहीं दहेज, यौन उत्पीड़न की घटनाएं यह सोचने को विवश करती हैं कि आखिर नियति हमारे समाज को किस दिशा की ओर ले जाना चाहती है। स्वतंत्रता का सूरज देशवासियों के लिए उम्मीद की नई किरण लेकर तो आया किन्तु स्वार्थ लोलुपता व सामजिक पदों पर आसीन जन प्रतिनिधियों के अहंकार ने आम भारतीय को ऐसे चक्रव्यूह में फँसा दिया कि उस नागपाश में से निकलने के चक्कर में यह उलझता ही गया और अंततः अपराध की यह मानसिक ग्रंथि कोढ़ की भांति पूरे समाज में फैल गई। कहावत है जैसा राजा वैसी प्रजा अर्थात जैसा शासन तंत्र व उससे जुड़े लोग होंगे वैसे ही जनता का आचार व्यवहार होगा। भारतीय शासन तंत्र में बैठे शीर्ष नेताओं में आत्म निरीक्षण का अभाव और प्रतिशोध की भावना के घर करने के कारण ही भारतीय समाज में अपराधों में लगातार बढ़ोत्तरी हो रही है। गाँधी के इस देश में हिंसा, बलात्कार व अपहरण आम बात हो गई है। सात साल की बच्ची से लेकर सत्तर साल की वृद्धा तक का यौन शोषण हो रहा है।

शासन तंत्र से उपजे अपराधों का ही सिलसिला है कि राजनीतिक स्वार्थवश एक महिला को बेरहमी से कत्ल कर तंदूर में जलाने का कुत्सित प्रयास होता है वहीं दूसरी विदेशी पर्यटक महिला से बलात्कार की कोशिश होती है। अतः जहाँ एक और आवश्यकता है कानून को समान रूप से लागू करने की, साथ ही जरूरी है कि शीर्ष पदों पर आसीन जन प्रतिनिधियों में आत्मनिरीक्षण की भावना जाग्रत हो सके। इसके लिए समाज की प्रथम इकाई से शुरुआत करनी होगी। बापू गाँधी ने अपने आख्यानों में बार-बार दोहराया है - अपने को देखो। अर्थात अपना मानस मंथन कर निज के गुण, दोषों की परख करो। उन्होंने आत्मविश्लेषण को ऐसा अचूक अस्त्र बतलाया है जिससे न केवल दोषों का निवारण होता है बल्कि इससे सत्य स्वरूप परमात्मा की प्राप्ति का मार्ग भी प्रशस्त होता है। जिससे मन ना तो बुराइयों की ओर आकर्षित होता है और न ही किसी का बुरा करने के बारे में सोचता है।

किडनी और लिवर के लिए घातक है हीट स्ट्रोक

गर्मियों में काफी लोग हीट स्ट्रोक के शिकार हो जाते हैं। हीट स्ट्रोक एक गंभीर मामला है। इस स्थिति से पूरी तरह बचना संभव है, लेकिन हीट स्ट्रोक में जरा-सी लापरवाही मौत को न्योता दे सकती है। सबसे पहले समझते हैं कि हीट स्ट्रोक है क्या। कैसे ये शरीर के महत्वपूर्ण अंगों को प्रभावित करता है और किन तरीकों से इससे बचा जा सकता है।

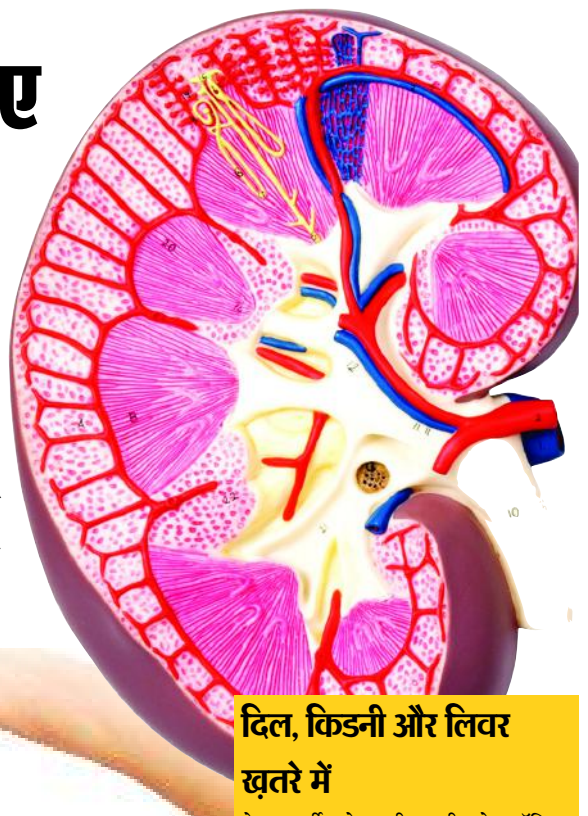

दिल, किडनी और लिवर ख़तरे में

तेज गर्मी से शरीर की मेटाबॉलिक एक्टिविटी यानी पेट से जुड़े अंगों के काम करने की क्षमता एकदम से बढ़ जाती है। इससे आमतौर पर ब्लड प्रेशर कम हो जाता है और तुरंत ही दिल पर इसका असर पड़ने लगता है, क्योंकि ऑक्सीजन का लेवल तेजी से कम होने लगता है। मेटाबॉलिज़्म बिगड़ने से शरीर में बेकार की चीजें को निकलने का मौका नहीं मिलता, जिससे किडनी और लिवर डैमेज होने लगते हैं। ऐसी स्थिति में पेशेंट को आईसीयू में इलाज की जरूरत पड़ जाती है। यूरिन रुक जाने की हालात में किडनी तक फेल होने की संभावना बनी रहती है।

जल्दी लक्षण समझें

शरीर का तापमान तेजी से बढ़ना, बहुत ज्यादा गर्मी लगना, सिरदर्द, थकान, पसीना न निकलना, चिड़चिड़ापन, चक्कर आना, जी मिचलाना, सांसों का तेजी से बढ़ना और घटना आदि हीट स्ट्रोक के शुरुआती लक्षण होते हैं।

कई बार एकाएक बेहोशी या दौरे जैसे हालात भी बन जाते हैं। हीट स्ट्रोक में पहला घंटा सबसे अहम होता है। इसके बाद जान को खतरा बढ़ता ही चला जाता है।

मरीज़ की ऐसे कर सकते हैं मदद

कोई गर्मी के कारण बेहोश होता दिखे, तो उसे तुरंत पानी या इलेक्ट्रोलाइट्स का घोल पिलाएं। बेहोश हो गया हो, तो तुरंत उसके सिर, हाथ, बगलों और तलवों पर ठंडे पानी में भिगोया कपड़ा रखें।

उसे छांव में ले जाएं। हो सके तो बर्फ के पानी की पट्टियां रखें। ये सारे फर्स्ट एड हैं, इसलिए अस्पताल ले जाने में जरा भी देर न करें। मौसम कोई भी हो, थोड़ी-थोड़ी देर में पानी पिलाते रहें। लंबे समय तक धूप में काम करने वालों को चाहिए कि बीच-बीच में किसी ठंडी जगह पर जाकर दो मिनट शरीर को आराम देते रहें।

दो तरह से होता है प्रभाव

हीट स्ट्रोक उन लोगों को जल्दी प्रभावित करता है, जो बिना किसी सुरक्षा उपाय के धूप में या बहुत ही गर्मी में लंबे समय तक रहते हैं। इनमें जिम में एक्सरसाइज करने वाले लोग भी शामिल हैं। सड़क पर काम करने वाले और किसी भट्ठी पर काम करने वाले मज़दूरों को हीट स्ट्रोक का खतरा सबसे ज्यादा होता है।

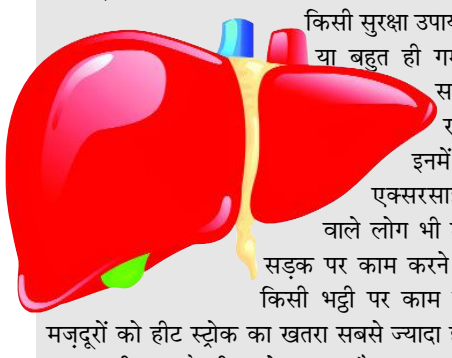

एक दूसरी तरह के हीट स्ट्रोक का अटैक अमूमन उन लोगों पर होता है, जिनका शरीर बदलते तापमान के हिसाब से जल्दी एडजस्ट नहीं होता। इसमें छोटे बच्चे, बुजुर्ग और वे लोग शामिल हैं, जो किसी लंबी बीमारी से जूझ रहे होते हैं।

हैप्पी ओल्ड एज के स्मार्ट टिप्स

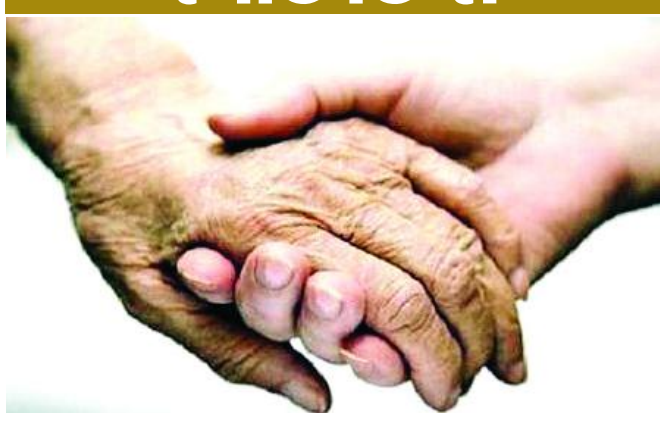

'जियो और जीने दो' के सिध्दांत को स्थापित रखने का प्रयास करें। जीवन के हर क्षण के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रखें। स्वास्थ्य के प्रति पूर्ण सतर्क रहें। आवश्यक चैकअप समय-समय पर कराते रहें। जहां तक संभव हो प्रौढ़ावस्था में ही अपनी वृध्दावस्था की तैयारी आरंभ कर दें। अपना बैंक-बैलेंस और आभूषणों को भविष्य में आने वाले समय के लिए सुरक्षित रखें। अपना सब कुछ बांटने और देने की भूल, भूलकर भी न करें। व्यस्त और सक्रिय रहने का प्रयास करें। इसके लिए नियमित रूप से समय के साथ स्वयं में भी बदलाव लाने का प्रयास करें। संतुलित और पौष्टिक भोजन का सेवन करें। आपका स्वभाव जितना अच्छा होगा, उतना ही आपका बुढ़ापा अच्छा कटेगा। इस बात का विशेष ध्यान रखें। युवा पीढ़ी से ही नहीं, बल्कि किसी अन्य से भी अधिक उम्मीदें कभी न रखें। नौकरी से अवकाश के उपरांत घर पर व्यर्थ न बैठें और न ही आत्मकेन्द्रित बनें, बल्कि समाज व सामाजिक कार्यों के प्रति अपना सक्रिय योगदान दें। आज की आधुनिक जीवनशैली में बहुत आवश्यक है आपका समय के साथ चलना, इसलिए समय के साथ-साथ स्वयं में भी बदलाव लाने का प्रयास करें। दूसरे के काम आने का प्रयास करें, इससे आपको भी आत्मसंतुष्टि मिलेगी और दूसरे भी आपसे खुश रहेंगे। इस अवस्था में आप अपनी रुचि व इच्छा के वे सभी कार्य करें, जो आप अपने घर-परिवार की जिम्मेदारियों को निभाते हुए न कर सके थे। नकारात्मक विचारों को मन में स्थान न दें। सकारात्मक सोच के साथ जीवन के हर सुख-दु:ख को जीने का प्रयास करें। स्वयं में आत्मबल का विकास करें। हर विपरीत परिस्थिति में अपना संयम न खोयें, बल्कि धैर्य और शान्ति से बुरे समय के निकल जाने का इन्तजार करें।

न्यूरोपैथिक दर्द से पाएं राहत

न्यूरोपैथिक पेन एक जटिल और लंबे वक्त तक चलने वाला दर्द है। यह दर्द क्षतिग्रस्त व ठीक तरह से काम न करने वाले या चोटिल स्नायु (नर्व) फाइबर्स के कारण पैदा होता है।

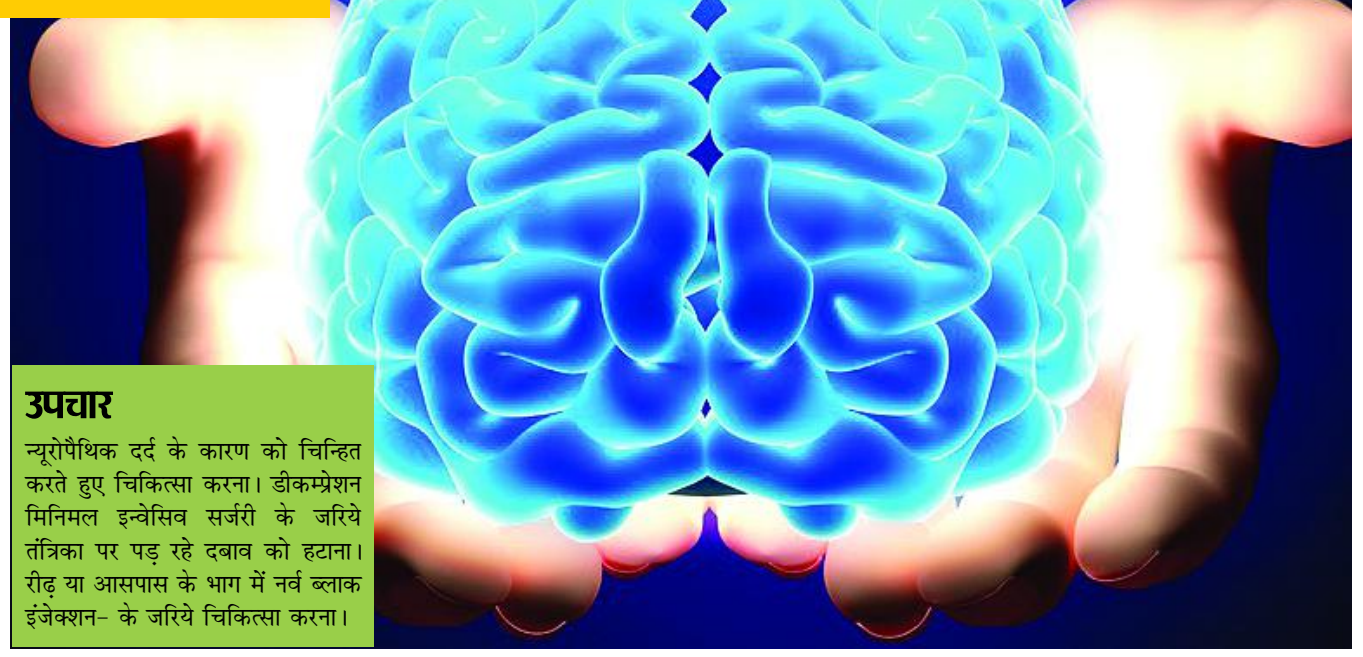

उपचार

न्यूरोपैथिक दर्द के कारण को चिन्हित करते हुए चिकित्सा करना। डीकम्प्रेशन मिनिमल इन्वेसिव सर्जरी के जरिये तंत्रिका पर पड़ रहे दबाव को हटाना। रीढ़ या आसपास के भाग में नर्व ब्लाक इंजेक्शन- के जरिये चिकित्सा करना।

लक्षण

सुइयां जैसी चुभना, जलन होना, त्वचा का सुन्न पड़ जाना और तेज दर्द होना इस रोग के लक्षण हैं। इसके अलावा बिजली के करेंट जैसा झटके के साथ दर्द होना और चींटियां जैसा काटने का अनुभव होना न्यूरोपैथिक दर्द के लक्षण हैं।

कारण

न्यूरोपैथिक दर्द के कुछ सामान्य कारणों में शराब का अत्यधिक सेवन, डाइबिटीज होना, एचआईवी संक्रमण, रीढ़ की हड्डी के ऑपरेशन और पैर व कमर संबंधी समस्या को शामिल किया जाता है।

डायग्नोसिस

न्यूरोपैथिक दर्द का पता लगाने के लिए डॉक्टर शारीरिक जांच करते हैं। आपके स्नायुओं (नर्व्स) को नुकसान पहुंचा है या नहीं, यह पता लगाने का सबसे सामान्य तरीका है- इलेक्ट्रोमायोग्राम के साथ नर्व कंडक्शन स्टडी। सियोमीटर जांच।

गलत धारणाएं और तथ्य

केवल डाइबिटीज से ग्रस्त व्यक्तियों को ही न्यूरोपैथिक दर्द होता है।

इस तरह की धारणा गलत है। सच तो यह है कि डाइबिटीज से ग्रस्त व्यक्तियों में न्यूरोपैथिक समस्या सामान्य रूप से पायी जाती है, लेकिन कीमोथेरेपी लेने वाले, किसी तरह की चोट या बीमारी से ग्रस्त व्यक्तियों, ऐसे व्यक्ति जिनका कोई अंग-भंग हो गया हो, उन्हें भी न्यूरोपैथिक दर्द हो सकता है। बढ़ती उम्र के साथ भी न्यूरोपैथिक दर्द हो सकता है।

रोकथाम

तंत्रिकाओं (नर्व्स) का दर्द कम करने के लिए डाइबिटीज पर नियंत्रण रखें। नशे से दूर रहें और व्यायाम करें।

व्यायाम से पैरों और पंजों के स्नायुओं में रक्त संचार ठीक तरह से होता है।

व्यायाम- उंगलियों और हाथों को गोल-गोल घुमाएं, पूरे शरीर की मांसपेशियों को स्ट्रेच करें।

खान- पान: में साबुत अनाज, विटामिन सी युक्त फल और हरी पत्तेदार सब्जियां, टमाटर और पौधों से प्राप्त वसा का सेवन लाभकारी है।

क्यों उठ रहा है दिमाग में

बीते दिनों नेपाल और भारत में आए भूकंप के बाद तमाम लोग डॉक्टरों और मनोरोग विशेषज्ञों के पास गए। इनमें से ज्यादातर लोगों की प्रमुख शिकायत थी कि भूकंप के गुजर जाने के बाद वे बेचैनी महसूस कर रहे हैं...। किसी का कहना था कि उन्हें ढंग से नींद नहीं आ रही है कि पता नहीं कब भूकंप के झटके महसूस होने लगे। किसी-किसी का कहना था कि उन्हें अभी भी कभी-कभी यह महसूस होता है कि जमीन हिल रही है...आदि।

पोस्ट ट्रामेटिक स्ट्रेस डिसॉर्डर

इस संदर्भ में नई दिल्ली के वरिष्ठ मनोरोग विशेषज्ञ डॉ. अचल भगत कहते हैं कि मेरे पास उपर्युक्त समस्याओं के बाबत लोग आए। असल में दो तरह के लोग होते हैं, एक तो वे जिन्हें भूकंप के दौरान जान-माल की क्षति हुई। ऐसे लोग एक मनोरोग- पोस्ट ट्रामेटिक स्ट्रेस डिस्आर्डर- से ग्रस्त हो सकते हैं। ऐसे लोगों में घबराहट बहुत ज्यादा होती है। उनके दिमाग में पुरानी घटनाओं का फ्लैश बैक चलता रहता है।

बचें कैटेस्ट्रॉफिक थिंकिंग- से

जिन लोगों का भूकंप से नुकसान नहीं हुआ है और वे तब भी आशंकाग्रस्त व अत्यधिक भयग्रस्त हैं, तो उनकी इस सोच को मनोचिकित्सकीय भाषा में कैटेस्ट्रॉफिक थिंकिंग (हादसे से संबंधित सोच) कहा जाता है। इस संदर्भ में नई दिल्ली के एक अन्य वरिष्ठ मनोचिकित्सक डॉ. गौरव गुप्ता कहते हैं कि भूकंप के बाद तमाम लोगों के मन में डर अपनी जड़ें जमा लेता हैं। धीरे-धीरे यह भय एंग्जाइटी (बेचैनी) में बदल जाता है।

इलाज

कोई व्यक्ति भूकंप के गुजरने के बाद भी बेचैनी महसूस कर रहा है, तो वह मनोरोग विशेषज्ञ से काउंसलिंग व दवा ले। ध्यान दूसरी ओर आकर्षित करें। किसी हॉबी में मशगूल हों। मन को बहलाने का प्रयास करें। ईश्वर का ध्यान करें। इससे आपका मनोबल और आत्मविश्वास बढ़ता है, मन की बेचैनी कम होती है और आप इस सत्य को समझने लगते हैं कि भगवान की मर्जी के आगे किसी की नहीं चलती। इसलिए स्वयं को नकारात्मक सोच के दायरे में रखना अपना ही नुकसान करना है।

मायोपिया से बचने के लिए टीवी कम देखें

बात जब मनोरंजन की हो, तो अपने बच्चे को स्क्रीन देखने से ज़्यादा आउटडोर खेलने के लिए प्रोत्साहित करें। यह मायोपिया से बचाव का की फैक्टर हो सकता है। अनुमान है कि भारत में हर तीन में से एक व्यक्ति मायोपिया का शिकार है और बच्चों में यह समस्या बढ़ रही है। एम्स के शोधकर्ताओं के अनुसार भारत में 12 साल की उम्र के आठ बच्चों में से एक को ब्लैकबोर्ड पढ़ने के लिए चश्मा लगता है। इस अध्ययन में दिल्ली के सरकारी और निजी स्कूलों के करीब 10 हज़ार छात्रों की समीक्षा की गई और पाया गया कि 11.6 साल की औसत उम्र के 13.1 फीसदी बच्चे निकट दृष्टि दोष के शिकार हैं। हालांकि अब तक सूरज की रोशनी और मायोपिया का संबंध स्थापित नहीं किया जा सका है लेकिन कई ताज़ा अध्ययनों की दलील है कि सूरज की रोशनी इस रोग से बचाव में मदद करती है। शोधकर्ता कहते हैं कि इस रोग के लिए जीन्स की भूमिका भी हो सकती है। यूरोप और एशिया के 45 हज़ार लोगों पर किये जा रहे एक बड़े अध्ययन में सामने आया है कि दृष्टि से 24 जीन्स का संबंध है जिनमें से 2 इस रोग के कारण से जुड़े हैं। जिन लोगों में ये जीन्स होते हैं उनमें मायोपिया होने की आशंका 10 गुना बढ़ जाती है। प्राइवेट स्कूलों में पढ़ रहे उन बच्चों में मायोपिया के मामले ज़्यादा देखे गये, जिनके अभिभावक या भाई-बहन इस रोग से ग्रस्त हैं या जो उच्च आय वाले परिवारों से संबंधित हैं। यह आनुवांशिकी को नहीं दर्शाता लेकिन कुछ ऐसी गतिविधियों को इंगित करता है जो नेत्र संबंधी समस्या से जुड़ी हैं जैसे टीवी या स्क्रीन गैजेट्स आदि का प्रयोग। शोधकर्ताओं ने पाया कि उन बच्चों में मायोपिया सबसे ज़्यादा पाया गया जो दिन में पांच घंटे से ज़्यादा पढ़ते हैं या टीवी, कंप्यूटर, वीडियो व मोबाइल गेम्स आदि पर रोज़ दो घंटे से ज़्यादा समय बिताते हैं।

स्त्रियों में कुपोषण की समस्या

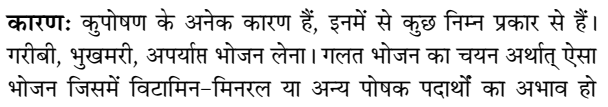

कुपोषण का अर्थ है पोषण की कमी। पोषण मिलता है उचित आहार-विहार द्वारा। जब अनुचित या मिथ्या आहार-विहार किया जाता है तो प्रायः शरीर में किसी न किसी पदार्थ की कमी होना स्वाभाविक है एवं उस पदार्थ की कमी विभिन्न लक्षणों के रूप में व्यक्त हो कर शरीर को रोगी बना देती है। कुपोषण स्त्री, पुरूष व बच्चे किसी में भी पाया जा सकता है। यहां हम चर्चा करेंगे स्त्रियों में कुपोषण की समस्या पर। आज यह एक ज्वलंत समस्या बन कर खड़ी है। बढ़ती महंगाई व बढ़ती जनसंख्या एवं घटते संसाधनों के कारण यह समस्या निरंतर दुःखदायी बनती जा रही है। स्त्री चूंकि परिवार व समाज का महत्वपूर्ण स्तंभ है- अतः उसका स्वस्थ रहना अति आवश्यक है। रोगिणी या कमजोर स्त्री का परिवार कभी सुखी नहीं हो सकता। अतः यह समस्या केवल शारीरिक ही नहीं अपितु सामाजिक समस्या भी है। लक्षण = कुपोषण होने पर प्रायः शारीरिक कमजोरी, मानसिक अवसाद, खून की कमी, शरीर का पीला या सफेद पड़ना, आंखों के चारों ओर कालिमा होना, आंखें गड्ढे में धंसी दिखाई पड़ना, भूख की कमी, थोड़े प्रयास से भी श्वास चढ़ना, चक्कर आना, इसके अलावा किसी विशेष विटामिन या आयरन, प्रोटीन व मिनरल की कमी से होने वाले विशेष लक्षण दिखलाई पड़ते हैं। प्रोटीन की कमी के कारण मांसपोशियों का कमजोर होना और यकृत का ठीक से कार्य न करना, विटामिन ए की कमी से आंखों का कमजोर व बीमार होना पाया जाता है।

विटामिन बी:की कमी से विकार व नाड़ी विकार होते हैं।

विटामिन सी: की कमी होने पर विभिन्न अस्थि रोग होते हैं। इसी प्रकार अन्य अनेक रोगों से शरीर ग्रस्त हो जाता है।

कारण: कुपोषण के अनेक कारण हैं, इनमें से कुछ निम्न प्रकार से हैं। गरीबी, भुखमरी, अपर्याप्त भोजन लेना। गलत भोजन का चयन अर्थात् ऐसा भोजन जिसमें विटामिन-मिनरल या अन्य पोषक पदार्थों का अभाव हो अर्थात् असंतुलित भोजन। आवश्यकता से अधिक भोजन लेना अपच पैदा कर कुपोषण का कारण बनता है।

एक ही प्रकार के विटामिन की अधिकता युक्त भोजन लेना। प्राकृतिक विषमताजन्य पदार्थ जैसे वनस्पतियों के बीज, पीतल, अल्यूमीनियम के बर्तनों में पका खाना। कुसमय भोजन करना, भोजन के प्रति लापरवाही बरतना। सस्ते के चक्कर में नीम-हकीमों की सलाह लेना। गरीबी, ईष्या, घर की सफाई पर ध्यान देना। किसी दिमागी या शारीरिक रोग की वजह से भूख न लगना। कट्टर शाकाहारी होना।

नशेड़ी होना। गर्भावस्था के दौरान, स्तनपान के दौरान। कड़ा परिश्रम करने वालों में खासकर ठंडे प्रदेश में सामान्य खुराक पर्याप्त नहीं होती। कभी-कभी किन्हीं रोगों के कारण भी कुपोषण की समस्या उत्पन्न होती है। लंबी अवधि तक किसी शल्य कर्म के कारण ग्लूकोस का चढ़ना। लंबी अवधि तक एंटीबायोटिक लेने से आंतों के बैक्टीरिया की क्रियाशीलता का कम होना। नेफ्रोटिक सिंड्रोम में प्रोटीन का मूत्र द्वारा बाहर निकल जाना प्रोटीन की कमी का कारण बनता है। डायबिटीज में ग्लूकोज का अधिक मात्रा में मूत्र में आना।

अधिक माहवारी होना लौह तत्व की कमी का कारण बनता है। अतिसार या दस्त आना पोटेशियम की कमी करता है। इस प्रकार उपरोक्त कारणों में से कोई एक कारण भी कुपोषण पैदा कर सकता है। उपरोक्त लक्षणों की जानकारी हासिल कर लेने के पश्चात आप स्वयं भी इसका निर्णय कर सकते हैं कि कहीं आप कुपोषण से ग्रस्त तो नहीं हैं? घर की व घर के अन्य सदस्यों की देखभाल करने में स्त्रियां प्रायः अपनी स्वयं की ओर ध्यान नहीं दे पाती। काम निपटाकर हीं भोजन करने की प्रवृत्ति उन्हें रोगी बना सकती है परन्तु उन्हें अपनी इस आदत को त्यागकर अपना ध्यान अवश्य रखना चाहिए। ऐसा न हो कि कुपोषण का छोटा स्वरूप भी कहीं किसी गंभीर रोग में तब्दील हो जाए। यदि उपरोक्त एक भी लक्षण आपको स्वयं में दिखाई दे तो समय नष्ट किए बिना चिकित्सक से परामर्श लें व उचित उपचार में लापरवाही न बरतें।

'द साबरमती रिपोर्ट' का नया मोशन पोस्टर जारी

मुंबई। विक्रांत मैसी अपनी अपकमिंग फिल्म 'द साबरमती रिपोर्ट' को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म की कुछ झलकियां पहले ही जारी हो चुकी हैं, जिसके बाद से दर्शकों को उत्साह के साथ फिल्म का बेसब्री से इंतजार है। यह फिल्म 15 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। 'द साबरमती रिपोर्ट' का नया मोशन पोस्टर रिलीज हो गया है और इसमें तीव्रता और ताकत दोनों को दर्शाया गया है। जलती हुई अखबार की कतरन और पृष्ठभूमि में क्रोधित आंखों के साथ मोशन पोस्टर रोमांचकारी लग रहा है। इसके साथ ही निर्माताओं ने फिल्म के टीजर की रिलीज डेट का भी खुलासा किया है।

लाइफ Style

सारा

आउटडोर योगा सेशन का वीडियो हुआ वायरल

एजेंसी ▶▶ मुंबई

बॉलीवुड अभिनेत्री सारा अली खान अपने अभिनय के साथ ही अपनी सेहत की भी खूब ध्यान रखती हैं। सारा फिटनेस प्रेमी हैं। वह अक्सर अपना योगा और जिम का वीडियो सोशल मीडिया पर साझा करती रहती हैं। सारा ने अपना एक और योगा का आउटडोर सेशन सोशल मीडिया पर साझा किया है, जो प्रशंसकों के बीच जमकर वायरल हो रहा है।

सारा अली खान इन दिनों अपनी फिल्म स्काई फोर्स को लेकर लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। सारा अपने प्रशंसकों के बीच काफी प्रसिद्ध हैं। यही वजह है अपने प्रशंसकों से जुड़े रहने के लिए सारा अक्सर अपनी तस्वीरें और वीडियोज सोशल मीडिया पर साझा करती रहती हैं। सारा अली खान ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर पर्पल जॉगर्स पैंट और क्रॉप टॉप पहने हुए अपना वीडियो साझा किया है। जब सारा फ्री होती हैं तो वह अक्सर ट्रैवल करती हैं। सारा ने अपने नए योगा फिटनेस आउटडोर सेशन से अपने प्रशंसकों को चौंका दिया है। इस वीडियो से साफ पता चल रहा है कि सारा इस समय वेकेशन पर हैं और वहां से सारा अपने शानदार लुक सोशल मीडिया पर साझा कर रही हैं। इस शानदार वीडियो की बात करें तो इसमें सारा को आउटडोर सेटिंग में सुबह योगा सेशन करते हुए देखा जा सकता है। सारा का यह अंदाज उनके प्रशंसकों को बेहद पसंद आ रहा है। संदीप केवलानी और अभिषेक अनिल कपूर द्वारा निर्देशित स्काई फोर्स अक्षय कुमार की 2025 में रिलीज होने वाली पहली हिंदी फिल्म होगी। अक्षय की स्काई फोर्स को लेकर उत्सुकता चरम पर है।

हॉलीवुड मसाला

कॉन्सर्ट में स्टेज से गिरीं...

लॉस एंजिल्स। अमेरिकन सिंगर और सॉन्ग राइटर बिली एलिश से जुड़ी खबर सामने आ रही है। लाइव कॉन्सर्ट में परफॉर्म करते वक्त उनके साथ हादसा हो गया। वो स्टेज से नीचे उतरते समय सीढ़ियों से गिर गईं। गनीमत रही कि उन्हें ज्यादा चोट नहीं लगी है, लेकिन फिर भी जांघों पर काला निशान पड़ गया है। एक रिपोर्ट के अनुसार, 22 साल की सिंगर बिली एलिश हाल ही में मैडिसन स्क्वायर गार्डन में परफॉर्म कर रही थी। बिली ने एक बार खुलासा किया था कि जब वो 11 साल की थीं, तब उन्हें टॉरेट सिंड्रोम का पता चला था।

रॉन एली को 'टार्जन' से मिली पहचान...

लॉस एंजिल्स। 1960 के दशक में टीवी सीरीज 'टार्जन' में मुख्य भूमिका निभाने वाले दिग्गज अमेरिकी अभिनेता रॉन एली का निधन हो गया है। उन्होंने 86 वर्ष की आयु में अंतिम सांस ली। अभिनेता की बेटी कर्स्टन कैसले एली ने बीते दिन, बुधवार, 23 अक्तूबर, 2024 को इंस्टाग्राम पर लंबा भावुक नोट साझा किया और पिता के निधन की जानकारी दी। दिवंगत अभिनेता पहली बार 1960 के दशक में एनबीसी के 'टार्जन' में अपनी मुख्य भूमिका के लिए मशहूर हुए। यह टीवी सीरीज 1966 से 1968 तक प्रसारित हुई। दिलचस्प बात यह है कि उन्होंने शो में अधिकांश स्टंट खुद ही किए और इस दौरान दो बार उनके कंधे टूटे और कई बार शेरों के काटने जैसी चोटें भी आईं। बाद में उन्होंने 1975 में यूनिवर्सल के डॉक सैवेज: द मैन ऑफ बॉन्जे में अभिनय किया और लोकप्रिय टीवी शो वंडर वुमेन, द लव बोट, फैंटेसी आइलैंड और सुपरबॉय में कैमियो रोल निभाए।

बॉलीवुड में आने के बाद बदला था नाम...

मुंबई। अभिनेत्री मल्लिका शेरावत ने फिल्म इंडस्ट्री में कई सारे आइटम नंबर भी दिए हैं। मल्लिका को उनके बोल्ड अंदाज के लिए जाना जाता है। मल्लिका शेरावत का जन्म हरियाणा के एक जाट परिवार में हुआ। उनके पिता का नाम मुकेश कुमार लांबा है। मल्लिका ने एक इंटरव्यू में बताया कि उनके पापा का मानना था कि वह इंडस्ट्री में जाकर परिवार का नाम खराब कर देंगी। मल्लिका का असली नाम रीमा लांबा है। मल्लिका ने अपना नाम फिल्म इंडस्ट्री में काम करने के लिए बदल दिया था। मल्लिका शेरावत ने दिल्ली यूनिवर्सिटी से फिलोसोफी में डिग्री हासिल की। मल्लिका शेरावत की फिल्मों को लोग काफी पसंद करते हैं। उनकी खास फिल्मों के नाम हैं- 'ख्वाहिशें', 'बचके रहना रे बाबा', 'गुरु', 'आप का सुरूर', 'वेलकम', 'डर्टी पॉलिटिक्स', 'जीनत' जैसी फिल्मों में काम किया है।

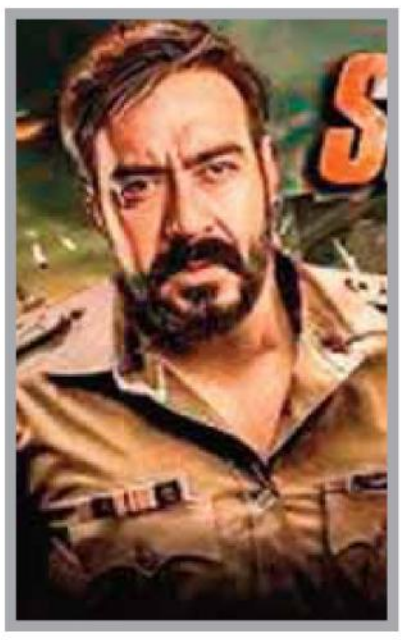

जोर-शोर से 'सिंघम अगेन' के प्रचार में जुटे

नई दिल्ली। 'सिंघम अगेन' इस साल की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। दर्शकों को फिल्म का बेसब्री से इंतजार है। रोहित शेट्टी की कॉप-यूनिवर्स फिल्म का तीसरा भाग 1 नवंबर को दिवाली की छुट्टियों के साथ बड़े पर्दे पर आने के लिए तैयार है। यह फिल्म कार्तिक आर्यन-माधुरी दीक्षित की भूल भुलैया 3 के साथ रिलीज होगी। वहीं, फिल्म के सभी कलाकार इसका प्रचार शुरू कर चुके हैं। अजय देवगन, अक्षय कुमार, अर्जुन कपूर और टाइगर श्रॉफ लंच आउटिंग में शामिल हुए। इन अभिनेताओं के साथ फिल्म निर्देशक रोहित शेट्टी भी थे। लंच आउटिंग की तस्वीरें और वीडियो अब वायरल हो रहे हैं। फिल्म में मुख्य भूमिका निभाने वाली करीना कपूर इस आउटिंग से गायब रहीं। रणवीर सिंह भी इस कार्यक्रम में मौजूद नहीं थे।

टीवी मसाला

'इंडियन आइडल-15' की होने वाली है शुरुआत...

नई दिल्ली। 26 अक्टूबर को रात 9 बजे सिंगिंग रियालिटी शो 'इंडियन आइडल-15' का प्रीमियर सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर होने वाला है। अब तक इस शो ने कई अच्छे गायक संगीत जगत को दिए हैं। एक नजर, इंडियन आइडल के अब तक विजेताओं पर। इंडियन आइडल के पहले सीजन के विनर अभिजीत सांवत थे। वह इस शो के विजेता बनकर रातों-रात स्टार बन गए। शो के बाद उनका एक सोलो एलबम भी रिलीज हुआ था, जिसका नाम 'आपका अभिजीत सावंत' था। इंडियन आइडल के दूसरे सीजन के विनर संदीप आचार्य रहे। विनर बनने के बाद उन्होंने कुछ गाने गाए। उनकी आवाज में एक अलग किस्म का जादू था। संदीप, संगीत के अपने करियर में बहुत आगे जा सकते थे, लेकिन साल 2013 में बीमारी के कारण उनका निधन हो गया। प्रशांत तमांग 'इंडियन आइडल-3' के विजेता रहे। वह इस रियालिटी शो में आने से पहले कोलकाता पुलिस में थे। वह पुलिस ऑर्केस्ट्रा में शामिल रहे और समय-समय पर पुलिस कार्यक्रमों में गाते रहे। सौरभी देबबर्मा सिंगिंग रियालिटी शो 'इंडियन आइडल' के चौथे सीजन का हिस्सा रहीं, वह इस शो को जीतने वाली महिला विजेता हैं। श्रीराम चंद्र म्यनामपति 'इंडियन आइडल-5' को जीतने से पहले तेलुगु संगीत जगत में गायक के तौर काम कर रहे थे। 'इंडियन आइडल सीजन-6' को विपुल मेहता ने जीता। वहीं सीजन-7 (इंडियन आइडल जूनियर-1) को अंजना पद्मनाभन और सीजन-8 (इंडियन आइडल जूनियर-2) को अनन्या नंदा ने जीता। वहीं सीजन- 9 की विजेता एल बी रेवंत रहीं।

6 साल बाद फिर से टीवी पर लौट रहा सीआईडी

नई नई दिल्ली। टीवी के धमाकेदार शो 'सीआईडी' की वापसी हो रही है। इसके प्रोमो की झलक 26 अक्टूबर को देखने को मिलेगी। शो में एसीपी प्रद्युमन और इंस्पेक्टर दया नजर आएंगे। बता दें कि इंस्पेक्टर फ्रेडरिक इस शो में नहीं दिखेंगे। इस शो की झलक देखकर लोगों का उत्साह अगले लेवल पर दिख रहा है। अब शो की पहली झलक जारी की गई है जिसमें एसीपी प्रद्युमन के रोल में शिवाजी साटम अपने पूरे रौब में दिख रहे हैं। वहीं, इंस्पेक्टर दया की भी धांसू झलक दिख रही हैं। अपने फेवरेट शो की वापसी को लेकर अब फैन्स सोशल मीडिया पर झूम उठे हैं। लोगों ने कहा है- मेरे बचपन का ऑलटाइम फेवरेट शो। काफी लोगों ने कहा है- सुपर डुपर एक्साइटेड। एक और ने कहा- ओह वो क्या था, क्या हुआ, कैसे हुआ, क्यों हुआ? कई लोगों ने कहा है- वॉव , हम इस शो का इंतजार कर रहे थे, लेकिन हमें ये उम्मीद नहीं थी कि ये शो आएगा।

पहली पत्नी ऋचा से बहुत प्यार करते थे संजू बाबा...

नई दिल्ली। बॉलीवुड एक्टर संजय दत्त की पहली शादी ऋचा शर्मा से हुई थी जो कि काफी चर्चित रही है। दोनों ने 1987 में शादी की थी। लेकिन, उनकी शादी में परेशानियों की खबरें अक्सर सुर्खियों में रहीं। सन 1980 के दशक की मशहूर एक्ट्रेस ऋचा ने एक पुराने इंटरव्यू में प्यार और करियर के बीच बैलेंस बनाने के बारे में अपना नजरिया शेयर किया। उन्होंने अपने मजबूत और आजाद स्वभाव का खुलासा करते हुए कहा कि चाहे वह किसी आदमी से कितना भी प्यार क्यों न करती हों वह उसके लिए अपने करियर को कभी नहीं छोड़ेंगी। ऋचा ने कहा, 'बिल्कुल नहीं। मैं किसी आदमी के लिए अपना करियर कभी नहीं छोड़ूंगी, चाहे मैं उससे कितना भी प्यार क्यों न करूं। क्योंकि, अंदर से डर यह है कि वह हमेशा आपको छोड़ सकता है। इसलिए एक महिला के लिए करियर बहुत अहम है, लेकिन कोई भी करियर नहीं।' एक पुराने इंटरव्यू में संजय ने ऋचा के लिए अपने दिल में खास जगह बताते हुए कहा था, 'ऋचा ही इकलौती ऐसी हैं जिनकी मैं परवाह करता हूं।'

1980 के दशक में शुरू हुई थी लव स्टोरी : रिपोर्ट्स बताती हैं कि संजय और ऋचा की लव स्टोरी 1980 के दशक में शुरू हुई थी जब संजू बाबा के करियर की ऊंचाई पर उनकी राहें एक-दूसरे से टकराई थीं। उनका रिश्ता जल्दी ही परवान चढ़ा और एक ऐसी शादी में तब्दील हो गया जिसमें प्यार और चैलेंजेस दोनों ही थे। इस कपल के घर 1988 में बेटी त्रिशाला दत्त का जन्म हुआ, लेकिन उनकी खुशियां तब फीकी पड़ गईं जब 1997 में ऋचा को ब्रेन कैंसर का पता चला। ऋचा शर्मा का निधन 10 दिसंबर 1996 को न्यूयॉर्क में अपने माता-पिता के घर पर हुआ।

रिया पिल्लई से की दूसरी शादी : ऋचा से अलग होने के बाद संजय दत्त ने 1998 में रिया पिल्लई से शादी कर ली। हालांकि 2005 में दोनों अलग हो गए। बाद में दत्त से 19 साल छोटी मान्यता ने उनकी जिंदगी में एंट्री ली और उन्होंने 2008 में गोवा में शादी कर ली।

बॉलीवुड की सबसे बड़ी फ्लॉप हीरोइन, अब तक नहीं दी एक भी हिट...

28 की उम्र में बनीं 53 हजार करोड़ के मालिक की घरवाली

मुंबई। बॉलीवुड एक्ट्रेस शर्मिन ने संजय लीला भंसाली के साथ 'बाजीराव मस्तानी' और 'मैरी कॉम' जैसी हिट फिल्मों में असिस्टेंट डायरेक्टर के तौर पर काम कर चुके हैं। इसके बाद, शर्मिन ने खुद भी एक्टिंग की दुनिया में कदम रखने का फैसला किया। हालांकि, उनको कहां पता था कि एक अच्छे खासे फिल्मी बैकग्राउंड से आने के बाद भी उनको बड़े पर्दे पर खुद को साबित करने के लिए संघर्ष करना पड़ेगा। शर्मिन ने 2019 में 'मलाल' फिल्म से बतौर एक्ट्रेस डेब्यू किया था।

डेब्यू फिल्म रही थी बड़ी फ्लॉप : हालांकि, उनकी पहली ही फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बड़ी फ्लॉप साबित हुई. लेकिन इस फिल्म के लिए शर्मिन ने बेस्ट डेब्यू एक्ट्रेस का फिल्मफेयर अवॉर्ड जीता था। इसके बाद, 2022 में उन्होंने प्रतीक गांधी के साथ 'अतिथि भूतो भवः' में मुख्य भूमिका निभाई। इस फिल्म को ओटीटी पर रिलीज किया गया था, लेकिन उनकी ये फिल्म भी दर्शकों के बीच अपना कोई कमाल नहीं दिखा पाई। इसके बाद शर्मिन काफी समय तक बड़े पर्दे से दूर रहीं और इस साल ओटीटी पर रिलीज हुई। संजय लीला भंसाली की पहली वेब सीरीज 'हीरामंडी: द डायमंड बाजार' में नजर आईं।

'हीरामंडी' के लिए किया गया खूब ट्रोल : इस सीरीज में उन्होंने मनीषा कोइराला के किरदार मल्लिका जान की बेटी आलमजेब का किरदार निभाया था, जिसके लिए उनको खूब ट्रोल भी किया गया था और सीरीज में उनकी एक्टिंग के साथ-साथ उनके एक्सप्रेशन्स को लेकर कई सवाल उठाए गए थे। इतना ही नहीं, संजय लीला भंसाली पर भी उन्हें सीरीज में कास्ट करने के लिए नेपोटिज्म के आरोप लगे थे। शर्मिन सहगल एक ऐसे परिवार से हैं, जिसमें कई टैलेंटेड लोग हैं। उनकी मां बेला सहगल एक फिल्म एडिटर हैं और उनके पिता दीपक सहगल एक फिल्म एग्जीक्यूटिव हैं।

जाने-माने फिल्म बैकग्राउंड से आती हैं शर्मिन...

शर्मिन की मां बेला सहगल फिल्म निर्माता-निर्देशक संजय लीला भंसाली की छोटी बहन हैं। शर्मिन के दादा का बॉलीवुड से पुराना रिश्ता रहा है और उन्होंने 40 साल तक एक सफल निर्देशक के रूप में काम किया। शर्मिन सहगल के दादा ने कई बड़े सितारों की फिल्मों को डायरेक्ट किया-जैसे अमिताभ बच्चन, हेमा मालिनी, धर्मेंद्र, रेखा, अशोक कुमार, वैजयंती माला, शशि कपूर और मनोज कुमार। हालांकि, शर्मिन सहगल बॉलीवुड में अपना कुछ खास करियर नहीं बना पाईं। लेकिन उनकी फैन फॉलोइंग काफी बड़ी संख्या में है।

शाहरुख-आमिर-अक्षय सहित 13 एक्टर ने ठुकराया था ऑफर

25 साल पुरानी वो फ्लॉप फिल्म, आज भी बार-बार देखते हैं लोग

मुंबई। आज हम एक ऐसी फिल्म की बात करने जा रहे हैं, जो भले ही सिनेमाघरों में फ्लॉप साबित हुई थी, लेकिन आज भी यह लोगों के दिलों में बसी हुई है। इस फिल्म का नाम है 'सूर्यवंशम'. 21 मई 1999 में सिनेमाघरों में रिलीज हुई सदी के महानायक अमिताभ बच्चन की फिल्म 'सूर्यवंशम ' को भले ही बॉक्स ऑफिस पर सफलता नहीं मिली थी, लेकिन टीवी पर आते ही यह फिल्म देशभर में छा गई थी। इस फिल्म को इतना पसंद किया गया कि पिछले 25 सालों से न जाने कितनी बार इसे टीवी पर दिखाया गया।

टीवी पर मिली जबरदस्त सफलता

आज हम आपको इस फिल्म से जुड़ी कुछ ऐसी बातें बताने जा रहे हैं, जिससे शायद आप भी अनजान होंगे। इंदीवी सत्यनारायण द्वारा निर्देशित यह फिल्म एक पारिवारिक ड्रामा थी, लेकिन इसे बॉक्स ऑफिस पर अपेक्षित प्रतिक्रिया नहीं मिली। हालांकि, जब फिल्म टेलीविजन पर रिलीज हुई, तो इसे जबरदस्त सफलता मिली। आज भी हर उम्र के लोग अमिताभ बच्चन की सूर्यवंशम देखना पसंद करते हैं। इस फिल्म में अमिताभ बच्चन के अलावा अनुपम खेर, कादर खान, सौंदर्या और रचना बनर्जी भी अहम भूमिका में नजर आए थे।

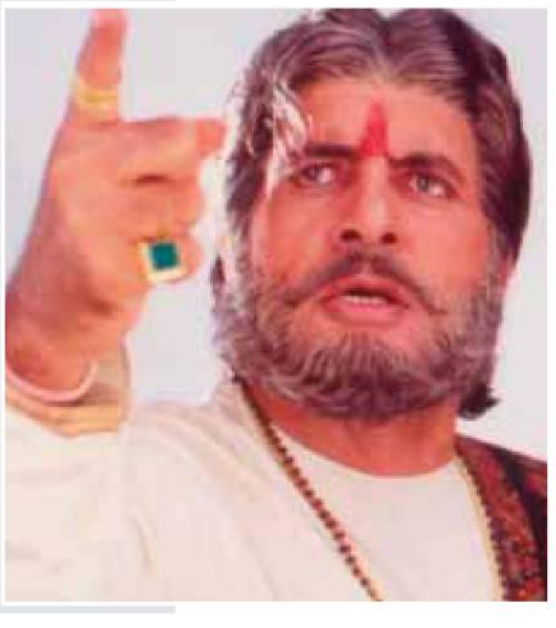

डबल रोल में थे बिग बी

इस फिल्म में अमिताभ बच्चन डबल रोल में नजर आए थे और उन्होंने पिता और पुत्र दोनों का किरदार निभाया था। कहा जाता है कि इस फिल्म के लिए अमिताभ बच्चन पहली पसंद नहीं थे। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो फिल्म में हीरा ठाकुर का यह रोल उनसे पहले 13 एक्टर्स को ऑफर किया गया था। इनमें गोविंदा, मिथुन चक्रवर्ती, जैकी श्रॉफ, अनिल कपूर, सनी देओल, संजय दत्त, सलमान खान, शाहरुख खान, आमिर खान, अक्षय कुमार, अजय देवगन, सुनील शेट्टी, सैफ अली खान जैसे कलाकारों के नाम शामिल थे, लेकिन बाद में ये रोल अमिताभ बच्चन के पास आ गया।

दमदार थी फिल्म की कहानी

जब अमिताभ बच्चन इस फिल्म में काम कर रहे थे तो उनकी उम्र काफी बढ़ चुकी थी। फिल्म की कहानी भी काफी दमदार थी, लेकिन रिलीज के वक्त फिल्म फ्लॉप साबित हुई। उस वक्त अमिताभ बच्चन 57 साल के थे, उन्होंने पिता का किरदार तो बखूबी निभाया था, लेकिन 20 साल के बेटे के किरदार में वह अपना हुनर नहीं दिखा पाए। बेहद खूबसूरत सौंदर्या के साथ उनकी केमिस्ट्री लोगों को पसंद नहीं आई और शायद यही वजह थी कि फिल्म फ्लॉप साबित हुई।

खबर संक्षेप

उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक का मुनाफा 29% घटा

नई दिल्ली। उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक का शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर तिमाही में 29 प्रतिशत घटकर 233 करोड़ रुपये रह गया है। बीते वर्ष की समान तिमाही में बैंक का शुद्ध लाभ 328 करोड़ रुपये रहा था। उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक ने सूचना में कहा कि तिमाही के दौरान उसकी कुल आमदनी बढ़कर 1,820 करोड़ रुपये हो गई है।

गोदरेज कंज्यूमर का लाभ 13.5% बढ़कर 491 करोड़

नई दिल्ली। रोजमर्रा के घरेलू उत्पाद बनाने वाली (एफएमसीजी) कंपनी गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड (जीसीपीएल) का एकीकृत शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर तिमाही में 13.52 प्रतिशत बढ़कर 491.31 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। घरेलू बाजार और इंडोनेशिया से कारोबार बढ़ने से कंपनी का मुनाफा बढ़ा है।

अदाणी टोटल गैस के लाभ में छह फीसदी का इजाफा

नई दिल्ली। अदाणी समूह और फ्रांस की ऊर्जा क्षेत्र की दिग्गज कंपनी टोटलएनर्जीज के संयुक्त उद्यम (जेवी) अदाणी टोटल गैस लिमिटेड का शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर तिमाही में छह प्रतिशत बढ़कर 178 करोड़ रुपये हो गया है। पिछले वित्त वर्ष (2023-24) की समान तिमाही में उसका शुद्ध लाभ 168 करोड़ रुपये रहा था।

कोलगेट-पामोलिव का मुनाफा बढ़कर 395 करोड़ रुपए

नई दिल्ली। दैनिक उपयोग की घरेलू वस्तुएं बनाने वाली कंपनी कोलगेट-पामोलिव इंडिया लिमिटेड का चालू वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही में शुद्ध लाभ 16.17 प्रतिशत बढ़कर 395.05 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी का गत वित्त वर्ष 2024-23 की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) में शुद्ध लाभ 340.05 करोड़ रुपये रहा था।

इंडसइंड बैंक का मुनाफा 40% घटकर 1,331 करोड़ रुपए

नई दिल्ली। इंडसइंड बैंक का शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर तिमाही में 40 प्रतिशत घटकर 1,331 करोड़ रुपये रहा है। बीते वित्त वर्ष की समान तिमाही में बैंक का शुद्ध लाभ 2,202 करोड़ रुपये रहा था। इंडसइंड बैंक ने बृहस्पतिवार को शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि तिमाही के दौरान उसकी कुल आमदनी बढ़कर 14,871 करोड़ रुपये हो गई है।

ओयो ने सितंबर तिमाही में कमाया 158 करोड़ का लाभ

नई दिल्ली। यात्रा प्रौद्योगिकी मंच ओयो ने चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में 158 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ अर्जित किया है। ओयो के संस्थापक रितेश अग्रवाल ने बृहस्पतिवार को आयोजित एक टाउनहॉल बैठक में कर्मचारियों को जुलाई-सितंबर, 2024 तिमाही के प्रदर्शन की जानकारी दी। बताया कि पिछली तिमाही में ओयो की मूल कंपनी ओरावेल स्टेज लिमिटेड ने 158 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया जबकि एक साल पहले की समान तिमाही में उसे 50 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था।

नई मर्सिडीज 'एएमजी जी63' लांच, गहरे पानी में भी दौड़ेगी, कीमत 3.60 करोड़ रुपए

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

मर्सिडीज-बेंज ने भारत में नई एएमजी जी63 फेसलिफ्ट लांच कर दी है, जिसकी कीमतें 3.60 करोड़ रुपए (एक्स-शोरूम, भारत) से शुरू होती हैं। ये नई एएमजी जी63 फेसलिफ्ट माइक्रो कॉस्मेटिक अपडेट के साथ आएगी।

- गाड़ी में पहली बार कीलेस एंट्री और गो फीचर्स देखने को मिलेगा

नई मर्सिडीज-बेंज कुछ नए फीचर्स से लैस है। ये एसयूवी 700एमएम गहरे पानी में भी दौड़ सकती है। इसके बदलाव की बात करें तो इसकी डिजाइन में हल्का बदलाव देखने को मिलता है। इसके फ्रंट बम्पर को अपडेट किया गया है, जिसमें लंबा स्लैट्स, रेडिएटर ग्रिल पर डार्क क्रोम फिनिश मिलता है। इसके अलावा ए-पिलर्स को थोड़ा सा गोल किया गया है। इसके पीछे एक ऑप्शनल कार्बन फाइबर से बना स्पेयर व्हील कवर मिलता है। जी-क्लास में अब पहली बार कीलेस एंट्री और गो फीचर्स देखने को मिलेगा।

नई एएमजी जी63 फेसलिफ्ट माइक्रो कॉस्मेटिक अपडेट के साथ आएगी

मॉडल की ऑफ-रोडिंग क्षमता में होगा बदलाव

इसमें 229एमएम का ग्राउंड क्लीयरेंस मिलता है। इसके अलावा ये एसयूवी 700एमएम की पानी की गहराई में दौड़ सकती है। एएमजी जी63 में अब सेंट्रल-लॉकिंग सिस्टम के साथ ऑप्शनल 22-इंच के अलॉय व्हील्स मिलते हैं।

भारत में 2025 में होगी डिलीवरी

मर्सिडीज-बेंज इंडिया ने कहा है कि 120 यूनिट्स का पहला बैच पहले ही बुलाया जा चुका है। जो ग्राहक अब अपनी एएमजी जी3 को बुक कर रहे हैं, उन्हें क्यू3 2025 तक इसकी डिलीवरी मिल जाएगी।

4.3 सेकेंड में 0-100 केपीएच की रफ्तार

एएमजी जी63 में अब एक ऑप्शनल एएमजी एक्टिव राइड कंट्रोल भी मिलता है, जो मर्सिडीज का हाइड्रोलिक, एंटी-रोलबार-फ्री सस्पेंशन टेक है, जिसने एएमजी एसएल 63 पर अपनी शुरुआत की। यह एएमजी परफॉर्मेंस पैकेज पर मानक के रूप में आती है। इसकी टॉप स्पीड 240केपीएच तक बढ़ सकती है। मर्सिडीज-बेंज इंडिया के अनुसार अपडेटेड एएमजी जी63 4.3 सेकेंड में 0-100केपीएच की रफ्तार पकड़ सकती है। ये एसयूवी पहली बार लांच कंट्रोल फंक्शन भी प्राप्त करती है।

डुअल 12.3-इंच की स्क्रीन

नई जी-क्लास को अंदर की तरफ भी एक बड़ा अपग्रेड मिलता है। सभी मॉडलों में एएमजी जी63 भी शामिल है, जिसमें एमबीयूएक्स इंफोटेनमेंट सिस्टम मिलता है, जो जीएलएस फेसलिफ्ट पर देखा जाता है। इसका मतलब है कि इसमें ड्राइवर के डिस्प्ले और इंस्ट्रूमेंटेशन के लिए डुअल 12.3-इंच की स्क्रीन मिलती हैं, जिसका अर्थ है कि इंफोटेनमेंट सिस्टम अब पहली बार टचस्क्रीन है और वायरलेस एप्पल कारप्ले और एंड्रॉइड ऑटो को सपोर्ट करता है।

- भारत में चिप बनाने रिलायंस के साथ किया समझौता
- समझौते के समय एनवीडिया के सीईओ जेन्सेन हुआंग रहे मौजूद
- रिलायंस का नया प्रमुख डेटा सेंटर एनवीडिया ब्लैकवेल की चिप उपयोग करेगा

एनवीडिया एआई चिप की प्रमुख वैश्विक कंपनी है

भारत में एआई कम्प्यूटिंग अवसंरचना बनाएंगी एनवीडिया और रिलायंस

एजेंसी ▶▶| मुंबई

कृत्रिम मेधा (एआई) चिप की प्रमुख वैश्विक कंपनी एनवीडिया कॉर्प के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) जेन्सेन हुआंग ने बृहस्पतिवार को कहा कि उनकी कंपनी ने भारत में एआई कम्प्यूटिंग अवसंरचना और एक नवाचार केंद्र बनाने के लिए मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज के साथ एक समझौता किया है।

रिलायंस इंडस्ट्रीज का नया प्रमुख डेटा सेंटर नवीनतम एनवीडिया ब्लैकवेल एआई चिप का उपयोग करेगा। एनवीडिया की भारत में छह स्थानों पर पहले से ही मौजूदगी है। अमेरिकी कंपनी अपने त्वरित कम्प्यूटिंग स्टैक द्वारा संचालित एआई अवसंरचना बनाने के लिए उद्यमों, क्लाउड प्रदाताओं और स्टार्टअप इकाइयों के साथ काम करती है, जिसमें इसके हजारों उन्नत जीपीयू (ग्राफिक्स प्रोसेसिंग यूनिट), उच्च प्रदर्शन नेटवर्किंग और एआई सॉफ्टवेयर मंच और उपकरण शामिल हैं।

देश में होगा मजबूत एआई बुनियादी ढांचा

यहां एनवीडिया एआई शिखर सम्मेलन-2024 में अंबानी और हुआंग ने एआई में भारत की बदलावकारी क्षमता और इस क्षेत्र में वैश्विक अगुवा के रूप में इसकी उभरती भूमिका पर चर्चा की। रिलायंस और एनवीडिया के बीच साझेदारी का उद्देश्य देश में एक मजबूत एआई बुनियादी ढांचे का निर्माण करना है।

चिप डिजायन में भारत पहले से विश्वस्तरीय

हुआंग ने कहा, "चिप डिजायन करने में भारत पहले से ही विश्वस्तरीय है। एनवीडिया की डिजायनिंग यहां बेंगलुरु, हैदराबाद, पुणे में की जाती है। एनवीडिया का एक-तिहाई हिस्सा भारतीय है, हो सकता है कि इससे भी ज्यादा हो।" अंबानी ने अनौपचारिक बातचीत के दौरान कहा कि भारत एक नए आसूचना युग की दहलीज पर है और आने वाले वर्षों में इस प्रौद्योगिकी में अपनी उपलब्धियों से दुनिया को आश्चर्यचकित करेगा।

भारत दुनिया को एआई सेवाएं भी देगा

सीईओ ने कहा कि एआई जैसी नई प्रौद्योगिकियां और लोगों की आकांक्षाएं भारतीय अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ा रही हैं। अंबानी ने कहा, "भारत दुनिया को न केवल सीईओ देगा, बल्कि एआई सेवाएं भी देगा।"

सर्वश्रेष्ठ उत्पाद के साथ शुरूआत : अंबानी का मानना है कि इससे न केवल स्थानीय क्षमता में वृद्धि होगी, बल्कि भारत वैश्विक आसूचना बाजार में एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी के रूप में स्थापित होगा। "भारत एनवीडिया के सर्वश्रेष्ठ उत्पाद के साथ शुरूआत करेगा।"

गठजोड़ से एक नवाचार केंद्र भी खुलेगा : हुआंग ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि इस साझेदारी में ऐसे एप्लिकेशन भी बनाए जाएंगे जिन्हें रिलायंस भारत में अपने उपभोक्ताओं को प्रदान कर सकती है।'

आरआईएल जामनगर की स्थापित क्षमता बढ़ाएगा

अंबानी ने भारत में अपना खुद का मॉडल विकसित करने से पहले प्रौद्योगिकी कंपनी मेटा के ओपन सोर्स 'लामा' को आधार मॉडल के रूप में इस्तेमाल करने की वकालत की। अंबानी ने कहा कि भारत एनवीडिया के पास मौजूद 'सर्वोत्तम' प्रौद्योगिकी से शुरुआत करेगा। उन्होंने कहा कि आरआईएल जामनगर में एक गीगावाट क्षमता स्थापित कर रही है जिसे बढ़ाया भी जा सकता है।

जियो विश्वस्तर पर सबसे बड़ी डेटा कंपनी

अंबानी ने कहा कि अमेरिका और चीन के अलावा, भारत में 4जी, 5जी और ब्रॉडबैंड सेवाओं के व्यापक नेटवर्क के साथ सबसे अच्छी डिजिटल संपर्क अवसंरचना है। उन्होंने कहा कि रिलायंस जियो विश्वस्तर पर सबसे बड़ी डेटा कंपनी है। उन्होंने बताया कि यह 15 सेंट प्रति जीबी की कम लागत पर डेटा प्रदान करती है, जबकि अमेरिका में यह पांच डॉलर प्रति जीबी है।

अगले पांच साल में 50 और हवाई अड्डे होंगे विकसित

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

- नागर विमानन मंत्री नायडू ने दी जानकारी
- इससे रोजगार सृजन को भी बढ़ावा मिलेगा

नागर विमानन मंत्री के राममोहन नायडू ने बृहस्पतिवार को कहा कि सरकार का इरादा अगले पांच साल में 50 अतिरिक्त हवाई अड्डे विकसित करने का है। नायडू ने देश की हवाई अड्डा पारिस्थितिकी को और विकसित करने की वकालत करते हुए कहा कि इससे रोजगार सृजन को भी बढ़ावा मिलेगा।

नागर विमानन मंत्री ने राष्ट्रीय राजधानी में एयरबस इंडिया और दक्षिण एशिया मुख्यालय पर प्रशिक्षण केंद्र के उद्घाटन कार्यक्रम में यह बात कही। उन्होंने कहा कि सरकार का इरादा अगले पांच वर्षों में 50 नए हवाई अड्डों को विकसित करने का है। यह संख्या अगले 20 वर्षों में 200 अतिरिक्त हवाई अडडों तक हो जाने की उम्मीद है। नरेन्द्र मोदी सरकार के पिछले 10 साल के कार्यकाल में देश के भीतर हवाई अड्डों की संख्या दोगुनी होकर 157 हो गई है। नायडू ने हवाई अड्डा पारिस्थितिकी तंत्र को विकसित करने की जरूरत पर भी बल दिया जो रोजगार सृजन और वाणिज्यिक गतिविधियों को बढ़ावा देने में मदद करेगा।

यात्रियों की संख्या पांच साल में होगी दोगुनी

इस अवसर पर नागर विमानन सचिव वुमलुनमंग वुअल्नम ने कहा कि देश में हवाई यात्रियों की संख्या अगले पांच साल में दोगुनी होने की उम्मीद है। पिछले साल यह संख्या 22 करोड़ रही थी।

एफआईआई की बिकवाली से शेयर बाजार में चौथे दिन भी गिरावट

एजेंसी ▶▶| मुंबई

स्थानीय शेयर बाजार में गिरावट का सिलसिला बृहस्पतिवार को लगातार चौथे दिन जारी रहा और बीएसई सेंसेक्स 17 अंक गिर गया। विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की पूंजी निकासी जारी रहने और वित्तीय परिणाम अपेक्षा के अनुरूप नहीं होने से दैनिक उपयोग का सामान बनाने वाली और वाहन कंपनियों के शेयरों में बिकवाली देखने को मिली। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स में कारोबार हल्का रहा और यह 16.82 अंक यानी 0.02 प्रतिशत की गिरावट के साथ 80,065.16 अंक पर बंद हुआ। उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में निफ्टी भी 36.10 अंक यानी 0.15 प्रतिशत की गिरावट के साथ 24,399.40 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स में शामिल शेयरों में हिंदुस्तान यूनिलीवर में करीब छह प्रतिशत की गिरावट आई। दैनिक उपयोग का सामान (एफएमसीजी) बनाने वाली इस कंपनी का एकीकृत शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में 2.33 प्रतिशत घटकर 2,595 करोड़ रुपये रहने से इसका शेयर गिर गया। मुख्य रूप से शहरी बाजार में मांग नरम होने से कंपनी का लाभ प्रभावित हुआ है।

- सेंसेक्स, निफ्टी में हल्की गिरावट
- विदेशी निवेशकों की पूंजी निकासी जारी रही

इन शेयरों में रही घट-बढ़

इसके अलावा नेस्ले, आईटीसी, मारुति, एशियन पेंट्स, इन्फोसिस, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, लार्सन एंड टुब्रो और एचसीएल टेक्नोलॉजीज के शेयर भी नीचे आए। दूसरी तरफ लाभ में रहने वाले शेयरों में अल्ट्राटेक सीमेंट, महिंद्रा एंड महिंद्रा, टाइटन, अदाणी पोर्ट्स, भारतीय स्टेट बैंक और पावर ग्रिड शामिल हैं।

पीएमआई में अच्छी वृद्धि का संकेत

जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, "एफआईआई की लगातार निकासी के बावजूद मानक सूचकांकों में हल्की गिरावट ही रही।

वेतन वृद्धि में बेंगलुरु रहा शीर्ष पर, दिल्ली का तीसरा स्थान

एजेंसी ▶▶| मुंबई

- बीते वित्त वर्ष के लिए टीमलीज सर्विसेज ने जारी की रिपोर्ट
- औसत मासिक एकीकृत वेतन 29,500 रुपए था

नौकरी के अवसरों और वेतन वृद्धि के मामले में बेंगलुरु देश का शीर्ष शहर रहा है। बृहस्पतिवार को जारी एक रिपोर्ट में कहा गया कि यहां सालाना 9.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। बेंगलुरु के बाद चेन्नई और दिल्ली का स्थान है।

पिछले वित्त वर्ष (2023-24) के लिए 'टीमलीज सर्विसेज जॉब्स एंड सैलरीज प्रीमियर' रिपोर्ट के अनुसार, यह वृद्धि प्रौद्योगिकी और व्यापार केंद्र के रूप में बेंगलुरु की प्रतिष्ठा को रेखांकित करती है क्योंकि यहां औसत मासिक एकीकृत वेतन 29,500 रुपये था, जिससे यह देश में सबसे अधिक वेतन देने वाला शहर बन गया। यह रिपोर्ट अस्थायी और स्थायी नियुक्ति बाजारों में एकीकृत वेतन के विश्लेषण पर आधारित है। रिपोर्ट के अनुसार, बेंगलुरु के बाद चेन्नई और दिल्ली का स्थान है, जहां वेतन में क्रमशः 7.5 प्रतिशत और 7.3 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि दर्ज की गई। यह इन नौकरी बाजारों की प्रतिस्पर्धी प्रकृति को दर्शाता है। चेन्नई में औसत मासिक वेतन 24,500 रुपये रहा, जबकि दिल्ली में यह 27,800 रुपये तक पहुंच गया।

दूरसंचार सर्वाधिक वेतन देने वाला उद्योग रहा : दूसरी ओर, लॉजिस्टिक्स, रोजमर्रा के उपभोग का सामान (एफएमसीजी), स्वास्थ्य और फार्मा तथा निर्माण और रियल एस्टेट जैसे क्षेत्रों में मध्यम वृद्धि देखी गई, जो कुशल पेशेवरों की उनकी स्थिर मांग को दर्शाता है। सर्वाधिक वेतन देने वाले उद्योगों में दूरसंचार (29,200 रुपये), विनिर्माण, इंजीनियरिंग और बुनियादी ढांचा (28,200 रुपये), स्वास्थ्य सेवा और फार्मा (27,600 रुपये) तथा निर्माण और रियल एस्टेट (27,000 रुपये) शामिल हैं।

पीरामल फार्मा का मुनाफा चार गुना होकर 23 करोड़

नई दिल्ली। पीरामल फार्मा का चालू वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ चार गुना होकर 23 करोड़ रुपये हो गया। 2023-24 की दूसरी तिमाही (सितंबर) में मुनाफा पांच करोड़ रुपये रहा था। दूसरी तिमाही में परिचालन आय बढ़कर 2,242 करोड़ रुपये हो गई, पिछले साल इसी तिमाही में यह 1,911 करोड़ रुपये थी।इस वृद्धि गति को बनाए रखने और 'स्टेराइल फिल-फिनिश' क्षमताओं की बढ़ती मांग को भुनाने के लिए कंपनी ने 'लेक्सिंगटन' सुविधा में आठ करोड़ डॉलर की विस्तार योजना की घोषणा की है, जिसके वित्त वर्ष 2026-27 के अंत तक पूरा होने की उम्मीद है।

आभूषण विक्रेताओं की मांग घटने से सोना, चांदी की कीमते फिसलीं

- सोना रिकॉर्ड स्तर से 300 रुपए फिसल 81,200 रुपए प्रति दस ग्राम

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

आभूषण विक्रेताओं की कमजोर मांग के कारण बृहस्पतिवार को राष्ट्रीय राजधानी के सराफा बाजार में सोने और चांदी की कीमतें रिकॉर्ड स्तर से नीचे आ गईं। अखिल भारतीय सराफा संघ ने यह जानकारी दी। 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत 81,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के रिकॉर्ड उच्चस्तर से 300 रुपये की गिरावट के साथ 81,200 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गई। सिक्का निर्माताओं के कमजोर उठान के कारण बृहस्पतिवार को चांदी की कीमत भी 1,000 रुपये की गिरावट के साथ 1.01 लाख रुपये प्रति किलोग्राम रह गई, जिससे छह दिन से चली आ रही तेजी का सिलसिला टूट गया।

99.5 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत बुधवार को 81,100 रुपये प्रति 10 ग्राम के पिछले बंद भाव के मुकाबले 300 रुपये की गिरावट के साथ 80,800 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गई। कमजोर मांग के कारण कीमती धातुओं की कीमतों में गिरावट आई, जबकि मजबूत वैश्विक रुझानों ने नुकसान को कुछ सीमित कर दिया।

एसीसी को दूसरी तिमाही में 200 करोड़ का शुद्ध लाभ

नई दिल्ली। सीमेंट उत्पादक कंपनी एसीसी लिमिटेड ने चालू वित्त वर्ष की सितंबर में समाप्त दूसरी तिमाही में 199.7 करोड़ रुपये का एकीकृत शुद्ध लाभ कमाया है। एसीसी लिमिटेड ने बृहस्पतिवार को शेयर बाजार को जुलाई-सितंबर तिमाही के वित्तीय नतीजे की सूचना दी। कंपनी ने पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में 387.88 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था। आलोच्य तिमाही में एसीसी का परिचालन राजस्व 4,613.52 करोड़ रुपये रहा जबकि एक साल पहले की समान अवधि में यह 4,434.73 करोड़ रुपये था। यह उसका पिछले पांच वर्षों में सबसे अधिक राजस्व है। पिछली तिमाही में कंपनी का कुल व्यय 4,452.73 करोड़ रुपये रहा जबकि एक साल पहले की समान अवधि में यह 4,127.11 करोड़ रुपये था। हालांकि, कंपनी ने कहा कि सितंबर तिमाही और पहली छमाही के परिणामों की पिछले वर्ष की समान अवधि के साथ तुलना नहीं की जा सकती है।

नवीन प्रौद्योगिकी के उपयोग का प्रस्ताव : गडकरी

यातायात उल्लंघन की जांच के लिए होगा एआई का उपयोग

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

सरकार यातायात उल्लंघन की जांच करने और सही जुर्माना सुनिश्चित करने के लिए कृत्रिम मेधा (एआई) और अन्य नवीन तरीकों का उपयोग करने का प्रस्ताव कर रही है। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बृहस्पतिवार को यह बात कही।

- टोल संग्रह की दक्षता में सुधार होगा और पारदर्शिता बढ़ेगी

'ट्रैफिक इन्फ्राटेक एक्सपो' के 12वें संस्करण को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री ने टोल संग्रह विधियों को उन्नत करने की योजनाओं की रूपरेखा प्रस्तुत की। इसमें सैटेलाइट टोल प्रणाली भी शामिल है, जिससे टोल संग्रह की दक्षता में सुधार होगा और पारदर्शिता सुनिश्चित होगी।

निजी क्षेत्र से विशेषज्ञ नियुक्त करने पर विचार: गडकरी ने कहा कि उन्नत इंजीनियरिंग समाधान को एकीकृत किए बिना, कानूनों को लागू किए बिना और एआई जैसी अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों को अपनाए बिना सड़क सुरक्षा हासिल नहीं की जा सकती। सड़क सुरक्षा बढ़ाने के लिए मंत्रालय के दृष्टिकोण पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि सरकार ने प्रौद्योगिकी समाधान विकसित करने में सहयोग करने के लिए निजी क्षेत्र से विशेषज्ञों को नियुक्त करने का निर्णय लिया है।

समिति प्रस्तावों का मूल्यांकन करेगी

गडकरी ने कहा, "एक समर्पित विशेषज्ञ समिति स्टार्टअप और उद्योग जगत के अगुवाओं के प्रस्तावों का मूल्यांकन करेगी और यह सुनिश्चित करेगी कि सर्वोत्तम विचारों को क्रियान्वित किया जाए।"केंद्रीय मंत्री के अनुसार, समिति को तीन महीने के भीतर अपने मूल्यांकन को अंतिम रूप देने का निर्देश दिया गया है, जिसका उद्देश्य इस क्षेत्र में तेजी से सुधार लाना है।

कैमरों की निगरानी बढ़ाई जाएगी

गडकरी ने उच्च गुणवत्ता मानकों, खासकर कैमरों जैसी निगरानी तकनीक के इस्तेमाल को बनाए रखने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता पर भी जोर दिया। उन्होंने आश्वासन दिया कि गुणवत्ता और मानकों से समझौता नहीं किया जाएगा, चाहे समाधान बड़ी या छोटी कंपनियों से आए।

छोटी कंपनियों को किया जाएगा प्रोत्साहित

इसके अलावा, मंत्री ने नवीन प्रौद्योगिकियों वाली छोटी कंपनियों को सरकारी निविदाओं में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि सर्वोत्तम प्रौद्योगिकियों के साथ भारत पारदर्शिता प्राप्त कर सकता है, लागत कम कर सकता है और सड़क सुरक्षा को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ा सकता है।

हर साल पांच लाख से अधिक दुर्घटनाएं

गडकरी ने सभी हितधारकों- सरकार, निजी क्षेत्र और स्टार्टअप से भारत में तत्काल सड़क सुरक्षा मुद्दों को हल करने के लिए एक साथ आने का आह्वान किया।

अदाणी विल्मर को 311 करोड़ रुपए का मुनाफा

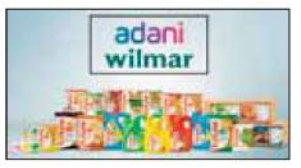

नई दिल्ली। अदाणी विल्मर लि. का एकीकृत शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की सितंबर में समाप्त दूसरी तिमाही में 311.02 करोड़ रुपये रहा है। आमदनी बढ़ने से कंपनी का लाभ बढ़ा है। 2023-24 की जुलाई-सितंबर तिमाही में कंपनी को 130.73 करोड़ रुपये का शुद्ध घाटा हुआ था। अडाणी समूह और सिंगापुर की विल्मर की संयुक्त उद्यम कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि उसकी कुल आय सितंबर, 2024 को समाप्त तिमाही में बढ़कर 14,565.30 करोड़ रुपये रही जो एक साल पहले इसी तिमाही में 12,331.20 करोड़ रुपये थी।

चक्रवात आज पार करेगा ओडिशा और बंगाल का तट

और करीब पहुंच गया तूफान दाना, भारी बारिश शुरू, पेड़ उखड़े 120 की गति से चल रहीं हवाओं ने लोगों को परेशानी में डाला

सीएम मोहन चरण माझी ने एक समीक्षा बैठक की और अधिकारियों को प्राकृतिक आपदा के कारण शून्य हताहत सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। शुक्रवार तड़के ओडिशा में भितरकनिका राष्ट्रीय उद्यान और धामरा बंदरगाह के बीच चक्रवात के आने की संभावना है।

एजेंसी ▶▶ बेंगलुरु

चक्रवाती तूफान दाना ओडिशा के और करीब पहुंच गया है। मौसम विभाग ने बताया है कि गुरुवार दोपहर को भीषण चक्रवाती तूफान दाना ओडिशा तट से 200 किलोमीटर के भीतर था। इसकी वजह से राज्य के कई हिस्सों में भारी बारिश और तेज हवाएं चलनी शुरू हो गईं। राज्य सरकार ने तटीय जिलों में निकासी के प्रयासों में भी तेजी लाई है। मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने एक समीक्षा बैठक की और अधिकारियों को प्राकृतिक आपदा के कारण शून्य हताहत सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

मौसम विभाग ने कहा कि शुक्रवार तड़के ओडिशा में भितरकनिका राष्ट्रीय उद्यान और धामरा बंदरगाह के बीच चक्रवात के आने की संभावना है, जिसमें हवा की गति 120 किलोमीटर प्रति घंटे (किमी प्रति घंटा) तक हो सकती है। आईएमडी ने अपने लेटेस्ट बुलेटिन में बताया कि बंगाल की खाड़ी के ऊपर मौसम प्रणाली पिछले छह घंटों के दौरान 12 किमी प्रति घंटे की गति से उत्तर-उत्तरपश्चिम की ओर बढ़ी और ओडिशा से लगभग 210 किमी दक्षिणपूर्व, धामरा से 240 किमी दक्षिण-दक्षिणपूर्व और सागर द्वीप (पश्चिम बंगाल) से 310 किमी दक्षिण में केंद्रित रही।

बालासोर भद्रक, भितरकानिया पुरी में पेड़ उखड़े

इसके 24 अक्टूबर की मध्यरात्रि से 25 अक्टूबर की सुबह तक उत्तर-उत्तरपश्चिम की ओर बढ़ने और पुरी तथा सागर द्वीप के बीच उत्तरी ओडिशा तथा पश्चिम बंगाल के तटों को पार करने की बहुत संभावना है। यह 100-110 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा की गति से 120 किमी प्रति घंटे की रफ्तार पकड़ सकता है। अधिकारियों ने बताया कि बालासोर, भद्रक, भितरकानिया तथा पुरी के कुछ इलाकों से पेड़ उखड़ने से सड़कें अवरुद्ध हो गई हैं। माझी ने बताया कि करीब तीन लाख लोगों को विभिन्न चक्रवात आश्रय स्थलों में पहुंचाया गया है तथा अभियान जारी है। 7,285 चक्रवात केंद्र स्थापित किए गए हैं तथा 91 चिकित्सा दल तैनात किए गए हैं।

रात सचिवालय में ही रहेंगी सीएम ममता, हालात पर रखेंगी नजर

चक्रवाती तूफान 'दाना' गुरुवार रात और शुक्रवार सुबह पश्चिम बंगाल और ओड़िशा में टकराने की संभावना है। इसके मद्देनजर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बेनर्जी लगातार इस पर नजर रख रही हैं। अधिकारियों के साथ बैठकें कर रही हैं। इस बीच, जानकारी मिल रही है मुख्यमंत्री ममता बेनर्जी आज रात नवान्न (सचिवालय) में अपने दफ्तर में ही रहेंगी और स्थिति पर नजर रखेंगी।

ओडिशा में भारी बारिश की चेतावनी

आईएमडी ने गुरुवार को ओडिशा के सात जिलों - मयूरभंज, कटक, जाजपुर, बालासोर, भद्रक, केंद्रपाड़ा और जगतसिंहपुर में भारी से बहुत भारी बारिश के लिए 'रेड वार्निंग' जारी की है। इस अवधि के लिए पुरी, खुर्दा, नयागढ़ और ढेंकनाल सहित पांच जिलों में भारी बारिश के लिए 'ऑरेंज वार्निंग' जारी की गई है। इसके अलावा, मौसम विभाग ने बताया है कि चक्रवाती तूफान की वजह से पश्चिम बंगाल में भी 24 और 25 अक्टूबर को भारी बारिश होने वाली है।

मौसम विभाग ने दी लोगों को सलाह

मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बताया कि तूफान 'दाना' के शुक्रवार को तड़के तटीय क्षेत्र पर पहुंचने के दौरान पुरी जिले में 100-120 किलोमीटर प्रति घंटे की अधिकतम रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं। जिले में भारी बारिश होने की भी संभावना है। मंदिर को तेज हवाओं और बारिश से बचाने के लिए प्रशासन ने मंदिर के दरवाजों और खिड़कियों की जांच की है। प्रशासन ने यह भी सुनिश्चित किया है कि पुरी के बाहर से आने वाले भक्तों को सुरक्षित स्थान पर रखा जाए। बुजुर्ग महिलाओं और कार्तिक व्रत रखने वालों के लिए भी विशेष उपाय किए गए हैं। प्रशासन ने चक्रवात में सीसीटीवी कैमरों को क्षतिग्रस्त होने से बचाने के लिए कदम उठाए हैं। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया है कि बिजली कटौती की स्थिति में पंप और जेनरेटर सेट अन्य उपकरणों के साथ तैयार रखे गए हैं।

तूफानों का रौद्र रूप

जान-माल की क्षति, इसमें खर्च हो रहे अरबों रुपए

देश में हर साल कोई न कोई चक्रवात आ रहा है। चक्रवाती तूफान के रौद्र रूप से लोगों के जान-माल को भारी नुकसान पहुंचता है। जीवन को फिर से पटरी पर लाने में अरबों रुपए खर्च हो रहे हैं। 'दाना' से पहले रेमल, तितली, गाजा, बुलबुल व बिपरजॉय जैसे चक्रवाती तूफान भारी तबाही मचा चुके हैं।

सेना कर रही बचाव कार्य और सफाई

अधिकारियों ने बताया कि लोगों को स्थानांतरित करने तथा अवरुद्ध सड़कों को साफ करने के लिए अधिकारियों ने एनडीआरएफ की 19 टीमों, ओडीआरएएफ की 51 टीमों तथा अग्निशमन सेवा कर्मियों को भी लगाया है। मौसम विभाग ने बताया कि पिछले चार घंटों में पारादीप में सबसे अधिक 62 मिमी बारिश दर्ज की गई, जबकि केंद्रपाड़ा जिले के राजनगर में 24 मिमी बारिश हुई। मौसम विभाग ने बताया कि दिन में भद्रक, बालासोर, जाजपुर, कटक, खुर्दा, जगतसिंहपुर, केंद्रपाड़ा और पुरी जिलों के कुछ हिस्सों में 30-40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने के साथ मध्यम से तीव्र बारिश और गरज के साथ छींटे पड़ने की संभावना है।

झारखंड में भी तूफान का दिखेगा असर: महापात्रा

आईएमडी डीजी डॉ. मृत्युंजय महापात्रा का कहना है दाना आधी रात को एक गंभीर तूफान में बदल गया और उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ा। यह लगभग 200 किमी दूर दक्षिण-पूर्व में केंद्रित है। ओडिशा और बंगाल के तट पर, हवा की गति 60 से 70 किमी/घंटा है। इसका बड़ा असर दिखेगा।

नौसेना हाई अलर्ट पर, राहत एवं बचाव शुरू

के ओडिशा और पश्चिम बंगाल के तटों से टकराने की आशंकाओं के बीच भारतीय नौसेना की पूर्वी कमान हाई अलर्ट पर है। नौसेना ने किसी भी आपदा से निपटने के लिए राहत एवं बचाव कार्यों की तैयारियां पूरी कर ली है। इसके तहत नौसेना ने मानवीय सहायता और आपदा राहतकार्यों के लिए दो नौसैनिक जहाजों को राहत सामग्री और बचाव दलों के साथ तैयार रखा है, जो आपातकालीन स्थिति में सहायता प्रदान करेंगे।नौसेना के पूर्वी कमान ने एक बयान में बताया कि आंध्र प्रदेश, ओडिशा और पश्चिम बंगाल के नौसैनिक अधिकारियों के साथ समन्वय करते हुए व्यापक आपदा प्रतिक्रिया तंत्र को सक्रिय किया गया है।

खबर संक्षेप

प्रो. मजहर होंगे जामिया के नए कुलपति

नई दिल्ली। शिक्षा मंत्रालय ने प्रोफेसर मजहर आसिफ को जामिया मिलिया इस्लामिया (जेएमआई) का नया कुलपति नियुक्त किया है। यह नियुक्ति जामिया मिलिया इस्लामिया अधिनियम, 1988 के तहत प्रदत्त शक्तियों के आधार पर की गई है। इस अधिनियम के तहत कुलपति की नियुक्ति की जाती है।

बिश्नोई के भाई का दावा सलमान ने चेकबुक दी

मुंबई। काला हिरण शिकार मामले पर लॉरेन्स बिश्नोई और उसके गैंग की तरफ से कथित रूप से कई बार सलमान को धमकियां मिल चुकी हैं। गैंगस्टर के चचेरे भाई रमेश बिश्नोई ने सलमान खान पर गंभीर आरोप लगाया है। रमेश बिश्नोई ने ऐसा दावा किया है कि खान ने मामले में बिश्नोई समाज को पैसों की पेशकश की।

ट्रैफिक उल्लंघन रोकने एआई का लेंगे सहारा

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि सरकार ट्रैफिक उल्लंघनों की जांच करने और जुर्माना सही लगाने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और अन्य नए तरीकों का इस्तेमाल करने का प्रस्ताव कर रही है। ट्रैफिक इंफ्राटेक एक्सपो के 12वें संस्करण में टोल कलेक्शन के तरीकों की रूपरेखा पेश की।

राष्ट्रपति आज दीक्षांत समारोह में जाएंगी

रायपुर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू शुक्रवार से छत्तीसगढ़ के 2 दिनी दौरे पर रहेंगी। वे 4उच्च शिक्षा संस्थानों के दीक्षांत समारोह में शामिल होंगी। रायपुर और दुर्ग जिलों में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। इन जिलों में कई स्थानों पर यातायात मार्ग में बदलाव किया गया है। वे एम्स रायपुर जाएंगी, जहां वे दूसरे दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि हैं।

महाराष्ट्र चुनाव से पहले शरद पवार को सुप्रीम कोर्ट का झटका

भतीजे की घड़ी पर खबर बड़ी

फिलहाल अजित पवार के ही पास रहेगी एनसीपी की 'घड़ी', 'चाचा' की अर्जी हो गई खारिज

6 नवंबर को होगी शीर्ष अदालत में मामले पर अगली सुनवाई

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

महाराष्ट्र चुनाव से पहले शरद पवार और उनके गुट को बड़ा झटका लगा है। सुप्रीम कोर्ट ने अजित पवार को 'घड़ी' चुनाव चिन्ह का इस्तेमाल करने से रोकने की मांग फिलहाल खारिज कर दी है। महाराष्ट्रमें अजित पवार गुट 'घड़ी' सिंबल पर वोट मांग सकेंगे।

शरद पवार ने 2 अक्टूबर को सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर 'घड़ी' चुनाव चिह्न के इस्तेमाल पर रोक लगाने की मांग की थी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि महाराष्ट्र में अजित गुट घड़ी चुनाव चिह्न का इस्तेमाल कर सकेंगे, लेकिन उन्हें डिस्क्लेमर भी लगाना होगा। अजित गुट 'घड़ी' चिन्ह के साथ कोर्ट में विचाराधीन डिस्क्लेमर लगाने के आदेश का पालन करने को लेकर एक एफिडेविट भी देंगे। महाराष्ट्र की 288 विधानसभा सीटों के लिए एक ही फेज में 20 नवंबर को वोटिंग होनी है। नतीजे 23 नवंबर को आएंगे।

अजित गुट को नोटिस

सुप्रीम कोर्ट ने अजित पवार गुट को नोटिस जारी किया है। कोर्ट ने नोटिस में पूछा है कि 19 मार्च के अदालती आदेश का पालन किया गया या नहीं? प्रचार सामग्री में डिस्क्लेमर लगाया गया या नहीं? सुप्रीम कोर्ट ने अजित पवार से नई अंडरटेकिंग भी मांगी है कि वो अदालती आदेशों का पालन कर रहे हैं।

चुनाव आयोग ने भी अजित को माना असली राकांपा

चुनाव आयोग ने अजित पवार की एनसीपी को असली पार्टी मानते हुए 'घड़ी' चुनाव चिह्न के इस्तेमाल करने का अधिकार दिया था। कोर्ट में बहस के दौरान शरद पवार के वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि मार्च में हुई सुनवाई में कोर्ट ने चुनाव आयोग को हमारे लिए भी एक चिन्ह 'तुरही' अलॉट करने का आदेश दिया। अजित से कहा गया था कि घड़ी चिन्ह के साथ यह लिखें कि मामला अभी कोर्ट में विचाराधीन है।

दोनों पक्ष निर्देशों का पालन करें

सुप्रीम कोर्ट ने चेताया कि हम दोनों पक्षों से अपेक्षा करते हैं कि वे हमारे निर्देशों का पालन करें। अपने लिए शर्मनाक स्थिति न बनाएं। अगर हमें लगता है कि हमारे आदेश का उल्लंघन करने का जानबूझकर प्रयास किया जा रहा है, तो हम स्वो-मोटो अवमानना की कार्रवाई शुरू कर सकते हैं। इस मामले में अब 6 नवंबर को आगे की सुनवाई होगी।

महायुति के बागियों पर शाह की नजर
ध्यान रहे बागी खड़े न हों

दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के आवास पर महायुति की बैठक हुई। बैठक में बाकी बची 23 सीटों पर फैसला लिया जाना है। बैठक को लेकर सूत्रों के हवाले से खबर सामने आई है कि अमित शाह की नजर महायुति के बागियों पर है। शाह की नजर महायुति के बागियों पर है। शाह ने सीएम एकनाथ शिंदे और डिप्टी सीएम अजित पवार को सलाह दी है कि महायुति में कोई भी दल बागियों को खड़ा नहीं करेगा।

शरद की पार्टी ने जारी किए 45 उम्मीदवारों के नाम

शरद पवार वाली एनसीपी ने पहली लिस्ट में 45 नामों का ऐलान किया है। इस्लामपुर से जयंत पाटिल, कराड उत्तर से बालासाहेब पाटिल, मुंब्रा कलवा से जितेंद्र अवध, कोरेगांव से शशिकांत शिंदे, जलगांव से गुलाबराव देवकर, इंदापुर से हर्षवर्धन पाटिल, राहुरी से प्राजक्ता को प्रत्याशी बनाया है।

अजित गुट को झटका, भतीजे समीर ने दिया इस्तीफा

महाराष्ट्र चुनाव से पहले एनसीपी अजित पवार गुट को बड़ा झटका लगा है। गुरुवार को एनसीपी मुंबई अध्यक्ष समीर भुजबल ने इस्तीफा दे दिया। वह नाशिक के नांदगांव-मनमाड़ से निर्दलीय चुनाव लड़ सकते हैं। समीर भुजबल दिग्गज नेता छगन भुजबल के भतीजे हैं।

महा विकास अघाड़ी के घटक दलों में सीट की अदला-बदली

शिवसेना नेता संजय राउत ने गुरुवार को संकेत दिया कि महा विकास आघाड़ी (एमवीए) के सहयोगी दल आपस में कुछ सीट की अदला-बदली कर सकते हैं। राउत ने यह बात महाराष्ट्र में विपक्षी गठबंधन एमवीए द्वारा तीनों घटक दलों को 85-85 सीट देने के फार्मूले की घोषणा के एक दिन बाद कही। उन्होंने यह भी कहा कि बुधवार को उनकी पार्टी द्वारा घोषित उम्मीदवारों की सूची में 'कुछ सुधार' हो सकते हैं।

2 राज्यों को दिवाली का तोहफा

दो बड़े रेल प्रोजेक्ट्स से बिहार-आंध्र को होगा लाभ

एयरपोर्ट, पोर्ट, हाईवे, रेलवे, मेट्रो, इंडस्ट्रियल और हाउसिंग के प्रोजेक्ट्स

नई दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता वाली केंद्रीय कैबिनेट ने गुरुवार को कई अहम प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दी है। इनमें दो बड़े रेलवे प्रोजेक्ट्स भी शामिल हैं, जिनसे आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और बिहार को फायदा होगा।

इन रेलवे प्रोजेक्ट्स में 6,798 करोड़ खर्च होंगे। कैबिनेट के फैसलों में कुल 9,17,791 करोड़ के 7 सेक्टर्स के प्रोजेक्ट्स को मंजूरी मिली है। इनमें एयरपोर्ट, पोर्ट, हाईवे, रेलवे, मेट्रो, इंडस्ट्रियल और हाउसिंग से जुड़े प्रोजेक्ट्स शामिल हैं। रेलवे के लिए 51,801 करोड़ के प्रोजेक्टस को मंजूरी दी गई है। इसमें कुल 12 रेलवे प्रोजेक्ट्स और वाराणसी में नया पुल शामिल है।

डबल लाइन में 40 से ज्यादा पुल बनेंगे

जैसे प्रमुख शहरों के लिए सीधे रेल संपर्क स्थापित करेगी। मछलीपट्टनम, कृष्णापट्टनम और काकीनाडा के बंदरगाहों को कनेक्टिविटी भी प्रदान करेगी। दूसरी परियोजना का उद्देश्य उत्तर बिहार और पूर्वोत्तर राज्यों के बीच संपर्क बढ़ाना है। इस डबल लाइन रेलवे में अपने मार्ग पर 40 से अधिक पुल होंगे। बेहतर बुनियादी ढांचा लोगों, खाद्यान्न और अन्य आवश्यक वस्तुओं की आवाजाही को सुविधाजनक बनाएगा, साथ ही पवित्र शहर अयोध्या को सीतामढ़ी से जोड़ेगा।

नॉर्थ बिहार में डबल होगी रेलवे लाइन

दूसरा बड़ा रेल प्रोजेक्ट नॉर्थ बिहार के लिए है। यहां 256 किलोमीटर रेलवे ट्रैक को डबल किया जाएगा। नरकटियागंज-रक्सौल-सीतामढ़ी-दरभंगा और सीतामढी-मुजफ्फरपुर रेलवे ट्रैक की डबलिंग की जाएगी। इससे उत्तर प्रदेश और नॉर्थ बिहार को फायदा होगा। यह रेलवे ट्रैक नेपाल बॉर्डर के पास होगा, जिससे भारत-नेपाल ट्रेड में भी बढ़ोतरी होगी। इस प्रोजेक्ट में 4,553 करोड़ खर्च होंगे।

अमरावती रेलवे लाइन भी स्वीकृत

कैबिनेट ने 57 किलोमीटर लंबी अमरावती रेलवे लाइन को मंजूरी दी है। यह रेल लाइन 2,245 करोड़ से बनाई जाएगी। इससे आन्ध्र प्रदेश की राजधानी अमरावती रेलवे नेटवर्क से जुड़ जाएगा। अमरावती की हैदराबाद, चेन्नई और कोलकाता से सीधे कनेक्टिविटी होगी। इस रेलवे लाइन के बनने से अमरलिंगेश्वर स्वामी मंदिर, अमरावती स्तूप, ध्यान बुद्ध प्रतिमा और उंदावल्ली गुफाओं तक पहुंच आसान हो जाएगी।

मस्जिद को लेकर बवाल

धार्मिक संगठन ने निकाली रैली, पथराव पर लाठीचार्ज

एजेंसी ▶▶ उत्तरकाशी

मस्जिद हटाने को लेकर जनाक्रोश रैली निकाली जा रही है। संगठन की रैली को रोकने के लिए पुलिस की ओर से बैरियर लगाए, लेकिन लोगों का आक्रोश थमने का नाम नहीं ले रहा है। नारेबाजी करते हुए जनाक्रोश रैली बैरिकेड के पास पहुंची, जहां उनकी पुलिस से तीखी झड़प हुई। इस दौरान भीड़ ने पथराव कर दिया तो पुलिस ने लाठीचार्ज कर भीड़ को खदेड़ा। गुरुवार को जय श्री राम के नारों के साथ धार्मिक संगठन ने जनाक्रोश रैली निकाली। धार्मिक संगठन द्वारा मस्जिद को

लेकर निकाली जा रही रैली के चलते बाजार बंद कराए गए थे। मस्जिद पुरानी है। धार्मिक संगठन की ओर से इसे अवैध बताया जा रहा है। हालांकि जिला प्रशासन इसे सरकारी भूमि पर अवैध रूप से नहीं बने होने को लेकर प्रेस विज्ञप्ति जारी कर चुका है। लेकिन संगठन इसे नहीं मान रहा है।

राज्यों के खिलाफ अवमानना याचिका सुप्रीम कोर्ट में खारिज

'विध्वंस' से प्रभावित लोग आ सकते अदालत

याची मामले से असंबद्ध, सुनने से किया इनकार

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सर्वोच्च न्यायालय ने उत्तराखंड, राजस्थान और उत्तर प्रदेश में अधिकारियों द्वारा अदालत के आदेश की अवमानना का आरोप लगाने वाली याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया। न्यायमूर्ति बीआर गवई, न्यायमूर्ति पीके मिश्रा और न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन की पीठ ने कहा कि याचिकाकर्ता प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से मामले से नहीं जुड़ा है, इसलिए वह याचिका पर विचार नहीं कर रहे हैं। कोर्ट ने साफ किया है कि जो लोग बुलडोजर कार्रवाई से प्रभावित हैं, वे अदालत आ सकते हैं।

फुटपाथ पर अतिक्रमण को हटाया

याचिकाकर्ता के वकील ने आरोप लगाया कि एक मामले में एफआईआर दर्ज होने के तुरंत बाद संपत्ति को ध्वस्त कर दिया गया। उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से पेश हुए अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल के एम नटराज ने कहा कि याचिकाकर्ता एक तीसरा पक्ष है और उसे तथ्यों की जानकारी नहीं है। सॉलिसिटर जनरल ने कहा कि जिसके खिलाफ तोड़फोड़ की कार्रवाई की गई, वह फुटपाथ पर अतिक्रमण था जिसे अधिकारियों ने हटाया था।

प्रभावित व्यक्तियों के परिवार के लिए कोर्ट खुला रहेगा

पीठ ने याचिका पर विचार करने से इनकार करते हुए कहा कि याचिकाकर्ता इस कार्रवाई से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित नहीं है। तोड़फोड़ से प्रभावित व्यक्ति अदालत आ सकते हैं। याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि तीन में से दो मामलों में प्रभावित व्यक्ति जेल में हैं। पीठ ने कहा कि प्रभावित व्यक्तियों के परिवार के सदस्य भी अदालत का दरवाजा खटखटा सकते हैं।

हम भानुमति का पिटारा नहीं खोलना चाहते

पीठ ने कहा कि 'हम भानुमती का पिटारा नहीं खोलना चाहते हैं। विध्वंस से प्रभावित लोगों को न्यायालय आने दें। दरअसल याचिकाकर्ता के वकील ने आरोप लगाया कि हरिद्वार, जयपुर और कानपुर में अधिकारियों ने सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के बावजूद संपत्तियों को ध्वस्त किया। याचिकाकर्ता ने कहा कि कोर्ट ने साफ कहा था कि उनकी अनुमति के बगैर तोड़फोड़ की कार्रवाई नहीं की जाएगी, लेकिन उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और राजस्थान के अधिकारियों द्वारा कोर्ट के आदेश की अवमानना की गई।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक राजेश मीणा द्वारा अम्बर ऑफसेट प्रा. लि., डी एल टॉवर, 3-ए, विद्याआश्रम संस्थानिक क्षेत्र, जेएलएन मार्ग, जयपुर से मुद्रित एवं बी-66, कुसुम विहार, जगतपुरा, मालवीया नगर, जयपुर से प्रकाशित।
सम्पादक-राजेश मीणा, Email : sanjeevnitoday@gmail.com मो: 8094811115, (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी)